सूर्योदय 6.07 सूर्यास्त 6:23

आज का तापमान

शिमला	13.6 न्यू	21.5 अधि
धर्मशाला	18.8 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,314
निफ्टी	23,270
सोना	1,52,000
चांदी	2,30,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शुक्रवार, 18 सितंबर 2026 | 2 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 144, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

भारत बनेगा सेमीकंडक्टर का वैश्विक केंद्र

पीएम बोले- भारत में बने चिप अब देश के साथ-साथ दुनिया के ग्राहकों तक पहुंच रहे

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीरवार को कहा कि दुनिया को सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए नए और भरोसेमंद स्थानों की जरूरत महसूस हो रही है और भारत इस अवसर के लिए खुद को लगातार तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर विनिर्माण का पसंदीदा गंतव्य बनने की दिशा में हर जरूरी कदम उठा रहा है।

प्रधानमंत्री ने यशोभूमि में सेमीकोन इंडिया-2026 का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत सेमीकंडक्टर मिशन के दूसरे चरण की शुरुआत कर चुका है। पहले चरण में करीब आठ अरब डॉलर के व्यय की योजना थी, जिसे दूसरे चरण में बढ़ाकर 13.5 अरब डॉलर किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में नीतियों पर चर्चा हुई, बाद के चरणों में पायलट लाइन और परीक्षण की दिशा में प्रगति हुई और अब भारत वाणिज्यिक उत्पादन के चरण में पहुंच गया है। मोदी ने कहा कि मोहाली और सूरत में दो सेमीकंडक्टर संयंत्रों में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है और भारत में बने चिप अब देश के साथ-साथ दुनिया के ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में किसी देश को इस मुकाम तक पहुंचाना आसान नहीं होता, क्योंकि फैक्टरी स्थापित होने के साथ ही उत्पादन शुरू नहीं हो जाता। इसके लिए तकनीकी क्षमता और विशेषज्ञता विकसित करने में लंबा समय लगता है। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से इस यात्रा में सक्रिय भागीदारी जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य फैबलेस कंपनियों की वृद्धि और बौद्धिक संपदा के सृजन को देश में बढ़ावा देना है। विभिन्न प्रकार के कंपाउंड सेमीकंडक्टर, सिलिकॉन फोटोनिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी तकनीकों के विकास पर भी जोर दिया जा रहा है। मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना भारत की प्राथमिकताओं में शामिल है और इस दिशा में कई सुधार किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि अब तक 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है और अगले चरण में इनका दायरा और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने रसायन और गैसों सहित सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े क्षेत्रों की कंपनियों से भी भारत में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा व कुशल मानव संसाधन : प्रधानमंत्री

मोदी ने कहा कि भारत की एक बड़ी ताकत उसका युवा और कुशल मानव संसाधन है। सरकार का लक्ष्य एक लाख इंजीनियरिंग छात्रों को सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए प्रशिक्षित करना है और बड़ी संख्या में युवाओं को अब तक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने भारत में शोध कर रहे युवा प्रतिभाओं के साथ विदेशों में शोध कर रहे भारतीय युवाओं से भी उन्नत प्रौद्योगिकी के विकास में देश से जुड़ने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत के नेताओं से देश में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) को नेतृत्व देने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे उद्योग को लाभ मिलने के साथ भारत की युवा शक्ति को भी मजबूती मिलेगी।

◆ **भारत में 12 सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी**

न्यूज शॉर्ट्स

दिशा सालियान मौत मामला : आदित्य को 500 करोड़ का नोटिस

एजेंसी, मुंबई। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। बार एंड बेंच के मुताबिक, नोटिस में दोनों नेताओं से उनके बयानों को वापस लेने, सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और 500 करोड़ का हर्जाना देने की मांग की गई है। दोनों को इसके लिए 7 दिन का समय दिया गया है। आदित्य ठाकरे ने जांच में उनका नाम आने पर कहा था कि ये राजनीति से प्रेरित है। वहीं, अनिल देशमुख ने कहा था कि आदित्य को बदनाम किया जा रहा है। दिशा के पिता ने कहा कि इन बयानों से निष्पक्ष जांच की मांग को गलत तरीके से पेश किया गया। 28 साल की दिशा एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। उनकी 8 जून 2020 को मुंबई की एक बिल्डिंग से गिरने के कारण मौत हुई थी।

नासिक में अफसर की टेबल पर कुत्ते छोड़ गए प्रदर्शनकारी

एजेंसी, नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर प्रदर्शनकारियों ने अनोखा विरोध किया। युवा सेना (यूबीटी) के कार्यकर्ता बोरियों में कुत्तों को भरकर निफाड़ नगर पंचायत के मुख्य अधिकारी धीरज भामरे के ऑफिस पहुंचे। यहां उन्होंने बोरियां खोलकर कुत्तों को अफसर की टेबल पर छोड़ दिया। कुत्तों को टेबल पर देखकर अफसर भी चौंक गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर शिकायतों के बावजूद आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया और हंगामा भी किया।

सरकार ने फ्यूल एक्सपोर्ट ड्यूटी में की कटौती

एजेंसी, नई दिल्ली। सरकार ने देश से बाहर भेजे जाने वाले पेट्रोल, डीजल व जेट ईंधन पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। नई दरें 16 सितंबर 2026 से लागू हो गई हैं, जिससे भारतीय रिफाइनरी कंपनियों का खर्च घटेगा और उन्हें विदेशी बाजार में तेल बेचने पर सीधा फायदा मिलेगा। यह कटौती 16 सितंबर 2026 से लागू हो चुकी है। सरकार हर 15 दिन में विंडफॉल टैक्स की समीक्षा करती है। इससे पहले 1 सितंबर को टैक्स बढ़ाया गया था, लेकिन अब ग्लोबल क्रूड मार्केट में कीमतें सामान्य होने के कारण सरकार ने इस बढ़ोतरी को वापस ले लिया है।

केरलम बाल अधिकार आयोग बोला- लंबे बालों पर भेदभाव न करें

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम। केरलम राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि बालों की लंबाई के आधार पर बच्चों से भेदभाव न करें। आयोग ने कहा कि लड़के और किसी खास जेंडर की पहचान नहीं रखने वाले बच्चे अपनी पसंद के अनुसार बाल बढ़ा सकते हैं। स्कूल उन्हें इसके लिए सजा नहीं दे सकते। यह आदेश 17 सितंबर को जारी किया गया जिसमें कहा गया कि बच्चे अपनी पसंद के कपड़े भी पहन सकते हैं। आयोग ने कहा कि स्कूल प्रबंधन लड़कों या ट्रांसजेंडर बच्चों को बालों की लंबाई के कारण मानसिक रूप से परेशान नहीं कर सकते।

मणिपुर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट से सरकार को फटकार

640 मौत के मामलों में आपराधिक केस दर्ज तो 20 लोगों का ही पोस्टमार्टम क्यों कराया?

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को मणिपुर के राहत शिविरों में हुई संदिग्ध मौतों और यौन उत्पीड़न के मामलों को लेकर राज्य सरकार को फटकार लगाई।

कोर्ट ने मुख्य सचिव से 25 संदिग्ध मौतों की रिपोर्ट मांगी। कोर्ट के मुताबिक, 8 जिलों के राहत शिविरों में अब तक 640 मौतें दर्ज की गई हैं। इनमें से सिर्फ 20 मामलों में पोस्टमार्टम कराया गया, जबकि इन मामलों में आपराधिक केस भी दर्ज किए गए थे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच मणिपुर में 2023 में हुई जातीय हिंसा से जुड़े यौन हिंसा के मामलों की जांच और कार्रवाई से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट का हवाला दिया। कोर्ट ने राहत शिविरों में रह रहे विस्थापित लोगों की सुरक्षा और सम्मान को लेकर सवाल उठाए।

कोर्ट ने मणिपुर के एडवोकेट जनरल से भी पूछा कि 4 जुलाई को समिति ने राहत शिविरों में रह रहे विस्थापित लोगों की 25 मौतों को लेकर जो जानकारी मांगी थी, उस पर अब तक क्या कार्रवाई की गई। कोर्ट ने सवाल किया कि जब 640 मौत के मामलों में आपराधिक केस दर्ज थे, तो सिर्फ 20 लोगों का पोस्टमार्टम क्यों कराया गया। कोर्ट ने यह भी पूछा कि कई मामलों में सिर्फ 20 हजार से 30 हजार रुपए का मुआवजा क्यों दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर लीगल सर्विसेज अथॉरिटी को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि सभी संदिग्ध मौतों के मामलों में एफआईआर दर्ज कराई जाए और मौत के कारणों की उचित जांच सुनिश्चित की जाए।

चंद्रशेखरन 5 साल और टाटा संस के चेयरमैन बने रहेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली। टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल 2032 तक बढ़ा दिया गया है। टाटा संस लिमिटेड के बोर्ड ने वीरवार को 5 साल का नया कार्यकाल देने को मंजूरी दे दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, होल्डिंग कंपनी में मेजॉरिटी रखने वाले कई टाटा ट्रस्ट चंद्रशेखरन को चेयरमैन के तौर पर दोबारा अपॉइंट करने को चुनौती दे सकते हैं। अभी चंद्रशेखरन का दूसरा कार्यकाल चल रहा है, वे फरवरी 2027 में रिटायर होने वाले थे। हालांकि, चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त 2026 को इस्तीफा दिया था। तब उनके तीसरे कार्यकाल को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के साथ सहमति नहीं बन पाई थी। टाटा ग्रुप में पहली बार ऐसा हुआ है, जब कोई ग्रुप एग्जीक्यूटिव स्टैंडर्ड रिटायरमेंट उम्र से आगे अपने पद पर बना रहेगा।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में दो आतंकियों का एनकाउंटर

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बुधवार रात सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर यह कार्रवाई की। जिले के मजालता इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी।

दोनों आतंकियों के पाकिस्तानी होने और कश्मीर टाइगर्स (के) या जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की आशंका है। उनकी पहचान और संगठन की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। जम्मू-कश्मीर में इस साल अब तक 15 आतंकी घटनाएं हुई हैं। इनमें 15 आतंकी मारे गए, जबकि 2 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। वहीं, 3 नागरिकों की भी मौत हुई। उधमपुर में दो बार सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एनकाउंटर हुआ। उधमपुर का मजालता इलाका घने जंगल और पहाड़ी भूभाग वाला है। सुरक्षा एजेंसियों को पिछले कुछ दिनों से ब्रेटल-खुब्बन बेल्ट और आसपास के जंगलों में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसके बाद इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई थी। बुधवार देर रात संदिग्ध लोगों की आवाजाही की सूचना मिलने पर सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एसओजी ने इलाके की घेराबंदी की और तलाशी शुरू की। इस दौरान आतंकियों की ओर से फायरिंग होने पर सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की।

यूपीआई पर एमडीआर को लेकर वित्त मंत्रालय ने दी सफाई

एमडीआर को बाहरी प्रभाव से जोड़ना गलत

एजेंसी, नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने बड़े मूल्य के यूपीआई लेनदेन पर 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने का फैसला अमेरिकी दबाव में किए जाने के आरोपों को खारिज किया है।

मंत्रालय ने वीरवार को एनपीसीआई के दो हजार रुपए से अधिक के चुनिंदा व्यापारी (पी2एम) के यूपीआई भुगतान पर 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू किए जाने से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट को लेकर मचे घमासान के बीच स्पष्टीकरण भी जारी किया है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के हाल में जारी दिशा-निर्देशों में यूपीआई पर क्रेडिट कार्ड के जरिये लेन-देन के लिए केवल रुपे क्रेडिट कार्ड की अनुमति है और इससे विदेशी क्रेडिट कार्ड को कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने एक्स पर एक पोस्ट में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की 2026 की रिपोर्ट में भारत की यूपीआई भुगतान प्रणाली में अमेरिकी इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सेवा प्रदाताओं को रुपे कार्ड के समान अवसर नहीं मिलने संबंधी टिप्पणियों के जवाब में यह स्पष्टीकरण दिया है।

◆ **एमडीआर से छोटे भुगतान ऐप को मिलेगा प्रतिस्पर्धा का मौका**

डीएफएस ने कहा, 'एनपीसीआई के 15 सितंबर के परिपत्र में रुपे कार्ड के अलावा किसी अन्य क्रेडिट कार्ड से यूपीआई पर क्रेडिट लेन-देन की अनुमति नहीं दी गई है। वहीं, एमडीआर को किसी बाहरी प्रभाव के कारण लागू किए जाने का आरोप 'गलत और भ्रामक' है।' वित्त मंत्रालय का यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी दलों ने ये आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ने दो हजार रुपए से अधिक के व्यापारी यूपीआई लेन-देन पर 0.4 फीसदी का एमडीआर लागू करने का फैसला अमेरिकी दबाव में किया है। एनपीसीआई ने कहा कि अधिक मूल्य के चुनिंदा यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर लागू करने का उद्देश्य यूपीआई परिवेश के लिए टिकाऊ राजस्व मॉडल तैयार करना है। इससे छोटे तीसरे पक्ष के ऐप प्रदाताओं को बाजार में अधिक हिस्सेदारी हासिल करने के लिए प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा। इससे पहले एनपीसीआई ने नवंबर 2020 में तीसरे पक्ष के ऐप प्रदाताओं के लिए 30 फीसदी बाजार हिस्सेदारी की सीमा तय की थी। हालांकि, उसका कहना है कि टिकाऊ राजस्व मॉडल के अभाव में बाजार की प्रमुख इकाइयों के अलावा अन्य कंपनियां प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रही थीं।

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर सीएम रेखा ने हवन और रक्तदान किया

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर खाटू श्याम विशाल मंदिर दिल्ली धाम में आयोजित 108 कुंडीय यज्ञ में विधिवत हवन कर उनके दीर्घ, यशस्वी व राष्ट्रसेवा को समर्पित जीवन के लिए मंगलकामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने त्यागराज स्टेडियम में मेगा रक्तदान शिविर में केंद्रीय राज्य मंत्री व प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित दिल्ली सरकार के मंत्रियों के साथ मिलकर रक्तदान किया।

◆ **मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यज्ञ में दी आहुति, मोदी के लिए मांगी दीर्घायु**

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर खाटू श्याम विशाल मंदिर दिल्ली धाम में आयोजित 108 कुंडीय यज्ञ में 17,000 ट्रस्टी सहभागी हुए और दिव्यांग बच्चों ने सुंदरकांड का पाठ कर प्रधानमंत्री के दीर्घ एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि बाबा श्याम हमारे प्रधानसेवक को निरंतर ऊर्जा, सामर्थ्य और सफलता प्रदान करें तथा राष्ट्रहित के उनके प्रत्येक संकल्प को सिद्धि मिले।

तमिलनाडु में हिंदी पढ़ाने से नहीं रोक सकते : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग-थलग करने की सोच पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि चेन्नई में बैठे लोगों को दिल्ली में बैठे लोगों से अलग नहीं होना चाहिए और न ही दिल्ली को चेन्नई से। कोर्ट की यह टिप्पणी तमिलनाडु सरकार की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। राज्य ने मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें हर जिले में नवोदय विद्यालय शुरू करने का आदेश दिया गया था।

उत्तराखंड के विकास में पीएम मोदी का विशेष योगदान : सीएम धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीरवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर उन्हें हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए बाबा केदार से उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड से विशेष आत्मीय लगाव रहा है। उनके मार्गदर्शन और केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश में सड़क, रेल व हवाई कनेक्टिविटी, चारधाम, सीमांत क्षेत्रों, पर्यटन और आध्यात्मिक स्थलों के विकास को गति मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने केदारनाथ धाम की धरती से '21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा' का संकल्प व्यक्त किया था।

◆ **मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं**

मुख्यमंत्री के अनुसार प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे और पर्यटन के नए अवसरों के साथ यह संकल्प साकार होता दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन और उत्तराखंड के प्रति उनका स्नेह राज्य के विकास के लिए प्रेरणा का स्रोत है। राज्य सरकार विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप विकसित उत्तराखंड के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने डूसू चुनाव हिंसा पर जताई नाराजगी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने वीरवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनावों के दौरान हो रही हिंसा पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा- लोकतंत्र को अपराधियों का समाज नहीं बनाया जा सकता।

◆ **फिर ऐसा हुआ तो चुनाव कर देंगे रद्द**

अदालत ने इस मामले में डीयू प्रशासन, दिल्ली पुलिस और सरकार से कल तक रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने यह चेतावनी भी दी है कि अगर उठाए गए कदमों से वह संतुष्ट नहीं हुआ, तो वोटों की गिनती और नतीजों के ऐलान पर रोक लगा दी जाएगी। कोर्ट ने ये टिप्पणी डूसू चुनाव प्रचार के दौरान हुई हिंसा और गुंडागर्दी से जुड़ी जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान की।

किशाऊ प्रोजेक्ट 75 लाख हिमाचलियों की जीत, 211 मेगावाट से सालाना मिलेंगे 1200 करोड़ : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि **किशाऊ** डैम प्रोजेक्ट में हिमाचल को मिली जीत पूरे 75 लाख हिमाचलियों की जीत है। नादौन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने सांसद अनुराग ठाकुर के आरोपों का करारा जवाब दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुराग ठाकुर को जानकारी का अभाव है। किशाऊ में 422 मेगावाट बिजली पैदा होगी, जिसमें हिमाचल और उत्तराखंड की 50-50 प्रतिशत भागीदारी है। 211 मेगावाट हिमाचल के हिस्से में आएगा। आज के रेट से इससे 600 करोड़ और पांच साल बाद 1200 करोड़ रुपए सालाना आय होगी। सबसे बड़ी बात यह है कि पूरा खर्चा और लोन उत्तराखंड सरकार उठाएगी, केंद्र सरकार लोन दिलाएगी, हिमाचल को एक रुपया नहीं देना है, अगर भाजपा की सरकार होती तो 211 मेगावाट के लिए हिमाचल को 1000 करोड़ रुपए देने पड़ते।

◆ **अब दूसरी लड़ाई वीवीएमबी से 500 करोड़ सालाना की**

केंद्र ने 12 प्रतिशत फ्री रॉयल्टी का लालच दिया था, लेकिन मैंने साफ मना कर दिया। यह लड़ाई मैंने खुद गृह मंत्री और उत्तराखंड सरकार से लड़ी है और जीती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब दूसरी लड़ाई वीवीएमबी से 500 करोड़ सालाना की है, जो पिछली सरकार नहीं लड़ पाई। इसके लिए उन्होंने देश के बड़े वकील कपिल सिब्बल को खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि 2 अक्तूबर को सरकार दो बड़ी योजनाएं शुरू कर रही है। पहली 2 लाख गरीब परिवारों की 21 साल से ऊपर की बेटियों को 1500 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। दूसरा 300 यूनिट फ्री बिजली, घर बनाने के लिए पैसा और 10 लाख रुपए तक के इलाज का बीमा कवर दिया जाएगा।

संत बाबा ईशर सिंह की बरसी पर कार्यक्रम, सीएम ने दी श्रद्धांजलि

देश को मजबूत बना रहे मोदी : नायब सैनी

एजेंसी, कुरुक्षेत्र। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को गुरुद्वारा सचखंड ईशर सिंह दरबार साहिब जुरासी खुर्द पहुंचे। यहां उन्होंने संत बाबा ईशर सिंह की 51वीं बरसी पर उनको श्रद्धांजलि दी और नमन किया। यहां पहुंचने पर गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार बाबा मणि सिंह ने मुख्यमंत्री को सिरोपा भेंट किया।

बरसी पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के शीश नवाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और भगवान विश्वकर्मा जयंती पर भी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। यहां मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा ईशर सिंह ने भारत के गांवों और नगरों के साथ-साथ विदेशों में भी गुरमत का व्यापक प्रचार किया। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को ऐसा प्रधानमंत्री पहली बार मिला है, जिसने गरीबों को सशक्त और मजबूत करने, महिलाओं को सुरक्षित रखने और किसानों समेत हर वर्ग को मजबूत करने के लिए काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के निर्माण में लगातार काम कर रहे हैं। सीएम नायब सैनी ने कहा कि आज भगवान विश्वकर्मा की भी जयंती है। भगवान विश्वकर्मा ने पूरी दुनिया के निर्माण में योगदान दिया। उसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी देश को बनाने का काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा संकल्प अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। अभियान के तहत सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम चल रहे हैं।

◆ **सेवा संकल्प अभियान के तहत होंगे जनकल्याण के कार्यक्रम**

◆ **बाबा ईशर सिंह ने विदेशों तक पहुंचाया गुरमत का संदेश**

जनता दर्शन — सीएम योगी ने सुनीं 150 लोगों की समस्याएं, कहा- इलाज के लिए परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ

हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनाया जाए : योगी

एजेंसी, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान वीरवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने कहा कि सरकार इलाज में पूरी मदद करेगी।

इसके लिए जरूरतमंद लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा और इसके बाद भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 150 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्रों का अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने अलग-अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किए। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही।

प्रात:काल गुरु गोरखनाथ और अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी का आशीर्वाद लेने के बाद सीएम योगी ने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की।

गोवंश को अपने हाथ से गुड़ खिलाकर उन पर स्नेह बरसाया। उन्होंने गोशाला के कार्यकर्ताओं से गोवंश के स्वास्थ्य एवं टीकाकरण की जानकारी ली और देखभाल के जरूरी दिशानिर्देश दिए।

दिव्यांग के इलाज की व्यवस्था, पेंशन भी बहाल होगी

जनता दर्शन में देवरिया जनपद से आए एक दिव्यांग ने इलाज के लिए सहायता देने का निवेदन किया। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को समुचित व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया। दिव्यांग से बातचीत में जैसे ही सीएम को उसका आयुष्मान कार्ड न होने की जानकारी हुई, तो उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द आयुष्मान कार्ड बनवा दिया जाए। सीएम ने उससे दिव्यांग पेंशन के बारे में भी पूछा तो पता चला कि पेंशन मिलती थी, लेकिन किंचित कारणों से अभी बंद है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उक्त दिव्यांग की पेंशन बहाल कराने के लिए निर्देशित किया।

डेपुटेशन पर तैनात 500 शिक्षक-कर्मियों के वेतन पर हाई कोर्ट ने लगाई सख्ती

वेतन बिल के साथ ड्यूटी स्टेशन का प्रमाण देना होगा, गलत जानकारी पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग में डेपुटेशन पर तैनात करीब 500 शिक्षक और गैर शिक्षक कर्मचारियों के वेतन पर संकट खड़ा हो गया है। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश के बाद अब डेपुटेशन पर कार्यरत कर्मचारियों के वेतन बिलों को लेकर नई व्यवस्था लागू होगी। इसके तहत संबंधित ड्राइंग एंड डिसबर्सिंग आफिसर (डीडीओ) को यह प्रमाणित करना होगा कि कर्मचारी ने संबंधित माह में उसी स्टेशन पर ड्यूटी की है, जहां से उसका वेतन बनाया जा रहा है।

शिक्षा विभाग में बड़ी संख्या में शिक्षक मूल तैनाती वाले स्कूलों के बजाय शिक्षा निदेशालय, उपनिदेशालयों, खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी कार्यालयों और अन्य कार्यालयों में डेपुटेशन पर सेवाएं दे रहे हैं। इनमें गैर शिक्षक कर्मचारी भी शामिल हैं। विभाग में अस्थायी व्यवस्था के तौर पर शुरू होने वाली डेपुटेशन कई मामलों में लंबे समय तक जारी रहने की बात सामने आती रही है।

जानकारी के अनुसार, कई शिक्षक दुर्गम क्षेत्रों में तबादला होने के बाद वहां कार्यभार संभालने के बजाय शहरों और आसपास के क्षेत्रों में डेपुटेशन हासिल कर लेते हैं। इससे संबंधित स्कूलों में शिक्षकों की कमी और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की स्थिति बनती है। विभागीय कार्यालयों में भी आवश्यकता के अनुसार कर्मचारियों की तैनाती के लिए डेपुटेशन का सहारा लिया जाता है।

डीडीओ को करना होगा प्रमाणित : हाई कोर्ट के आदेश के बाद अब वेतन जारी करने की प्रक्रिया में डीडीओ की जिम्मेदारी तय की गई है। संबंधित अधिकारी को कर्मचारी के वेतन बिल के साथ यह प्रमाणित करना होगा कि कर्मचारी वास्तव में उसी स्थान पर कार्यरत है, जिसका उल्लेख वेतन बिल में किया गया है। प्रमाणन के बिना वेतन बिल पारित नहीं किया जाएगा।

यदि किसी कर्मचारी के संबंध में गलत प्रमाणन किया जाता है तो संबंधित डीडीओ और ट्रेजरी अधिकारी की जिम्मेदारी तय होगी तथा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इससे डेपुटेशन पर तैनाती की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और वास्तविक कार्यस्थल की जानकारी सुनिश्चित करने की व्यवस्था मजबूत होगी।

सेवा पुस्तिका में दर्ज करना होगा पूरा विवरण : अदालत के निर्देशों के अनुसार कर्मचारी की सर्विस बुक में दूसरी जगह तैनाती और डेपुटेशन से संबंधित पूरा विवरण दर्ज करना होगा। इससे कर्मचारी की वास्तविक तैनाती, डेपुटेशन की अवधि और वेतन आहरण के स्थान का रिकॉर्ड स्पष्ट रहेगा। विभागीय स्तर पर रिकॉर्ड के आधार पर भी कर्मचारियों की तैनाती की स्थिति की निगरानी की जा सकेगी।

स्कूलों में शिक्षकों की कमी का मुद्दा : डेपुटेशन पर बड़ी संख्या में शिक्षकों के कार्यालयों में तैनात रहने से स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। विशेष रूप से दुर्गम और दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यालयों में शिक्षकों की कमी का असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ सकता है। अब अदालत के आदेश के बाद विभाग को डेपुटेशन पर तैनात कर्मचारियों की स्थिति की समीक्षा करने और वेतन आहरण से जुड़े रिकॉर्ड को दुरुस्त रखने की आवश्यकता होगी। डेपुटेशन की व्यवस्था केवल शिक्षा विभाग तक सीमित नहीं है। स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य विभागों में भी कर्मचारियों की अस्थायी तैनाती के मामले सामने आते रहे हैं।

पीएम मोदी के 25 वर्ष गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण और राष्ट्रसेवा को समर्पित : बिंदल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर राष्ट्रसेवा की कामना की। डॉ. बिंदल ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ पूरे किए हैं।

डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण, किसान कल्याण और युवाओं के विकास को शासन की नीतियों के केंद्र में रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सार्वजनिक जीवन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान की भावना से प्रेरित रहा है।

भारत की सामरिक और आर्थिक शक्ति बढ़ी : बिंदल : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सामरिक और आर्थिक दृष्टि से सशक्त हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है और देश वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के साथ राष्ट्रीय सामर्थ्य को भी मजबूत करने की दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। विकसित भारत का यह लक्ष्य देश के आर्थिक विकास, सामाजिक उत्थान, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय सामर्थ्य से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि इस संकल्प को साकार करने के लिए देश को निरंतर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का विकसित भारत 2047 का दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश सामूहिक प्रयासों के माध्यम से इस लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं देते हुए डॉ. बिंदल ने कहा कि वह परमात्मा और महामाई से प्रधानमंत्री को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और राष्ट्रसेवा की निरंतर शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री लंबे समय तक देश की सेवा करते रहें और विकसित भारत का संकल्प साकार हो। डॉ. बिंदल ने प्रदेश और देशवासियों को प्रधानमंत्री के जन्मदिवस की पुन: शुभकामनाएं दीं।

हिमाचल में 228 चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू, लोक सेवा आयोग को भेजा प्रस्ताव

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के निर्देशानुसार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए 228 चिकित्सा अधिकारियों (सामान्य शाखा) की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन पदों में 70 बैकलॉग और 158 नए पद शामिल हैं। विभाग ने पदों को भरने के लिए हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग को प्रस्ताव भेज दिया है।

इन नियुक्तियों से प्रदेश में चिकित्सकों की मौजूदा कमी दूर करने के साथ स्वास्थ्य संस्थानों की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। चिकित्सकों की तैनाती विभिन्न नागरिक अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, क्षेत्रीय और जोनल अस्पतालों तथा चिकित्सा महाविद्यालयों में की जाएगी।

इसी क्रम में सरकार ने चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के तहत गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में सहायक प्रोफेसर (सुपर स्पेशियलिटी) के एक पद को पदोन्नति के माध्यम से भरने की प्रक्रिया भी शुरू की है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इसी माह प्रदेश में 194 चिकित्सकों की नियुक्ति की जा चुकी है। इनमें 118 विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं। इन चिकित्सकों को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और वरिष्ठ रेजिडेंसी की अवधि पूरी करने के बाद नियुक्त किया गया है। विभागीय प्रवक्ता ने बताया कि सरकार का उद्देश्य लोगों को उनके घर-द्वार के नजदीक बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाना है। इसके लिए स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के साथ चिकित्सकों और अन्य चिकित्सा कर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि नई भर्ती और नियुक्तियों से रिक्त पद भरने में मदद मिलेगी। साथ ही स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सा सेवाओं की क्षमता बढ़ेगी और वर्तमान में कार्यरत चिकित्सकों पर काम का दबाव भी कम होगा।

चिखर की नीलम सीबीएसई में बनीं हिंदी शिक्षिका

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जुन्गा तहसील के ग्राम चिखर की बेटी नीलम ने मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर सीबीएसई में हिंदी शिक्षिका के रूप में सफलता हासिल कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उनकी उपलब्धि क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणादायक बनी है।

नीलम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने स्वर्गीय पिता मस्तियां राम, स्वर्गीय माता संभावना देवी और बड़ी मां स्वर्गीय सनेहरू देवी को दिया है। इसके अलावा उन्होंने अपनी मौसी सुरमी देवी और मौसा जीत राम के सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया। दोनों शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। नीलम ने कहा कि माता-पिता के निधन के बाद भी उन्होंने अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया और मेहनत जारी रखी। उनके माता-पिता चाहते थे कि वह सरकारी सेवा में जाएं। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने निरंतर संघर्ष किया और सफलता हासिल की।

नीलम ने बताया कि माता-पिता का साया उठने के बाद मौसी सुरमी देवी और मौसा जीत राम उनके जीवन में सहारा बनकर आए। उन्होंने हर कदम पर उनका मार्गदर्शन और सहयोग किया तथा उनकी शिक्षा एवं भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नीलम ने दोनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नीलम ने अपनी प्रारंभिक और स्कूली शिक्षा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चिखर से पूरी की। इसके बाद उन्होंने राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय संजौली, शिमला से स्नातक की शिक्षा हासिल की। उन्होंने बीएड करने के साथ हिंदी विषय में एमए की डिग्री भी प्राप्त की। शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए नीलम ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) और राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त की।

नीलम की उपलब्धि वर्षों की मेहनत, संघर्ष, आत्मविश्वास और परिवार के सहयोग का परिणाम है। सीबीएसई में हिंदी शिक्षिका के रूप में चयन उनके लिए व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ चिखर गांव और पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।

नीलम की सफलता पर परिवारजनों, शिक्षकों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने नीलम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी।

जुब्बल में वाहन से 4.10 ग्राम चिट्टा बरामद, दो युवकों पर मामला दर्ज

पुलिस ने वाहन की तलाशी लेकर नशीला पदार्थ किया बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के जुब्बल थाना क्षेत्र में पुलिस ने वाहन की तलाशी के दौरान 4.10 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की है। पुलिस ने मामले में वाहन सवार दो युवकों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेज (एनडीपीएस) एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई रोहड़ू उपमंडल के डिटेक्शन सेल में तैनात हेड कांस्टेबल विशाल नैण्टा की ओर से दी गई सूचना के आधार पर की गई। 16 सितंबर को करीब दोपहर 2:05 बजे पुलिस टीम सैंधोर पुल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि रोहड़ू निवासी कैलाश सिंह (42) और चिड़गांव निवासी अभिषेक (21) कथित तौर पर चिट्टे की खरीद-फरोख्त में संलिप्त हैं।

सूचना के मुताबिक दोनों युवक वाहन संख्या एचपी-10बी-6104 से चिट्टे की खेप लाने के लिए झराग की ओर गए थे। पुलिस को वाहन को झराग की ओर पटसारी अथवा बीच के किसी स्थान पर रोककर तलाशी लेने पर नशीला पदार्थ मिलने की संभावना बताई गई थी।

पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से 4.10 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद जुब्बल थाने में दोनों युवकों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया।

दीपावली पर पटाखों की अवैध बिक्री पर होगी सख्ती

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। दीपावली पर्व के मद्देनजर जिला प्रशासन ने पटाखों और आतिशबाजी की अनधिकृत बिक्री, भंडारण, परिवहन और वितरण पर सख्ती के निर्देश जारी किए हैं। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने आम जनता, व्यापारियों और पटाखा विक्रेताओं से नियमों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पटाखों की बिक्री, भंडारण और परिवहन विस्फोटक अधिनियम, 1884 तथा विस्फोटक नियम, 2008 के तहत जारी लाइसेंस और अनुमति की शर्तों के अनुसार ही किया जाए। लाइसेंसधारक विक्रेताओं को अपने लाइसेंस वैध एवं नवीनीकृत रखने तथा निर्धारित परिसरों में ही तय मात्रा में पटाखों का भंडारण करने के निर्देश दिए गए हैं। परिसर में अग्निशमन उपकरण, विद्युत सुरक्षा और आपातकालीन निकास सहित आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

शिमला में पीएम मोदी के जन्मदिन पर भाजपा ने आयोजित किए सेवा कार्यक्रम

कामना देवी मंदिर में हवन, रिज मैदान पर रक्तदान शिविर में जुटे कार्यकर्ता

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर शिमला जिला में भारतीय जनता पार्टी की ओर से विभिन्न सेवा एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कामना देवी मंदिर में हवन-पूजन और रक्तदान कार्यक्रम हुआ, जबकि ऐतिहासिक रिज मैदान पर भी रक्तदान शिविर लगाया गया। प्रदेश में जन्मदिवस के अवसर पर 'आशीर्वाद का दीया' अभियान के तहत दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

कामना देवी मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार और भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना के लिए हवन किया गया। डॉ. सिकंदर कुमार ने स्वयं रक्तदान कर कार्यक्रम में भाग लिया।

रिज मैदान पर आयोजित रक्तदान शिविर में पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज और भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने शिविर के आयोजन और व्यवस्थाओं में सहयोग किया। शिमला में इस अवसर पर रक्तदान शिविर को सेवा गतिविधियों के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया।

डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर हिमाचल प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ता विभिन्न सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से भागीदारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के करीब 8000 बूथों पर प्रधानमंत्री की दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए 'आशीर्वाद का दीया' जलाने का कार्यक्रम रखा गया। प्रदेश भाजपा ने जन्मदिवस के अवसर पर सेवा और जनसंपर्क से जुड़े कार्यक्रमों की घोषणा की थी। उन्होंने रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कहा कि इससे जरूरतमंद मरीजों की सहायता की जा सकती है।

रामपुर में अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद, दो आरोपी पुलिस गिरफ्त में

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो लोगों को शराब और बीयर की बड़ी खेप के साथ पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल करीब 1,488 बोतल शराब और बीयर बरामद की। दोनों के खिलाफ हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार रामपुर थाना क्षेत्र में पुलिस टीम गश्त और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान उमरी मोड़ के पास संदिग्ध परिस्थितियों में दो लोगों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से भारी मात्रा में शराब और बीयर बरामद हुई।

पुलिस ने आरोपियों की पहचान रामपुर निवासी दीपक भारद्वाज (29) और सुखा नंद के रूप में की है। बरामद खेप में ऊना नंबर-01 की 1,140 बोतलें, थंडर बोल्ट बीयर की 108 बोतलें, ओल्ड मोंक की 96 बोतलें, आइकोनिक व्हाइट की 60 बोतलें और रॉयल स्टैग की 84 बोतलें शामिल हैं।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक बरामद शराब और बीयर को कब्जे में ले लिया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर निगरानी बढ़ाने की बात कही है।

बंगापानी में ऋषि पंचमी मेले में उमड़े श्रद्धालु

महिला रस्साकस्सी में चियोग प्रथम, ग्रेज टीम ने हासिल किया दूसरा स्थान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। चियोग के समीप बंगापानी स्थित कलौहड़ नाग मंदिर में आयोजित दो दिवसीय ऋषि पंचमी जातर मेला धार्मिक आस्था, पारंपरिक रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक रंगों के बीच धूमधाम से संपन्न हो गया। मेले में क्षेत्र की करीब 12 पंचायतों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने कलौहड़ नाग मंदिर में माता जैईश्वरी दलेंया और नाग देवता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

मेले का शुभारंभ हिमाचल प्रदेश विपणन बोर्ड के सलाहकार नरेंद्र ठाकुर ने किया, जबकि समापन समारोह में राज्य आपदा प्रबंधन बोर्ड के उपाध्यक्ष दीपक राठौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने मेले के आयोजन और क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की।

मेला समिति के अध्यक्ष एवं बाजीर सीता राम शर्मा और सुरेश वर्मा ने बताया कि कलौहड़ नाग मंदिर में ऋषि पंचमी के पावन अवसर पर जातर मेले का आयोजन लंबे समय से किया जा रहा है। यह मेला क्षेत्र के लोगों की गहरी धार्मिक आस्था, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि मेले का शुभारंभ माता जैईश्वरी दलेंया और नाग देवता की पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ किया गया।

मेले के अंतिम दिन आयोजित महिलाओं की रस्साकस्सी प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्रतियोगिता में महिला मंडल चियोग ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि ग्रेज की टीम दूसरे स्थान पर रही। विजेता टीम को 11 हजार रुपये और उपविजेता टीम को 5100 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। प्रतियोगिता के दौरान महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। मेले की सांस्कृतिक संध्या में हिमाचल के प्रसिद्ध लोक कलाकारों ने हिंदी और पहाड़ी नाटियों की शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मनोरंजन किया।

जनभागीदारी पठानियां ने संसदीय समितियों की सक्रिय भूमिका और जनभागीदारी को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया

केप टाउन में पठानियां ने कानूनों की समीक्षा पर दिया जोर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। दक्षिण अफ्रीका की विधायी राजधानी केप टाउन स्थित दक्षिण अफ्रीकी संसद में आयोजित 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने कहा कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में कानून बनाना विधायिका का अंतिम उद्देश्य नहीं है। किसी कानून की वास्तविक सफलता इस बात से निर्धारित होती है कि उसके लागू होने के बाद समाज और जनता के जीवन पर उसका क्या प्रभाव पड़ा, उसके उद्देश्यों की कितनी पूर्ति हुई और उसके क्रियान्वयन में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ऐसे में कानून बनने और लागू होने के बाद उसकी समीक्षा का महत्व बढ़ जाता है।

पठानियां सम्मेलन में निर्धारित 'विधायी समीक्षा के बाद : संसद को जनता से जोड़ना' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस विषय पर उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने भी अपने विचार रखे। अपने संबोधन में पठानियां ने कहा कि विधि निर्माण के बाद समीक्षा का उद्देश्य कानून लागू होने के पश्चात उसके परिणामों का व्यवस्थित मूल्यांकन करना है। इसके तहत यह देखा जा सकता है कि कानून अपने मूल उद्देश्यों के अनुरूप काम कर रहा है या नहीं, उसके क्रियान्वयन में क्या बाधाएं हैं, प्रशासनिक संस्थाओं के पास पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं या नहीं और नागरिकों पर उसका क्या प्रभाव पड़ा है। इससे उन कमियों की पहचान करने में मदद मिलती है, जो कानून बनाते समय स्पष्ट नहीं हो पातीं।

उन्होंने कहा कि संसदीय समितियां इस प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। समितियां संबंधित मंत्रालयों और विभागों से आंकड़े तथा रिपोर्ट मांगने के साथ विशेषज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों, नागरिक समाज, उद्योग जगत और प्रभावित नागरिकों के विचार भी सुन सकती हैं। इससे कानून की समीक्षा केवल सरकारी दस्तावेजों तक सीमित न रहकर वास्तविक अनुभवों और परिस्थितियों पर आधारित हो सकती है।

पठानियां ने कहा कि जनता की भागीदारी इस व्यवस्था को और अधिक सार्थक बना सकती है। नागरिकों को कानूनों के क्रियान्वयन से जुड़ी कठिनाइयों और सुझावों को संसदीय समितियों तक पहुंचाने के सरल माध्यम उपलब्ध होने चाहिए। श्रम, शिक्षा, पर्यावरण, सामाजिक सुरक्षा, उपभोक्ता संरक्षण और डिजिटल शासन से संबंधित कानूनों की समीक्षा में नागरिक अनुभव महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने सार्वजनिक परामर्श को समीक्षा प्रक्रिया का हिस्सा बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। संसदीय समितियां लिखित सुझाव आमंत्रित करने, सार्वजनिक सुनवाई आयोजित करने और आवश्यकता के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करने जैसी व्यवस्थाएं अपना सकती हैं। इससे कानूनों के वास्तविक प्रभाव और उनके क्रियान्वयन से जुड़ी समस्याओं को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा।

पठानियां ने कहा कि विधायी समीक्षा के बाद की जांच लोकतांत्रिक विधायी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कानून बनाना प्रक्रिया का अंत नहीं, बल्कि उसके प्रभावों के मूल्यांकन की शुरुआत भी है। किसी कानून की सफलता का वास्तविक परीक्षण उसके क्रियान्वयन और जनता के जीवन में दिखाई देने वाले परिणामों से होता है।

उन्होंने कहा कि जनता से निरंतर संवाद, विधायिका की सक्रिय निगरानी, संसदीय समितियों की प्रभावी भूमिका, विश्वसनीय आंकड़ों और आधुनिक तकनीक के उपयोग से कानूनों की समीक्षा को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र वही है, जिसमें जनता केवल कानूनों की प्राप्तकर्ता न होकर उनके प्रभाव के मूल्यांकन और सुधार की प्रक्रिया में भी सहभागी बने।

शालाघाट-शिमला फोरलेन का बदलेगा रूट, पांच सुरंगों से आसान होगा सफर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के महत्वाकांक्षी मटौर-शिमला फोरलेन परियोजना के तहत शालाघाट से शिमला तक के हिस्से को अब ग्रीनफील्ड स्वरूप में विकसित किया जाएगा। नए अलाइनमेंट से शालाघाट और शिमला के बीच की दूरी करीब 33 किलोमीटर से घटकर 25 किलोमीटर रह जाएगी। इस मार्ग पर पांच नई सुरंगों का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे सफर अधिक सुगम और निर्बाध होने की उम्मीद है।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने नए अलाइनमेंट के सर्वे का काम तेज कर दिया है। इसकी विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी कास्टा इंजीनियरिंग कंपनी को दी गई है। कंपनी को दिसंबर तक रिपोर्ट एनएचएआई को सौंपनी है। इसके बाद प्रस्तावित अलाइनमेंट का खाका प्रदेश सरकार के समक्ष रखा जाएगा। स्वीकृति मिलने के बाद जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी।

प्रस्तावित मार्ग जुब्बड़हट्टी हवाई अड्डे के समीप से होकर गुजरेगा और तारादेवी के पास मौजूदा मार्ग से जुड़ेगा। इस बदलाव से मटौर-शिमला फोरलेन की कुल लंबाई करीब 223 किलोमीटर रहने के बावजूद कांगड़ा से शिमला की दूरी लगभग 56 किलोमीटर कम होने का दावा किया गया है। इससे यात्रियों के समय और ईंधन की भी बचत होगी।

पुराने मार्ग में थीं कई दिक्कतें : पहले फोरलेन को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, घणाहट्टी और टुटू होते हुए शिमला तक ले जाने की योजना थी। इस क्षेत्र में घनी आबादी होने के कारण बड़ी संख्या में मकानों और दुकानों के प्रभावित होने की आशंका थी। इसके अलावा नाल्टू, जतोग और बालूगंज क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान बर्फबारी से यातायात प्रभावित होता है।

इन परिस्थितियों को देखते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने पुराने मार्ग से अलग ग्रीनफील्ड अलाइनमेंट तैयार करने का निर्णय लिया। नए मार्ग से आबादी वाले क्षेत्रों में तोड़फोड़ की आशंका कम होगी। साथ ही सुरंगों के निर्माण से पहाड़ी मार्ग की दूरी कम करने और यातायात को सुचारु रखने में मदद मिलेगी। सर्वेक्षण पूरा होने के बाद परियोजना की अगली प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

पौड़ी जेल में पिरुल से निखर रहा हुनर, कैदी गढ़ रहे आत्मनिर्भर भविष्य

अनिल थपलियाल। 'एक जेल, एक उत्पाद' पहल के तहत जिला कारागार के बंदियों को पिरुल की पत्तियों से हस्तशिल्प उत्पाद बनाने का 21 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद बंदी अब स्वयं पिरुल से सजावटी और उपयोगी सामान तैयार कर रहे हैं। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देशन में जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण में बंदियों को पिरुल के प्रसंस्करण से लेकर उत्पाद तैयार करने और उन्हें आकर्षक रूप देने की तकनीक सिखाई गई। प्रशिक्षण के दौरान बंदियों ने विभिन्न उत्पाद तैयार करने का व्यावहारिक अभ्यास किया।

दिवई-कुटनडई में कांग्रेस का जनसंपर्क, ग्रामीणों को नीतियों से कराया अवगत

अनिल थपलियाल। कांग्रेस नेता अरुणा कुमार ने कल्जीखाल ब्लॉक के दिवई और कुटनडई क्षेत्र में जनसंपर्क कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने कांग्रेस की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए पार्टी के समर्थन की अपील की। इस दौरान क्षेत्रीय समस्याओं पर भी ग्रामीणों से चर्चा की गई। कार्यक्रम में पासी प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष सुनील रावत, मंडलम अध्यक्ष प्रेम सिंह रावत, ग्राम प्रधान अनुसूया देवी समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

नई टिहरी महाविद्यालय में नशामुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अनिल थपलियाल। राजकीय महाविद्यालय खाड़ी में 'ड्रैग फॉर इग-फ्री भूमि' अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों ने भाग लिया। प्रभारी प्राचार्य एवं एंटी ड्रग सेल के नोडल डॉ. शनवर ने युवाओं को नशे से दूर रहने और नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प दिलाया। प्राध्यापकों ने नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभाव बताए। कार्यक्रम में डॉ. ईरा सिंह, डॉ. मीना समेत अन्य प्राध्यापक मौजूद रहे।

रुद्रप्रयाग पुलिस ने विश्वकर्मा जयंती पर शस्त्र-वाहनों का किया पूजन

अनिल थपलियाल। भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर रुद्रप्रयाग पुलिस ने पुलिस लाइन सहित जनपद के सभी कोतवाली और चौकी परिसरों में विधिवत पूजा-अर्चना की। पुलिस लाइन में भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा की गई। इसके बाद पुलिस के दैनिक कार्यों और जनसेवा में इस्तेमाल होने वाले शस्त्रों, वाहनों, वायरलेस सेट, मशीनरी और विभिन्न तकनीकी उपकरणों का विधि-विधान से पूजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने संसाधनों के सुचारु संचालन तथा जनपद में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भगवान विश्वकर्मा से प्रार्थना की।

सकंड सड़क आंदोलन को भाकपा माले ने दिया समर्थन

उदित नैनवाल। कर्णप्रयाग ब्लॉक के सकंड गांव में सड़क की मांग को लेकर ग्रामीणों के आंदोलन को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) ने समर्थन दिया है। पार्टी ने कहा कि पांच दिन के आंदोलन के दबाव में प्रशासन, वन विभाग और लोक निर्माण विभाग को गांव पहुंचकर लिखित समझौता करना पड़ा, जो ग्रामीणों के संघर्ष की सफलता है। पार्टी के अनुसार, ग्रामीण दशकों से सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक सड़क के प्रथम चरण की स्वीकृति नहीं मिल पाई है।

अगस्त्यमुनि में 19 सितंबर को होगी जिला स्तरीय कबड्डी

उदित नैनवाल। खेल विभाग की ओर से अनुसूचित जाति के अंडर-18 बालकों की जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता 19 सितंबर को स्पोर्ट्स स्टेडियम अगस्त्यमुनि में आयोजित होगी। इच्छुक खिलाड़ी 18 सितंबर शाम पांच बजे तक पंजीकरण करा सकते हैं। प्रतियोगिता में विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रतिभागियों को जन्मतिथि, आधार और अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य है।

स्वच्छता अभियान से मिला जागरूकता का संदेश

शिव सिंह थलवाल (उत्तरकाशी)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत नगर पालिका परिषद बाड़ाहाट और चिन्यालीसौड़ में स्वच्छता शपथ एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान घर-घर जाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने और अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

वाण में नंदा की डोलियों का भावपूर्ण मिलन, जयकारों से गूंजा पूरा क्षेत्र

वेदनी बुग्याल में मां नंदा के दर्शन को उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

अनिल थपलियाल

बधाण परगना की श्री राजराजेश्वरी नंदा देवी की लोकजात यात्रा बुधवार देर शाम लाटू धाम वाण पहुंची। यहां दशोली, बंड परगना की नंदा देवी, ज्वाल्पा देवी की डोलियों और विभिन्न छंतोलियों का बधाण की नंदा डोली से भावपूर्ण मिलन हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु वाण पहुंचे। देवी डोलियों के मिलन के दौरान पूरा क्षेत्र मां नंदा के जयकारों से गूंज उठा और देर रात तक श्रद्धालु भक्ति में डूबे रहे।

देवी डोलियों का मिलन : बधाण की नंदा देवी की डोली अपने 12वें पड़ाव मंदोली से लोहाजंग और कर्जाबगड़ होते हुए वाण पहुंची। दशोली, बंड और ज्वाल्पा देवी की डोलियां पहले ही वाण की सीमा में पहुंच चुकी थीं। बधाण की डोली के देवी चौक में पहुंचने के बाद सभी डोलियां और छंतोलियां एक साथ वहां पहुंचीं। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं पर देवी अवतरित हुईं और वे काफी देर तक नृत्य करते रहे। पारंपरिक वाद्य यंत्रों, जयकारों और धार्मिक अनुष्ठानों से माहौल भक्तिमय बना रहा।

वाण में उमड़ा आस्था का सैलाब : बताया जा रहा है कि वाण में करीब 15 हजार से अधिक नंदा भक्त पहुंचे हैं। श्रद्धालुओं के साथ बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और अन्य लोग भी यात्रा में शामिल हैं। थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, राज्य मंत्री बलवीर घुनियाल, मुख्यमंत्री समन्वयक दलवीर दानू, जिलाधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, उपजिलाधिकारी थराली यशवीर सिंह, तहसीलदार अक्षय पंकज और थानाध्यक्ष विनोद चौरसिया समेत कई अधिकारी वाण में मौजूद रहे।

लाटू देवता मंदिर समिति के अध्यक्ष कृष्णा बिष्ट, ग्राम प्रधान नंदुली बिष्ट और ग्रामीणों ने नंदा भक्तों का स्वागत किया। यात्रा को लेकर स्थानीय लोगों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

गैरोलीपातल पहुंचेगी यात्रा : गुरुवार को लाटू देवता मंदिर वाण में पूजा-अर्चना के बाद देव यात्रा लाटू देवता के निशान की अगुवाई में रणकाधार और नीलगंगा होते हुए निर्जन पड़ाव गैरोलीपातल पहुंचेगी।

धौसिंह देवता की जन्मभूमि में रुकी डोली

इस बार नंदा देवी राजराजेश्वरी की उत्सव डोली पहली बार मंदोली में धौसिंह देवता की जन्मभूमि पर कुछ समय के लिए रुकी। यहां नंदा और धौसिंह देवता के भक्तों ने पूजा-अर्चना कर मनौतियां मांगीं। लाटू क्षेत्र के धावक एवं मंदोली निवासी कलम सिंह बिष्ट ने बताया कि धौसिंह देवता भी लाटू देवता की तरह मां नंदा की यात्रा की अगुवाई करते हैं।

बौराड़ी स्टेडियम में जनसेवा का मंच, प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने सुनी समस्याएं

अनिल थपलियाल। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनपद मुख्यालय टिहरी के बौराड़ी स्टेडियम में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ टिहरी के प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने सेवा वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाएगा। कार्यक्रम में आमजन और ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी गईं। ग्रामीणों ने सड़क, आवास योजना में पात्र लोगों के चयन, सफाई निरीक्षक भर्ती परीक्षा की प्रतीक्षा सूची जारी करने और भूस्खलन से हुई क्षति समेत विभिन्न समस्याएं प्रभारी मंत्री के समक्ष रखीं। गणेश जोशी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों और समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। विधायक किशोर उपाध्याय ने सेवा संकल्प अभियान को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि सरकार योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के साथ उनकी समस्याओं के समाधान के लिए भी उनके द्वार तक पहुंच रही है।

अल्पसंख्यक समुदाय ने मनाया सीएम धामी का जन्मदिन

डी एस सिजवाली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिन के अवसर पर राजपुर बिहारीखाला में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने कार्यक्रम आयोजित कर उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष रजा अली अंसारी के आवास पर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने केक काटकर मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ईश्वर से मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर जनसेवा के लिए शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष रजा अली अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास और जनकल्याण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि प्रदेश के विकास और जनसेवा के लिए उनका मार्गदर्शन मिलता रहे।

पहली बर्फबारी से निखरा हेमकुंड साहिब, बढ़ा श्रद्धालुओं का उत्साह

गिरीश चंदोला

सिखों के पवित्र धार्मिक स्थल श्री हेमकुंड साहिब में सीजन की पहली बर्फबारी ने धाम की खूबसूरती बढ़ा दी है। बृहस्पतिवार सुबह बारिश के साथ हेमकुंड साहिब में ताजा बर्फबारी हुई। बर्फ की सफेद चादर में ढके गुरुद्वारा परिसर और आसपास की चोटियों का मनमोहक दृश्य श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बर्फबारी के बाद यहां मौसम और ठंडा हो गया है।

बर्फबारी के बीच हेमकुंड साहिब पहुंचे सिख श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारे में मत्था टेककर दर्शन किए और सीजन की पहली बर्फबारी का आनंद भी लिया। श्रद्धालुओं का कहना है कि पवित्र धाम के दर्शन के साथ पहली बर्फबारी देखने का अवसर उनके लिए यादगार अनुभव है। बर्फ से ढकी चोटियां और गुरुद्वारा परिसर का दृश्य सभी को आकर्षित कर रहा है। बरसात का दौर कम होने के बाद हेमकुंड साहिब की यात्रा ने भी रफ्तार पकड़ ली है। इन दिनों प्रतिदिन करीब 1500 से 1800 श्रद्धालु हेमकुंड साहिब पहुंच रहे हैं। फूलों की घाटी की सैर के लिए आने वाले पर्यटक भी हेमकुंड साहिब पहुंचकर गुरुद्वारे में मत्था टेक रहे हैं। मौसम में बदलाव के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह बना हुआ है।

मुआवजा मामलों के निस्तारण को तहसीलवार लगेंगे जनसुनवाई शिविर

अनिल थपलियाल

जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने जनता दर्शन और अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर निर्माणाधीन एवं निर्मित मोटर मार्गों से प्रभावित काश्तकारों के लंबित प्रतिकर और मुआवजा भुगतान प्रकरणों के निस्तारण के लिए तहसीलवार जनसुनवाई शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को शिविरों में लंबित मामलों का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। शिविरों में लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। प्रभावित काश्तकारों के मुआवजा भुगतान से जुड़े मामलों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दूरस्थ गांवों के ग्राम प्रहरियों को नकद पुरस्कार से नवाजा

डी एस सिजवाली

लमगड़ा थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और ग्रामीण स्तर पर पुलिस को सूचनाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ग्राम प्रहरियों की बैठक आयोजित की गई। थानाध्यक्ष प्रमोद पाठक ने बैठक में ग्राम प्रहरियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और दूरस्थ गांवों से नियमित रूप से थाना पहुंचकर महत्वपूर्ण सूचनाएं साझा करने वाले ग्राम प्रहरियों के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

बैठक में थानाध्यक्ष ने ग्राम प्रहरियों को अपने-अपने गांवों में संदिग्ध गतिविधियों, संदिग्ध व्यक्तियों और घटनाओं पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी महत्वपूर्ण सूचना को तत्काल थाना पुलिस अथवा संबंधित बीट कर्मचारी तक पहुंचाया जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

◆ पुलिस ने नशा तस्करी, साइबर अपराध और संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क रहने के निर्देश दिए

बैठक में नशा तस्करी और अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम को लेकर विशेष जोर दिया गया। ग्राम प्रहरियों से नशे का कारोबार करने वाले लोगों की जानकारी तत्काल पुलिस को देने और ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने को कहा गया। गांवों में अवैध रूप से उगाई गई भांग की खेती को नष्ट करने तथा भविष्य में इसकी खेती नहीं करने के लिए लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए।

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ग्राम प्रहरियों को अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने को कहा गया।

टिहरी के बौराड़ी अस्पताल में पहली बार शुरू हुई ईसीटी थेरेपी की सुविधा

अनिल थपलियाल

जिला अस्पताल बौराड़ी में गंभीर मानसिक रोगियों के उपचार के लिए ईसीटी (इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी) की सुविधा शुरू हो गई है। जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने अस्पताल पहुंचकर ईसीटी मशीन का निरीक्षण किया। उन्होंने मशीन की कार्यप्रणाली और मरीजों के उपचार में इसकी उपयोगिता की जानकारी लेने के बाद सुविधा का शुभारंभ किया। जिला प्रशासन के अनुसार, प्रदेश में पहली बार किसी जिला अस्पताल स्तर पर ईसीटी मशीन की सुविधा उपलब्ध हुई है। इससे गंभीर मानसिक रोगियों को उपचार के लिए देहरादून या अन्य बड़े अस्पतालों पर निर्भरता कम होगी।

◆ जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने मशीन का निरीक्षण कर उपचार सुविधा का किया शुभारंभ

इस दौरान मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज ने जिलाधिकारी को ईसीटी मशीन और उपचार प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ईसीटी गंभीर मानसिक रोगों के उपचार की प्रमाणित पद्धति है। इसका उपयोग गंभीर अवसाद, सिजोफ्रेनिया और कैटाटोनिया समेत कुछ मानसिक रोगों के मामलों में किया जाता है। खासतौर पर ऐसे मरीजों के उपचार में यह पद्धति उपयोगी होती है, जिनमें दवाओं से अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता या तत्काल प्रभावी उपचार की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि ईसीटी के दौरान चिकित्सकीय मानकों के अनुसार नियंत्रित विद्युत उत्तेजना दी जाती है। यह प्रक्रिया विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी और निर्धारित चिकित्सकीय प्रोटोकॉल के तहत की जाती है। उपचार के बाद मरीज की स्थिति पर निगरानी रखी जाती है और चिकित्सक की सलाह के अनुसार आगे का उपचार तय किया जाता है।

उत्तरकाशी के किसानों ने सीखी जैविक खेती की नई तकनीक

शिव सिंह थलवाल (उत्तरकाशी)।

150 क्लस्टरों में 7500 किसानों को योजनाओं से जोड़ा गया।

परंपरागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत चयनित क्लस्टर के किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए कृषि विभाग की ओर से शैक्षिक भ्रमण और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यदायी संस्था प्रकृति ऑर्गेनिक फार्म फ्रेश इंडिया, कोलकाता के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों की जानकारी दे रहे हैं।

◆ वैज्ञानिक विधियों, मृदा स्वास्थ्य और फसल विविधीकरण की विशेषज्ञों ने दी जानकारी

उत्तरकाशी जिले में योजना के तहत 150 क्लस्टर चयनित किए गए हैं। इनमें करीब 3000 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है और 7500 किसानों का पंजीकरण किया गया है। योजना के तहत किसानों को ग्राम, जिला और राज्य स्तर पर प्रशिक्षण एवं शैक्षिक भ्रमण कराया जा रहा है।

कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ में पुरोला और मोरी विकासखंड के किसानों के लिए एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें करीब 100 किसानों ने प्रतिभाग किया। विशेषज्ञों ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, मृदा स्वास्थ्य, फसल विविधीकरण, उन्नत बीज चयन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, कीट एवं रोग प्रबंधन, जल संरक्षण, कृषि यंत्रीकरण और कृषि आधारित नवाचारों की जानकारी दी। मुख्य कृषि अधिकारी एसएस वर्मा ने कहा कि कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक तकनीकों और नवाचारों को अपनाना उत्पादकता तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए आवश्यक है।

ऋषिकेश में विश्वकर्मा जयंती पर विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने व्यापारियों संग मनाया पर्व

अनिल थपलियाल

विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर ऋषिकेश आईएसबीटी ट्रांजिट कैंप के बाहर लघु व्यापार कल्याण समिति की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने प्रतिभाग किया। समिति के पदाधिकारियों और व्यापारियों ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया।

इस अवसर पर डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने भगवान विश्वकर्मा को नमन करते हुए उपस्थित लोगों को मिष्ठान खिलाकर विश्वकर्मा दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृजन, निर्माण और शिल्प के प्रतीक हैं। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर प्रत्येक व्यक्ति को समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा जयंती मेहनत, कौशल

वेंडिंग जोन में टाइल्स सौंदर्यीकरण पूरा होने पर व्यापारियों ने जताया आभार।

और रचनात्मकता के महत्व को समझने का अवसर भी है।

डॉ. अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं। उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने संयुक्त यात्रा बस स्टैंड स्थित वेंडिंग जोन में टाइल्स के सौंदर्यीकरण कार्य के पूरा होने पर डॉ. अग्रवाल का आभार जताया। व्यापारियों ने कहा कि सौंदर्यीकरण से क्षेत्र के स्वरूप और व्यवस्थाओं में सकारात्मक बदलाव आया है।

नया रायपुर में दिखा पर्यावरण और शहरी विकास का संगम

अनिल थपलियाल। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत पीआईबी देहरादून की ओर से आयोजित पांच दिवसीय अध्ययन एवं मीडिया भ्रमण के चौथे दिन उत्तराखंड के 13 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ के नंदनवन जू एंड सफारी और नया रायपुर का भ्रमण किया। पीआईबी देहरादून के सहायक निदेशक संजीव सुंद्रियाल के नेतृत्व में दल ने वन्यजीव संरक्षण और सुनियोजित शहरी विकास की व्यवस्थाओं को करीब से समझा। मीडिया दल ने नवा रायपुर स्थित नंदनवन जू एंड सफारी में वन्यजीव संरक्षण, प्राकृतिक आवास, बचाव एवं पुनर्वास केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। करीब 320.15 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले परिसर में चिड़ियाघर, सफारी और खंडवा बांध सहित विभिन्न सुविधाएं विकसित हैं।

खाड़ी महाविद्यालय में रोजगार अवसरों पर मंथन, विद्यार्थियों को मिला मार्गदर्शन

अनिल थपलियाल

राजकीय महाविद्यालय खाड़ी, टिहरी गढ़वाल में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम के तहत एसबीआई पेमेंट्स और हिताची के संयुक्त तत्वावधान में प्लेसमेंट एवं करियर अवसरों पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों, प्लेसमेंट प्रक्रिया, साक्षात्कार की तैयारी और बदलती तकनीक के अनुरूप आवश्यक कौशल की जानकारी देना रहा।

कार्यशाला में एसबीआई पेमेंट्स एवं हिताची के अधिकारी प्रदीप प्रजापति ने डिजिटल भुगतान और आधुनिक तकनीक के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डिजिटल भुगतान ने लेन-देन को सुविधाजनक और तेज बनाया है। इसमें यूपीआई की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

एसबीआई शाखा टिहरी के अधिकारी योगेश्वर चौहान ने विद्यार्थियों को बैंकिंग क्षेत्र में करियर की संभावनाओं तथा आईबीपीएस, एसबीआई और आरबीआई की प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न पदों, योग्यताओं और बैंक कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. शनवर ने कार्यशाला की सराहना करते हुए ऐसी गतिविधियां नियमित आयोजित करने की आवश्यकता बताई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक साक्षात्कार में भाग लिया। विशेषज्ञों ने संचार कौशल, आत्मविश्वास और रोजगार के लिए जरूरी व्यावहारिक कौशल पर मार्गदर्शन दिया।

विश्वकर्मा जयंती पर पुलिस परिसरों में हुई पूजा-अर्चना

शिव सिंह थलवाल (उत्तरकाशी)। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर पुलिस लाइन ज्ञानसू, फायर स्टेशन सहित जनपद के सभी कोतवाली और थाना परिसरों में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान पुलिस विभाग में उपयोग होने वाले शस्त्रों, औजारों और मशीनरी की साफ-सफाई कर विधिवत पूजन किया गया। पुलिस लाइन ज्ञानसू में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने अधिकारी और कर्मचारियों के साथ मंत्रोच्चार के बीच भगवान विश्वकर्मा का पूजन किया। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृजन, कौशल, श्रम और कर्म के प्रतीक हैं।

सेवाभाव | पीएम मोदी के जन्मदिवस पर सेवा गतिविधियों से दिया जनसेवा का संदेश

सेवा संकल्प से बढ़ी स्वच्छता और हरियाली

शिव सिंह थलवाल (उत्तरकाशी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न सेवा, स्वच्छता और जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को फल वितरित करने के साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण किया गया।

बृहस्पतिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम विजय ने सीएमओ कार्यालय परिसर और जनऔषधि केंद्र में दीप प्रज्वलित कर सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने-अपने कार्यस्थल एवं कार्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक है और सभी कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल की स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम विजय और प्रमुख अधीक्षक डॉ. बीएस रावत के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों का हालचाल जाना गया और उन्हें फल वितरित किए गए। अधिकारियों ने मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस पहल के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग ने सेवा, संवेदना और मानवीय सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

फल वितरण कार्यक्रम के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम वरुणावत पर्वत स्थित श्याम स्मृति वन पहुंची। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से स्थापित वाटिका में पौधारोपण किया गया। विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपते हुए अधिकारियों और पर्यावरण प्रेमियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम विजय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर और उनकी देखभाल कर प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में योगदान दिया जा सकता है।

देवीदासपुरा में मांगों को लेकर किसानों ने रेल रोको आंदोलन किया शुरू, यातायात प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

किसान मजदूर मोर्चा ने अपनी मांगों को लेकर वीरवार को अमृतसर के गांव देवीदासपुरा में रेलवे ट्रैक पर धरना शुरू कर दिया। मोर्चा ने सरकार को मांगों पर सकारात्मक फैसला लेने के लिए दोपहर 12 बजे तक का अल्टीमेटम दिया था। निर्धारित समय तक सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं मिलने पर किसानों ने रेल रोको आंदोलन शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में किसान रात से ही देवीदासपुरा में जुटना शुरू हो गए थे।

किसान नेताओं ने कहा कि सरकार को उनकी मांगों से कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बुधवार को किसान मजदूर मोर्चा चैप्टर पंजाब की बैठक में भी निर्णय लिया गया था कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को तेज करते हुए रेलवे ट्रैक पर धरना दिया जाएगा।

धरने की सूचना मिलने के बाद अमृतसर के उपायुक्त दलविंदर जीत सिंह किसानों से बातचीत करने के लिए देवीदासपुरा पहुंचे। प्रशासन की ओर से किसानों को समझाने और आंदोलन समाप्त कराने के प्रयास किए गए। किसान नेताओं ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार की ओर से ठोस आश्वासन नहीं मिलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

देवीदासपुरा में रेलवे ट्रैक बाधित होने से अमृतसर आने-जाने वाली ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ने की संभावना है। रेल यातायात प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं तथा ट्रेनों के संचालन को लेकर आवश्यक कदम उठाए जा सकते हैं।

किसान नेताओं का कहना है कि वे सरकार के जवाब का अंतिम समय तक इंतजार करते रहे, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद ही रेल ट्रैक पर बैठने का निर्णय लिया गया। मोर्चे ने स्पष्ट किया है कि मांगों पर कार्रवाई होने तक आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

नशा विरोधी यात्रा से पहले पीड़ित परिवारों से मिले भाजपा नेता

सुनील जाखड़ ने नशे के मुद्दे पर राजनीति से दूर रहकर पीड़ित परिवारों का दर्द समझने की अपील की

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में नशे के खिलाफ भाजपा की ओर से शुरू की जा रही 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' से एक दिन पहले प्रदेश भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने नशे के कारण अपने बच्चों और करीबियों को खो चुके परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान जाखड़ ने कहा कि नशे के मुद्दे को राजनीतिक रंग देने के बजाय उन परिवारों का दर्द समझने की जरूरत है, जिन्होंने अपने अपनों को खोया है।

जाखड़ ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई को केवल राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। जिन परिवारों के बच्चे नशे की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं, उनके लिए यह जिंदगी भर का दर्द है। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशे से मौतों की खबरें सामने आ रही हैं और नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को भी तस्करों की ओर से निशाना बनाए जाने की शिकायतें मिल रही हैं।

पीड़ितों की सुरक्षा पर उठाया सवाल : जाखड़ ने अबोहर की एक घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि एक लड़की ने पुलिस को शिकायत देकर अपने भाई के नशे की लत और उसे नशा मिलने के स्रोत की जानकारी दी थी। इसके बाद परिवार को कथित तौर पर निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं आम लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले परिवारों को सुरक्षा मिलनी चाहिए।

उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से अपील की कि नशे के खिलाफ अभियान को राजनीति से अलग रखकर सामाजिक समस्या के रूप में देखा जाए। उनका कहना था कि इस लड़ाई में पीड़ित परिवारों, सामाजिक संगठनों और आम लोगों की भागीदारी जरूरी है।

भाजपा ने कहा, अभियान जनजागरण पर केंद्रित : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि भाजपा नशे के मुद्दे पर राजनीति नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि पंजाब सरकार की ओर से नशे की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों से सफलता मिल रही है तो उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। साथ ही नशे के खिलाफ अभियान को और व्यापक बनाने की जरूरत है।

ढिल्लों ने कहा कि भाजपा का अभियान नशे के खिलाफ जनजागरण और लोगों को इस लड़ाई से जोड़ने पर केंद्रित है। पार्टी कार्यकर्ता विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों से संवाद करेंगे और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे।

18 सितंबर से शुरू होगी नशा मुक्त पंजाब यात्रा : भाजपा की 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' 18 सितंबर से शुरू होगी। पार्टी की ओर से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से यात्राएं निकाली जाएंगी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल फाजिल्का के सादिकी से यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे, जबकि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान तलवंडी साबो से यात्रा की शुरुआत करेंगे।

भाजपा के अनुसार, इन यात्राओं का उद्देश्य नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक करना और समाज के विभिन्न वर्गों को अभियान से जोड़ना है। यात्रा के दौरान नशे से प्रभावित परिवारों से संवाद और स्थानीय स्तर पर जागरूकता गतिविधियों पर भी जोर दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तानी एजेंटों के डिजिटल जाल में फंस रहे पंजाब के युवा

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना । पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ और पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स (पीआइओ) की ओर से भारतीय युवाओं को कथित तौर पर डिजिटल माध्यमों से निशाना बनाने को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है। एजेंसियों के अनुसार धर्म, पार्ट-टाइम नौकरी, लॉटरी, जल्दी पैसा कमाने और इंटरनेट मीडिया पर दोस्ती जैसे माध्यमों से युवाओं को जाल में फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, फिरोजपुर रोड पर मिले संदिग्ध निगरानी कैमरों और संगरूर में भाजपा कार्यालय पर पेट्रोल बम हमले के मामले ने भी इस तरह की गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ाई है। जांच में विदेशी हैंडलरों के संपर्क और पैसों के लालच की बात सामने आने का दावा किया गया है। बताया गया है कि विदेशी नंबरों से फर्जी इनाम के संदेश, नौकरी के प्रस्ताव और इंटरनेट मीडिया पर फर्जी पहचान के जरिए संपर्क किया जाता है। इसके बाद संवेदनशील स्थानों की तस्वीरें या अन्य जानकारी जुटाने का दबाव बनाया जा सकता है। सुरक्षा एजेंसियों ने युवाओं को अनजान विदेशी नंबरों, संदिग्ध संदेशों, फर्जी प्रोफाइल और लालच देने वाले प्रस्तावों से सावधान रहने को कहा है। पुलिस साइबर जागरूकता अभियान के माध्यम से भी लोगों को सतर्क कर रही है। ऑनलाइन ठगी या ब्लैकमेलिंग की स्थिति में साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करने की सलाह दी गई है।

लुधियाना के बाला जी मंदिर में विवाद, मारपीट से मचा हड़कंप

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना । थाना शिमलापुरी क्षेत्र की जीतो मार्केट स्थित संकट मोचन श्री बाला जी मंदिर में विवाद के बाद मारपीट और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। मंदिर के पुजारी के अनुसार, दर्शन के दौरान एक महिला को मंदिर की मर्यादा के तहत कुछ करने से रोका गया, जिसके बाद उसने कथित तौर पर बाहर से युवकों को बुला लिया। आरोप है कि कुछ ही देर में पांच से सात युवक मंदिर परिसर में पहुंचे और वहां मौजूद श्रद्धालुओं व सेवादारों से मारपीट शुरू कर दी। घटना में दो श्रद्धालुओं के घायल होने की बात कही गई है। मारपीट के दौरान मंदिर में स्थापित शनि देव के त्रिशूल के टूटने और माता शेरावाली की प्रतिमा को नुकसान पहुंचने की भी जानकारी सामने आई है। पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद होने की बात कही गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में रोष है। मंदिर प्रबंधन ने मामले में कार्रवाई की मांग की है।

द ग्रेट खली बोले- अमृतपाल को राजनीति में मिले काम का मौका

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़ । भाजपा नेता और पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन द ग्रेट खली ने अमृतपाल सिंह को लेकर बयान दिया है। 18 सितंबर से प्रस्तावित भाजपा की नशामुक्त यात्रा से पहले दिए इंटरव्यू में खली ने कहा कि अमृतपाल को राजनीति में काम करने का अवसर मिलना चाहिए। खली ने अमृतपाल के नशे के खिलाफ कथित सामाजिक प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके योगदान को भी देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब सीमावर्ती राज्य है और यहां नेतृत्व का मुद्दा महत्वपूर्ण है। खली के अनुसार, अमृतपाल को पंजाब के लिए काम करने का अवसर मिलना चाहिए। यह बयान उनका व्यक्तिगत राजनीतिक मत है।

पंजाब में 27 नवंबर को होगी एयर रेड और ब्लैकआउट मॉक ड्रिल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के सभी जिलों में 27 नवंबर को रात आठ बजे सिविल डिफेंस एयर रेड और ब्लैकआउट मॉक ड्रिल कराई जाएगी। गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत होने वाली इस अभ्यास का उद्देश्य आपात स्थिति में सिविल डिफेंस की तैयारियों को परखना और मजबूत करना है। मॉक ड्रिल की शुरुआत दो मिनट तक हाई-लो पिच वाले सायरन से होगी। इसके बाद निर्धारित क्षेत्रों में ब्लैकआउट कराया जाएगा। इस दौरान लोगों से गैरजरूरी लाइटें बंद रखने को कहा जाएगा, जबकि आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। अभ्यास समाप्त होने पर दो मिनट तक तेज सायरन बजाकर 'ऑल क्लियर' का संकेत दिया जाएगा।

ड्रग गठजोड़ मामले में बर्खास्त एआईजी राजजीत सिंह सुप्रीम कोर्ट में करेंगे सरेंडर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब पुलिस के बर्खास्त सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) राजजीत सिंह हुंदल ने करीब साढ़े तीन साल तक फरार रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट में सरेंडर करने की पेशकश की है। पुलिस-ड्रग तस्कर गठजोड़ से जुड़े मामले में आरोपित राजजीत ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के 20 जुलाई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने मामले की जांच पंजाब पुलिस से किसी दूसरी एजेंसी को सौंपने की भी मांग की है। उनका कहना है कि राज्य पुलिस के रहते उन्हें निष्पक्ष जांच नहीं मिल सकेगी।

10 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान राजजीत की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अमित रावल ने पीठ को बताया कि उनका मुवक्किल सरेंडर करने के लिए तैयार है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मामले की सुनवाई आगे बढ़ाते हुए राजजीत को इस बीच सरेंडर करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरेंडर के बाद वह उचित आवेदन दाखिल कर सकते हैं। मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर को होगी।

2018 की एफआइआर से सामने आया नाम : राजजीत सिंह का नाम बर्खास्त पुलिस इंस्पेक्टर इंदरजीत सिंह से जुड़े मामले की जांच के दौरान सामने आया था। विशेष कार्यबल ने 12 जून 2018 को इंदरजीत के खिलाफ एफआइआर दर्ज की थी। इसमें भारतीय दंड संहिता की धाराओं 120-बी, 218 और 384 तथा एनडीपीएस एक्ट की धाराएं 59 और 39 लगाई गई थीं। जांच आगे बढ़ने पर राजजीत को भी सह-आरोपित बनाया गया।

राजजीत पर आरोप लगाया गया कि तरनतारन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रहते उन्होंने इंदरजीत को संरक्षण दिया। उस समय इंदरजीत सीआइए प्रभारी के पद पर तैनात था। मामले में पुलिस और ड्रग तस्करों के बीच कथित गठजोड़ तथा जांच में अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे। हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद मामले की जांच के लिए तीन विशेष जांच टीमों का गठन किया गया था।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर चुघ ने हरिमंदिर साहिब में की अरदास

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने बुधवार को सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब में नतमस्तक होकर प्रधानमंत्री की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति के लिए अरदास की। इस दौरान उन्होंने श्री दरबार साहिब में सेवा भी निभाई। पत्रकारों से बातचीत में चुघ ने कहा कि श्री हरिमंदिर साहिब की पवित्र धरती से हमेशा सत्य के मार्ग पर चलने और जनसेवा के लिए नई ऊर्जा मिलती है।

तरुण चुघ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन देश और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया है। उनके अनुसार, सरकार के प्रमुख के रूप में प्रधानमंत्री का 25 वर्षों का कार्यकाल जनसेवा, राष्ट्र निर्माण और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहा है।

उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश 7.8 प्रतिशत की विकास दर के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से करोड़ों परिवारों को आवास, पेयजल और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है। चुघ ने कहा कि विकसित भारत के साथ विकसित पंजाब का निर्माण भी जरूरी है। इस दौरान उन्होंने पंजाब की कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। चुघ ने कहा कि पंजाब गुरुओं और पीरों की पवित्र धरती है, जहां आपसी भाईचारे और सद्भाव की परंपरा रही है। इसके बावजूद कुछ असामाजिक तत्व राज्य में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और सरकार आम नागरिकों तथा विसलब्लोअर्स को पर्याप्त सुरक्षा देने में विफल रही है। चुघ ने राज्य सरकार से कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पंजाब में शांति, भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

नयागांव के कांसल, करोरां और नाडा में परिवारों को भवन नक्शे व सीवर सुविधा की उम्मीद

पीएलपीए डीलिस्टेड जमीनों पर उलझन दूर करने को संयुक्त सर्कुलर जारी करने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब लैंड प्रिजर्वेशन एक्ट (पीएलपीए), 1900 के दायरे से डीलिस्ट की गई जमीनों से जुड़े मामलों में आवेदकों को अलग-अलग विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए पंजाब सरकार से एक संयुक्त सर्कुलर जारी करने की मांग की गई है। पूर्व विशेष मुख्य सचिव और पूर्व वित्तीय आयुक्त राजस्व केबीएस सिद्धू ने 16 सितंबर को पंजाब के मुख्य सचिव और संबंधित प्रशासनिक सचिवों को पत्र भेजकर इस संबंध में कई सुझाव दिए हैं।

सिद्धू ने सुझाव दिया है कि प्रत्येक डीलिस्टेड खसरे की स्थिति स्पष्ट की जाए और उसके लिए एक ही नियामक प्राधिकरण तय किया जाए। साथ ही सभी संबंधित विभागों के लिए एक ही खसरा स्थिति प्रमाणपत्र मान्य किया जाए। इससे जमीन से जुड़े मामलों में अलग-अलग विभागों से प्रमाणपत्र लेने की प्रक्रिया सरल हो सकेगी और आवेदकों को अनावश्यक परेशानी से राहत मिल सकती है।

पत्र में पंजाब वन विभाग की ओर से 14 सितंबर को जारी नई मानक संचालन प्रक्रिया का भी स्वागत किया गया है। इसमें वन मंजूरी से संबंधित मामलों में आवश्यक दस्तावेजों की स्पष्ट सूची दी गई है। बंद और खुले पीएलपीए क्षेत्रों से जुड़े मामलों के लिए 13 आवश्यकताएं निर्धारित की गई हैं। इनमें पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनापत्ति और आसपास के चो, नालों तथा झरनों के संबंध में मंडल वन अधिकारी की रिपोर्ट भी शामिल है।

विभागों के बीच तालमेल की समस्या : सिद्धू ने कहा है कि डीलिस्टेड जमीनों से जुड़े मामलों में भवन नक्शे, जमीन के उपयोग में बदलाव का प्रमाणपत्र और मास्टर प्लान से संबंधित प्रमाणपत्र हासिल करने में विभागों के बीच तालमेल की कमी बड़ी समस्या बनी हुई है। नगर निकाय सीमा से बाहर ऐसे मामलों में गमाडा और संबंधित नगर निकायों की भूमिका रहती है। कई मामलों में संबंधित विभाग पहले वन विभाग से जमीन की स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार करते हैं।

इस प्रक्रिया के कारण आवेदकों को एक विभाग से दूसरे विभाग के कार्यालय जाना पड़ता है और मामलों के निपटारे में लंबा समय लग जाता है। सिद्धू ने मुख्य सचिव को भेजे पत्र के साथ प्रस्तावित संयुक्त सर्कुलर का प्रारूप भी संलग्न किया है। इसमें अलग-अलग विभागों की जिम्मेदारियां और प्रक्रिया को स्पष्ट करने का सुझाव दिया गया है। प्रस्ताव में प्रत्येक डीलिस्टेड खसरे को चार श्रेणियों में रखने की बात कही गई है। हर श्रेणी के लिए एक नियामक प्राधिकरण तय करने और उसकी जिम्मेदारी स्पष्ट करने का सुझाव है।

बिजनेस टिकट के बावजूद इकोनॉमी सीट गिप्पी को प्लेन से उतारने की मिली धमकी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाबी गायक और अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल ने एयर कनाडा की उड़ान में बिजनेस क्लास की सीट नहीं मिलने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर दावा किया कि उन्होंने बिजनेस क्लास के लिए भुगतान किया था, लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास में बैठाया गया। उन्होंने एयरलाइन कर्मचारियों के व्यवहार पर भी सवाल उठाए।

◆ सीट विवाद पर अभिनेता ने एयरलाइन स्टाफ के व्यवहार पर जताई नाराजगी

गिप्पी के अनुसार, जब उन्होंने सीट बदलने का कारण पूछा तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उनका दावा है कि कर्मचारियों ने कहा कि अब कुछ नहीं किया जा सकता और उन्हें या तो उड़ान लेने या विमान छोड़ने की बात कही गई। गिप्पी ने आरोप लगाया कि समस्या उठाने पर उन्हें विमान से उतारने की धमकी भी दी गई।

उन्होंने कहा कि वह कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं मांग रहे थे, बल्कि उसी बिजनेस क्लास सीट की मांग कर रहे थे जिसके लिए उन्होंने भुगतान किया था। गिप्पी ने एयरलाइन से इस मामले में जवाब मांगा।

एयर कनाडा ने मांगी बुकिंग जानकारी: गिप्पी की पोस्ट के बाद एयर कनाडा के आधिकारिक एक्स खाते से जवाब दिया गया। एयरलाइन ने घटना पर खेद जताते हुए माफी मांगी और उनसे बुकिंग संदर्भ तथा टिकट पर दर्ज पूरा नाम निजी संदेश के जरिये भेजने को कहा। एयरलाइन ने इन जानकारियों के आधार पर मामले की जांच करने की बात कही।

हालांकि, एयरलाइन के शुरुआती जवाब में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि गिप्पी को बिजनेस क्लास से इकोनॉमी में क्यों स्थानांतरित किया गया। गिप्पी ने जिस उड़ान एसी1504 का उल्लेख किया है, वह टोरंटो से न्यूयॉर्क के बीच संचालित होती है। गिप्पी की पोस्ट के अनुसार विवाद का मुख्य कारण भुगतान की गई श्रेणी के बजाय इकोनॉमी सीट मिलना और शिकायत के दौरान कर्मचारियों का कथित व्यवहार है।

कनाडा में लॉरेंस गैंग का आतंक, पुलिस को सीधी दी धमकी

अबॉट्सफोर्ड में सामने आई कथित चिट्ठी से सुरक्षा एजेंसियों के बीच चिंता बढ़ी, जांच एजेंसियां सक्रिय

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

भारत की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के सिंडिकेट को लेकर कनाडा के अबॉट्सफोर्ड में एक कथित चिट्ठी सामने आई है। इसमें गिरोह की ओर से कनाडा में अपने प्रभाव और नेटवर्क को लेकर कई दावे किए गए हैं। चिट्ठी में दावा किया गया है कि कनाडा में उसके पांच हजार से अधिक सदस्य सक्रिय हैं और इनमें से कई लोग पैसे के बदले किसी व्यक्ति पर हमला करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, चिट्ठी में किए गए इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

कथित चिट्ठी में कनाडाई पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को गिरोह की गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी दी गई है। इसमें कहा गया है कि हस्तक्षेप करने पर पुलिस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा सकता है। चिट्ठी में यह दावा भी किया गया है कि गिरोह के पास कनाडाई पुलिस से अधिक हथियार हैं। इसके अलावा कनाडा में सक्रिय अन्य आपराधिक समूहों को भी चुनौती देने की बात कही गई है।

पांच हजार से अधिक सदस्यों का दावा : कथित पत्र में लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ के नाम का उल्लेख करते हुए कनाडा में मौजूद गिरोह के साथियों को संदेश दिया गया है। इसमें पांच हजार से अधिक सदस्यों के सक्रिय होने का दावा किया गया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि गिरोह के कुछ सदस्य करीब एक हजार डॉलर के बदले किसी पर गोली चलाने के लिए तैयार हैं।

पत्र में कारोबारियों से कथित तौर पर प्रोटेक्शन मनी वसूलने की बात भी कही गई है। इसमें भारतीय, गोरे और अश्वेत कारोबारियों के बीच कोई भेद नहीं करने का दावा किया गया है। चिट्ठी में कनाडा में रहने वाले कुछ लोगों के खिलाफ आपत्तिजनक और नस्लीय टिप्पणियां भी की गई हैं।

पुलिस ने जानकारी अन्य एजेंसियों से साझा की : अबॉट्सफोर्ड पुलिस के सामने कथित चिट्ठी आने के बाद इसकी जानकारी जबरन वसूली से जुड़े मामलों की जांच करने वाली अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ साझा किए जाने की बात सामने आई है। कनाडा के विभिन्न हिस्सों में दक्षिण एशियाई मूल के कारोबारियों और अन्य लोगों को रंगदारी के लिए धमकाने, गोलीबारी तथा आगजनी के मामले सामने आते रहे हैं।

सरे में भारतीय रेस्तरां और हास्य कलाकार कपिल शर्मा के कैप्स कैफे पर हुई गोलीबारी के मामलों में भी लॉरेंस-गोल्डी नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच के दावे सामने आए हैं। हालांकि, प्रत्येक मामले में आरोप और जांच के निष्कर्ष अलग-अलग हैं।

जेल में बंद लॉरेंस, विदेश में नेटवर्क की जांच : लॉरेंस बिश्नोई वर्ष 2015 से भारत की जेल में बंद है। इसके बावजूद सुरक्षा और जांच एजेंसियां उसके कथित सिंडिकेट के विदेशों में सक्रिय नेटवर्क की जांच करती रही हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने भी उसके खिलाफ दर्ज मामलों और कथित आपराधिक नेटवर्क को लेकर कार्रवाई की है। लॉरेंस फिलहाल गुजरात की साबरमती जेल में बंद है।

उसका नाम पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या, करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या जैसे मामलों की जांच में सामने आया है। अभिनेता सलमान खान को धमकी देने और उनके आवास के बाहर गोलीबारी के मामले में भी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का नाम जांच के दौरान सामने आया था।

रंगदारी और हिंसा के मामलों की जांच : कनाडा में वर्ष 2025 से कई गोलीबारी, आगजनी और जबरन वसूली के मामलों में लॉरेंस-गोल्डी नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच किए जाने की जानकारी सामने आई है। सरे, एडमंटन, कैलगरी और ओंटारियो सहित विभिन्न क्षेत्रों में दक्षिण एशियाई मूल के कारोबारियों को कथित तौर पर रंगदारी के लिए निशाना बनाए जाने के मामले सामने आए हैं।

जांच में कुछ आरोपितों पर गैंग के निर्देश पर गोलीबारी, आगजनी और जबरन वसूली में शामिल होने के आरोप लगे हैं। इंटरनेट मीडिया पर हथियारों से जुड़े वीडियो और तस्वीरें भी कुछ मामलों की जांच का हिस्सा रही हैं।

पंजाब के सभी सरकारी स्कूलों के लिए इंटरनेट मीडिया खाता बनाना अनिवार्य

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के सरकारी स्कूलों की गतिविधियां और उपलब्धियां अब इंटरनेट मीडिया के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाई जाएंगी। पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी सरकारी स्कूलों को कम से कम एक इंटरनेट मीडिया मंच पर आधिकारिक और सक्रिय खाता बनाने के निर्देश दिए हैं। स्कूलों को 'एक्स', फेसबुक या इंस्टाग्राम में से किसी एक मंच पर खाता बनाकर नियमित रूप से सक्रिय रखना होगा।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, जिन सरकारी स्कूलों के पहले से आधिकारिक इंटरनेट मीडिया खाते हैं, उन्हें निर्धारित वेब प्रपत्र के माध्यम से इन खातों की जानकारी विभाग को उपलब्ध करानी होगी। वहीं, जिन स्कूलों के पास अभी तक कोई आधिकारिक खाता नहीं है, उन्हें निर्धारित मंच पर नया खाता बनाना होगा। इसकी जानकारी एमस्टार पोर्टल पर दर्ज करनी होगी।

विभाग ने स्कूल प्रमुखों को इंटरनेट मीडिया खातों पर स्कूल की सकारात्मक गतिविधियों और महत्वपूर्ण पहलों की नियमित जानकारी साझा करने के निर्देश दिए हैं। इनमें विद्यार्थियों की शैक्षणिक, खेल और अन्य क्षेत्रों में उपलब्धियां, शिक्षकों की उपलब्धियां, कक्षाओं में अपनाई जा रही नवाचारी शिक्षण गतिविधियां, स्कूल प्रबंधन समिति की ओर से किए जा रहे कार्य और विद्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल होंगे।

विभाग का मानना है कि इस पहल से अभिभावकों और आम लोगों को सरकारी स्कूलों में होने वाली गतिविधियों की जानकारी मिल सकेगी। साथ ही विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों को व्यापक मंच मिलेगा तथा स्कूलों की सकारात्मक गतिविधियां अधिक लोगों तक पहुंच सकेंगी।

इंटरनेट मीडिया खाते बनाने के साथ शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों के रिकार्ड को एमस्टार एप पर अद्यतन करने के निर्देश भी दिए हैं। स्कूल प्रमुखों को प्रत्येक विद्यार्थी का पूरा आवासीय पता जांचकर अपडेट करने को कहा गया है। इसके अलावा जहां उपलब्ध हों, वहां विद्यार्थी के माता-पिता या अभिभावकों दोनों के मोबाइल नंबरों का सत्यापन कर उन्हें रिकार्ड में दर्ज करना होगा। विभाग ने इस प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

लद्दाख में ग्लेशियर के पानी से सिंचित होगी 1000 एकड़ भूमि

पहले सिंधु नदी के रास्ते पाकिस्तान जाता था पानी, अब लद्दाख में कृषि के काम आएगा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। लद्दाख में जल संरक्षण और कृषि भूमि के विस्तार की दिशा में प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। लेह जिले के स्पितुक फरका क्षेत्र में व्यर्थ बहने वाले स्टोक ग्लेशियर के पानी को संरक्षित कर उसका उपयोग बंजर भूमि को कृषि योग्य बनाने में किया जा रहा है। इसके लिए 'प्रोजेक्ट हिम सरोवर' के तहत ग्लेशियर के पानी को इगू-फे नदी की ओर मोड़कर चार जलाशय तैयार किए गए हैं। पांच महीने के भीतर इन सभी जलाशयों को पानी से भर दिया गया है। प्रशासन के अनुसार, इस पहल से सैकड़ों एकड़ भूमि को खेती के लिए उपयोगी बनाने में मदद मिलेगी। पहले ग्लेशियर से पिघलने वाला पानी नदी-नालों के रास्ते सिंधु नदी में चला जाता था।

पांच महीने में तैयार हुए चार जलाशय : चारों जलाशयों का निर्माण कार्य इसी वर्ष 10 अप्रैल को शुरू किया गया था। ग्लेशियर से पिघलकर आने वाले पानी से पहला जलाशय 21 जून तक भर गया। इसके बाद दूसरा जलाशय 19 जुलाई, तीसरा 24 अगस्त और चौथा नौ सितंबर तक भर गया। चारों जलाशयों की संयुक्त भंडारण क्षमता करीब 2.4 करोड़ लीटर है। प्रत्येक जलाशय करीब 60 मीटर लंबा और 40 मीटर चौड़ा है तथा इसकी गहराई दो मीटर है। इस तरह संरक्षित पानी को अब स्थानीय जरूरतों, विशेषकर कृषि कार्यों में उपयोग किया जा सकेगा। प्रशासन का कहना है कि इससे पानी की उपलब्धता बढ़ाने के साथ बंजर जमीन को खेती योग्य बनाने में भी सहायता मिलेगी।

लद्दाख में जल संकट लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। क्षेत्र में वर्षा कम होने के कारण कृषि और स्थानीय जरूरतों के लिए ग्लेशियरों से मिलने वाला पानी महत्वपूर्ण है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन नदियों और ग्लेशियरों के पानी को अधिक से अधिक संरक्षित करने पर जोर दे रहा है। इसके लिए विभिन्न स्थानों पर प्राकृतिक ढलानों और जलधाराओं का उपयोग करते हुए छोटे बांध और जल संचयन संरचनाएं बनाई जा रही हैं। गर्मियों में ऊंचाई वाले इलाकों में ग्लेशियरों की बर्फ तेजी से पिघलती है। ऐसे समय में बहने वाले पानी को संग्रहित कर बाद में जरूरत के अनुसार इस्तेमाल करने की योजना बनाई जा रही है।

सो कार झील को भी मिलेगा पानी

इसी अभियान के तहत रुपशो खारनाक ग्लेशियर से प्रतिदिन बहने वाले करीब 3200 लीटर पानी को मोड़कर सिकुड़ रही सो कार झील को पुनर्जीवित करने का प्रयास भी किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य ग्लेशियरों और जलधाराओं से मिलने वाले पानी को बिना उपयोग के बहने से रोकना और स्थानीय जरूरतों के लिए उसका इस्तेमाल बढ़ाना है। जल संरक्षण की इन परियोजनाओं को लद्दाख में कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने और प्राकृतिक जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से जोड़कर देखा जा रहा है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने ग्लेशियर के पानी के संरक्षण की इस पहल को कृषि क्षेत्र के पुनर्जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण बताया है। उनके अनुसार, स्पितुक फरका में संरक्षित किए जा रहे पानी से करीब एक हजार एकड़ भूमि पर खेती करने में मदद मिल सकती है। प्रशासन की योजना आने वाले समय में ऐसी जल संरक्षण संरचनाओं का विस्तार करने की है, ताकि लद्दाख के दूरदराज क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता बढ़ाई जा सके। लद्दाख प्रशासन की इस पहल में जल संरक्षण के साथ कृषि भूमि के विस्तार पर भी जोर दिया जा रहा है। चार जलाशयों में जमा पानी का उपयोग स्थानीय स्तर पर सिंचाई के लिए किए जाने से किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

पीएम पैकेज के 5176 फ्लैट तैयार, कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों को जल्द मिलेगा आवास

जम्मू के विस्थापित शिविरों की मरम्मत के लिए 82.45 करोड़ रुपए मंजूर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। घाटी में प्रधानमंत्री पैकेज के तहत कार्यरत विस्थापित कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधाओं को जल्द पूरा करने पर सरकार ने जोर दिया है। 20 स्थानों पर स्वीकृत 6000 फ्लैटों में से 5176 का निर्माण पूरा हो चुका है। हाल के दिनों में कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों को मिली आतंकी धमकियों को देखते हुए शेष आवासीय और संबद्ध कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। तैयार फ्लैटों को पात्र कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से सौंपने की प्रक्रिया भी तेज करने को कहा गया है।

आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा के लिए बुधवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल कुमार सिंह और आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण विभाग के प्रधान सचिव चंद्राकर भारती ने की। अधिकारियों ने आवासीय परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने पर जोर दिया।

लिफ्ट, सड़क, जल निकासी और सामुदायिक भवनों का काम अंतिम चरण में

अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश आवासीय स्थलों पर लिफ्ट, आंतरिक सड़क, जल निकासी व्यवस्था और सामुदायिक भवन जैसे संबद्ध कार्य अंतिम चरण में हैं। सरकार ने इन कार्यों को जल्द पूरा करने के लिए समयसीमा तय करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पहले से किए गए आवंटन के आधार पर पात्र कर्मचारियों को तैयार फ्लैटों का कब्जा देने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया है। इससे लंबे समय से आवास की प्रतीक्षा कर रहे कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

बैठक में जम्मू के विभिन्न विस्थापित शिविरों में रहने वाले परिवारों से जुड़ी सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। पुराने आवासीय ब्लॉकों की मरम्मत और जीर्णोद्धार के लिए सरकार ने 82.45 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। संबंधित कार्यों के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है।

न्यूज ब्रीफ

पीरबाग में बिजली खंभे से टकराई टाटा मोबाइल आठ मजदूर घायल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर के बाहरी इलाके पीरबाग में गुरुवार को एक टाटा मोबाइल वाहन बिजली के खंभे से टकरा गया। हादसे में वाहन सवार आठ मजदूर घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद वाहन बिजली के खंभे से जा टकराया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में कुपवाड़ा निवासी जहूर अहमद, नायर अहमद कुमार और एजाज अहमद शेख शामिल हैं। इसके अलावा बीरवाह, बडगाम निवासी इशाक अहमद भट, कुपवाड़ा निवासी तनवीर अहमद खान, शाहमीम अहमद खान, मोहम्मद कासिम शेख और कैसर अहमद तेली भी घायल हुए हैं। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

जेके बोर्ड ने 10वीं-12वीं की परीक्षा तिथियां कीं जारी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कश्मीर संभाग, जम्मू संभाग के विंटर जोन और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक नियमित 2026 की अक्टूबर-नवंबर परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी है। दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा की सभी लिखित परीक्षाएं सुबह 11 बजे शुरू होंगी। दसवीं कक्षा की परीक्षा 19 अक्टूबर से शुरू होकर 18 नवंबर तक चलेगी। पहला पेपर गणित का होगा, जबकि अंतिम परीक्षा कंप्यूटर साइंस की होगी। बारहवीं कक्षा की परीक्षाएं 21 अक्टूबर से शुरू होकर 21 नवंबर तक चलेंगी। वहीं, ग्यारहवीं कक्षा की परीक्षा 29 अक्टूबर से शुरू होकर 30 नवंबर को समाप्त होगी। बारहवीं की डेटशीट में विज्ञान, कला, गृह विज्ञान और वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए विषयवार कार्यक्रम जारी किया गया है। इसमें गणित, भूगोल, भौतिकी, अंग्रेजी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, राजनीति विज्ञान, लेखाशास्त्र और कंप्यूटर साइंस समेत विभिन्न विषय शामिल हैं। ग्यारहवीं की परीक्षा जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, सांख्यिकी और राजनीति विज्ञान जैसे विषयों से शुरू होगी। बोर्ड ने विद्यार्थियों को अपनी कक्षा, संकाय और विषय संयोजन के अनुसार डेटशीट देखने तथा प्रवेश पत्र में दिए निर्देशों का पालन करने को कहा है।

कटरा यात्रा मार्ग पर बिना पहचान पत्र टट्टू चलाने वाले पर केस दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, रियासी। श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर बिना वैध पहचान एवं पंजीकरण कार्ड के टट्टू संचालित करने के मामले में रियासी पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, बांगंगा पुलिस चौकी के अधिकार क्षेत्र में यात्रा मार्ग पर जांच के दौरान राहुल कुमार पुत्र शाम लाल, निवासी वार्ड नंबर नौ, अर्ली हंसली, तहसील कटरा, जिला रियासी को निर्धारित नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया गया। पुलिस ने राहुल कुमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223(ए) के तहत प्राथमिकी संख्या 292/2026 दर्ज की है। आरोप है कि वह आवश्यक पहचान एवं पंजीकरण कार्ड के बिना टट्टू संचालक के रूप में काम कर रहा था। रियासी पुलिस ने यात्रा मार्ग पर काम करने वाले सभी टट्टू संचालकों और सहायकों को वैध पंजीकरण एवं पहचान पत्र हर समय साथ रखने के निर्देश दिए हैं।

श्रीनगर में ड्राइवरों के सम्मान और कल्याण पर जोर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर । कश्मीर के डीआइजी ट्रैफिक हसीब-उर-रहमान ने कहा कि समाज और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ड्राइवर अधिक सम्मान और कल्याणकारी सहायता के हकदार हैं। उन्होंने ड्राइवरों के सम्मान और उनके परिवारों के कल्याण के लिए समाज के साथ-साथ निजी क्षेत्र से भी आगे आने की अपील की। श्रीनगर में 'ड्राइवर्स डिग्निटी डे' के अवसर पर आयोजित वॉकथॉन के दौरान पत्रकारों से बातचीत में डीआइजी ने कहा कि ड्राइवर समाज और अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं। उनके सम्मान और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे वर्ष ड्राइवरों को उनका उचित सम्मान दिलाने के लिए प्रयास जारी रहेंगे और इसमें ट्रैफिक पुलिस भी अपनी भूमिका निभाएगी। डीआइजी ने विभागीय और निजी ड्राइवरों के कल्याण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई।

कश्मीर की मस्जिदों में अब नशे और सामाजिक समस्याओं पर होगी चर्चा

धर्मगुरुओं ने युवाओं के लिए मार्गदर्शन और परामर्श व्यवस्था मजबूत करने पर दिया जोर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर घाटी में मस्जिदों के मंच से अब धार्मिक विषयों के साथ सामाजिक समस्याओं पर भी चर्चा की जाएगी। नशे की बढ़ती समस्या, युवाओं में तनाव और आत्महत्या के मामलों के साथ पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों को शुक्रवार की तकरीरों में प्रमुखता से उठाने का निर्णय लिया गया है। यह फैसला जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के प्रमुख धर्मगुरुओं की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता मुख्य धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक ने की। मुत्तहिदा मजलिस-ए-उलेमा की बैठक में शिया और सुन्नी समुदायों के धर्मगुरुओं ने हिस्सा लिया।

मीरवाइज उमर फारूक ने कहा कि युवाओं में खुद को नुकसान पहुंचाने और भावनात्मक परेशानियों के मामले चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि समाज के सामने मौजूद इन समस्याओं को केवल सरकार या जागरूकता कार्यक्रमों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए परिवारों, धार्मिक संस्थाओं और समाज को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि मस्जिदों की समाज तक व्यापक पहुंच है और इस मंच का इस्तेमाल लोगों को सही दिशा देने के लिए किया जा सकता है। हालांकि मस्जिदें चिकित्सकों और परामर्शदाताओं का स्थान नहीं ले सकतीं, लेकिन लोगों को समय रहते मदद लेने के लिए प्रेरित कर सकती हैं।

कश्मीर में बारिश के बीच गुरेज की काबुल गली में ताजा बर्फबारी से बढ़ी ठंड

भारतेंदु संवाददाता, गुरेज। उत्तरी कश्मीर की गुरेज घाटी में गुरुवार को मौसम ने करवट ली। घाटी के करीब 4,167 मीटर की ऊंचाई पर स्थित काबुल गली में ताजा बर्फबारी हुई, जबकि कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। दक्षिण कश्मीर के कई इलाकों में भारी बारिश हुई। मौसम में बदलाव के चलते तापमान में गिरावट आई और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड बढ़ गई है।

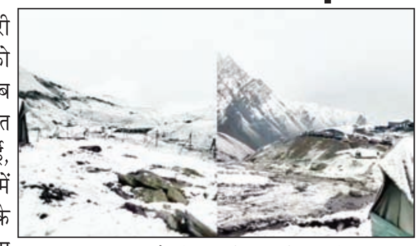

कई इलाकों में बारिश का दौर : पिछले 24 घंटों के दौरान श्रीनगर में 8.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा काजीगुंड में 13.4 मिलीमीटर, पहलगाम में 13 मिलीमीटर और गुलमर्ग में 13.2 मिलीमीटर बारिश हुई। जम्मू संभाग के कुछ हिस्सों में भी बारिश का असर देखने को मिला। उधमपुर में सबसे अधिक 117.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। जम्मू में 112.9 मिलीमीटर और कटरा में 45.2 मिलीमीटर बारिश हुई। लगातार बारिश के कारण कई क्षेत्रों में मौसम ठंडा हो गया है।

काबुल गली में बर्फ की नई परत : गुरेज घाटी के ऊंचाई वाले क्षेत्र काबुल गली में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई। इससे पहाड़ी दर्रे और आसपास के क्षेत्र बर्फ की नई परत से ढक गए। काबुल गली गुरेज की तुलैल घाटी को लद्दाख के द्रास क्षेत्र की ओर स्थित मुश्कोह घाटी से जोड़ता है। बर्फबारी के कारण फिलहाल किसी बड़ी बाधा की सूचना नहीं है। हालांकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों की ओर जाने वाले यात्रियों को मौसम और सड़क की स्थिति को देखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मौसम में आए अचानक बदलाव से क्षेत्र में तापमान नीचे आया है। ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड का असर बढ़ गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सितंबर में हुई इस बर्फबारी से पहाड़ी क्षेत्रों में सर्दी के आगमन का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, कश्मीर और जम्मू के कई हिस्सों में बीते 24 घंटों में बारिश हुई है, जिससे मैदानी और पहाड़ी दोनों क्षेत्रों के तापमान पर असर पड़ा है।

जम्मू-कश्मीर में आज से मौसम होगा खुशनुमा, बारिश से राहत

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर और जम्मू-कश्मीर के पूर्वी हिस्सों में गुरुवार को बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विभाग ने आज से पूरे क्षेत्र में मौसम में सुधार होने का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार, अगले पांच से सात दिनों तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क और सुहावना रहने की संभावना है। इस दौरान दिन में अच्छी धूप खिल सकती है और तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है, जबकि रात का तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि मौजूदा बारिश 15-16 सितंबर के आसपास मौसम में बदलाव की पहले से जताई गई संभावना का हिस्सा है। गुरुवार को दक्षिण कश्मीर के कई इलाकों और घाटी के पूर्वी हिस्सों, पहलगाम तथा मालगम में बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा किश्तवाड़ और जम्मू के कुछ हिस्सों में भी वर्षा हुई। अधिकारी के अनुसार, गुरुवार शाम श्रीनगर और आसपास के इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद आज से मौसम में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि आज से लगभग एक सप्ताह तक मौसम का मिजाज सुहावना बना रह सकता है और 25 सितंबर तक धूप के साथ शुष्क परिस्थितियां रहने की संभावना है। ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी भी दर्ज की गई है, लेकिन यह व्यापक बर्फबारी का दौर नहीं था।

जम्मू-कश्मीर में 25 साल पुराने यात्री वाहनों के संचालन पर रोक

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पुराने व्यावसायिक और यात्री वाहनों के संचालन को लेकर परिवहन विभाग ने सख्त नियम लागू किए हैं। परिवहन आयुक्त विशेष पाल महाजन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, प्रदेश में पंजीकृत या संचालित सभी व्यावसायिक एवं यात्री परिवहन वाहन पहली बार पंजीकरण की तारीख से 25 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद अपनी अनुमत परिचालन अवधि पूरी कर चुके माने जाएंगे। इसके बाद ऐसे वाहनों को सार्वजनिक सड़कों पर यात्रियों या सामान के परिवहन के लिए चलाने की अनुमति नहीं होगी।

15 से 25 साल पुराने यात्री वाहनों की छह माह में जांच : आदेश में 15 वर्ष की आयु पूरी कर चुके, लेकिन 25 वर्ष से कम पुराने यात्री वाहनों के लिए हर छह महीने में फिटनेस जांच अनिवार्य की गई है। निर्धारित जांच सफलतापूर्वक पास करने के बाद ही वाहन का फिटनेस प्रमाणपत्र जारी या नवीनीकृत किया जाएगा। ऐसे वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र की वैधता एक बार में अधिकतम छह महीने होगी।

ब्रेक, टायर और स्टीयरिंग की होगी जांच: फिटनेस जांच के दौरान वाहनों की सड़क पर चलने की क्षमता और यांत्रिक स्थिति की विस्तृत जांच की जाएगी। इसमें ब्रेक, स्टीयरिंग, टायर, सस्पेंशन, प्रकाश एवं संकेत प्रणाली प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा उत्सर्जन मानकों, वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र, वाहन की बाडी और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े मानकों की भी जांच होगी।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित सुरक्षा और फिटनेस मानकों को पूरा करना जरूरी होगा। किसी भी वाहन को फिटनेस जांच में निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने की स्थिति में प्रमाणपत्र जारी या नवीनीकृत नहीं किया जाएगा।

दस्तावेजों की जांच के साथ जमीन उपलब्ध कराने वाले तंत्र पर निगरानी जरूरी

नरवाल की बर्मा कॉलोनी खाली, रोहिंग्या बसावट को लेकर फिर उठे सुरक्षा सवाल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के बाहरी क्षेत्र नरवाल स्थित बर्मा कॉलोनी को खाली करा दिया गया है, जहां रोहिंग्या समुदाय के लोग रह रहे थे। यह कार्रवाई प्रशासन, जमीन मालिकों या किसी अन्य स्तर पर हुई, इसकी आधिकारिक स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। पिछले माह प्रदेश में जनसांख्यिकीय बदलाव से जुड़े मुद्दों का जायजा लेने आई केंद्रीय टीम के दौरे के बाद इस कार्रवाई को लेकर भी चर्चा है, हालांकि दोनों के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं हुई है। जम्मू शहर और आसपास के क्षेत्रों में रोहिंग्या तथा बांग्लादेशी नागरिकों की मौजूदगी को लेकर लंबे समय से सुरक्षा और प्रशासनिक स्तर पर सवाल उठते रहे हैं। स्थानीय लोगों और विभिन्न संगठनों ने समय-समय पर ऐसी बसावटों की पहचान कर कार्रवाई की मांग भी की है। सुरक्षा से जुड़े किसी भी मामले में कार्रवाई तथ्यों, कानूनी प्रक्रिया और आधिकारिक सत्यापन के आधार पर किए जाने की आवश्यकता है, ताकि अनधिकृत गतिविधियों पर प्रभावी रोक लग सके।

स्थानीय स्तर पर अनधिकृत निर्माण और सुविधाओं की उपलब्धता पर भी सवाल।

पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया पर जोर

सरकार ने जम्मू में अवैध रूप से बसे रोहिंग्या लोगों की पहचान, हिरासत और प्रत्यावर्तन के उद्देश्य से होल्डिंग सेंटर बनाया है। हालांकि कितने लोगों की पहचान और सत्यापन पूरा हुआ तथा कितनों को वापस भेजा गया, इसकी नियमित और स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक होना महत्वपूर्ण है। इसी के साथ यह सवाल भी उठता है कि बाहरी क्षेत्रों में रहने के लिए जमीन और अन्य सुविधाएं उन्हें किस माध्यम से उपलब्ध होती हैं।

सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से हो निगरानी

जम्मू जैसे संवेदनशील क्षेत्र में अनधिकृत बसावट और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के लिए पुलिस, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। बर्मा कॉलोनी खाली होने के बाद अब यह पता लगाने की आवश्यकता है कि वहां रहने वाले लोग कहां गए और उनकी पहचान तथा दस्तावेजों का सत्यापन किस स्तर पर किया गया।

रेशम घर में 35 वर्षीय युवक की गोली लगने से मौत, जांच में जुटी पुलिस

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। शहर के रेशम घर इलाके में गुरुवार को गोली चलने की घटना में 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रेशम घर निवासी दीपक शर्मा के रूप में हुई है। उसके सिर में गोली लगी थी। गंभीर हालत में स्वजन उसे उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कालेज (जीएमसी) जम्मू लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। दीपक समाचार पत्र विक्रेता था।

परिवार के सदस्यों के अनुसार, उन्हें घटना से पहले गोली चलने की कोई जानकारी नहीं थी। उनका कहना है कि दीपक काम से लौटकर घर आया था। खाना खाने के बाद अचानक उन्हें घटना का पता चला। इसके बाद स्वजन उसे तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। परिवार को यह भी जानकारी नहीं है कि गोली किसने चलाई और किन परिस्थितियों में यह घटना हुई। घटना के बाद इलाके में भी तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

दो बच्चों के सिर से उठा पिता का साया : दीपक के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के मुताबिक दीपक समाचार पत्र वितरण के काम से जुड़ा था और स्थानीय लोगों के बीच उसकी पहचान एक मददगार व्यक्ति के रूप में थी। उसकी मौत के बाद परिवार के सामने बच्चों की देखभाल और भविष्य को लेकर भी बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

◆ काम से लौटने के बाद हुई घटना, स्वजन भी नहीं बता सके गोली चलने की वजह

पुलिस ने शुरू की घटना की जांच : घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास की परिस्थितियों का जायजा लिया और गोली चलने के कारणों का पता लगाने के प्रयास शुरू किए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि घटना से पहले और बाद की गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

20,500 फीट पर जम्मू-कश्मीर पुलिस ने फतह किया कांग यत्से-2

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस की माउंटेनियरिंग रेस्क्यू टीम ने करीब 20,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित माउंट कांग यत्से-2 की सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। कठिन और चुनौतीपूर्ण पर्वतीय परिस्थितियों के बीच टीम के सदस्यों ने साहस, धैर्य, शारीरिक क्षमता और मजबूत इच्छाशक्ति का परिचय दिया। अभियान के दौरान बेहतर तालमेल और टीम भावना के साथ सभी चुनौतियों का सामना किया गया। इस सफलता को जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुशासन, पेशेवर दक्षता और कठिन परिस्थितियों में लक्ष्य हासिल करने की प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया गया। ऊंचाई वाले क्षेत्र में अभियान के दौरान मौसम और दुर्गम रास्तों जैसी चुनौतियों के बावजूद टीम ने अपने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। जम्मू-कश्मीर आर्म्ड पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नितीश कुमार ने माउंटेनियरिंग रेस्क्यू टीम को उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने टीम के साहस, समर्पण और अनुशासन की सराहना की।

नियम 179 के तहत स्थिति स्पष्ट करने को सचिवालय को लिखा पत्र

1987 चुनाव प्रस्ताव पर सचिवालय से सज्जाद लोन ने मांगा जवाब

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। 1987 के जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में कथित धांधली पर चर्चा के लिए दिए प्रस्ताव की स्थिति स्पष्ट नहीं किए जाने पर पीपुल्स कान्फ्रेंस अध्यक्ष एवं विधायक सज्जाद लोन ने विधानसभा सचिवालय से जवाब मांगा है। लोन ने कहा कि उन्होंने आगामी शरदकालीन सत्र के लिए दो प्रस्ताव भेजे थे, जिनमें एक बिजली दरों में हालिया बढ़ोतरी और दूसरा 1987 के चुनाव से जुड़ा था। बिजली दरों वाले प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने की सूचना उन्हें दे दी गई, लेकिन चुनाव संबंधी प्रस्ताव पर कोई जानकारी नहीं दी गई।

लोन ने कहा कि विधानसभा सचिवालय को सभी विधायकों के प्रस्तावों की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने विधानसभा की कार्यप्रणाली से जुड़े नियम 179 का हवाला देते हुए कहा कि विधायक को बताया जाना चाहिए कि उसका प्रस्ताव अध्यक्ष ने स्वीकार किया है, खारिज किया है या संशोधन के साथ स्वीकार किया है। उन्होंने इस संबंध में विधानसभा सचिवालय को पत्र लिखकर अपने प्रस्ताव की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

जम्मू में सफाई कर्मियों ने दी हड़ताल की चेतावनी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ की जम्मू-कश्मीर इकाई ने कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर जम्मू नगर निगम प्रशासन के खिलाफ आंदोलन का एलान किया है। संघ ने निगम प्रशासन को हड़ताल का नोटिस देते हुए 30 सितंबर तक मांगों पर ठोस कार्रवाई की मांग की है। समाधान नहीं होने पर पहली अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है। बुधवार को संघ के जम्मू नगर निगम प्रधान अमर मोमन और चेयरमैन लक्की चिद्दा की अध्यक्षता में सफाई कर्मचारियों ने टाउन हाल पहुंचकर प्रदर्शन किया और निगम प्रशासन को नोटिस सौंपा।

संघ ने जम्मू नगर निगम में कार्यरत सभी एनजीओ सफाई कर्मचारियों की वरिष्ठता सूची बिना देरी और पारदर्शी तरीके से जारी करने की मांग की है। यूनियन का कहना है कि सूची कर्मचारियों और संगठन के समक्ष रखी जानी चाहिए, ताकि वरिष्ठता को लेकर किसी तरह की अस्पष्टता न रहे। इसके अलावा वर्षों से सेवा दे रहे पात्र एनजीओ सफाई कर्मचारियों को नियमित करने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करने की मांग भी उठाई गई है। संघ ने ठेकेदारी और एनजीओ व्यवस्था समाप्त कर कर्मचारियों को सीधे स्थायी रोजगार देने की मांग की है। साथ ही इन सभी मुद्दों पर प्रशासन से लिखित और समयबद्ध समझौता करने को कहा गया है।

◆ मांगें पूरी नहीं होने पर कर्मचारियों ने आंदोलन तेज करने की दी चेतावनी

लाइक और सब्सक्राइब का खेल : डिजिटल लोकप्रियता का भ्रम

विशाल कल्याण
सहायक प्रोफेसर, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, बद्दी, सोलन

आज डिजिटल युग में 'लाइक, शेयर और सब्स क्राइब' केवल सोशल मीडिया की सामान्य गतिविधियां नहीं रह गई हैं, बल्कि ये एक नई सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरी हैं। आज किसी व्यक्ति, संस्था, नेता या प्रभावशाली व्यक्तित्व की लोकप्रियता उसके विचारों, कार्यों या योगदान से कम और उसके फॉलोअर्स, लाइक्स तथा सब्सक्राइबर्स से अधिक मापी जाने लगी है। मानो प्रभाव और प्रतिष्ठा का नया पैमाना डिजिटल आंकड़े बन गए हों।

सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन इसके साथ 'लाइक-सब्सक्राइब का खेल' भी शुरू हुआ, जहां लोकप्रियता कई बार वास्तविक न होकर निर्मित होती है। जो अधिक दिखाई देता है, वही अधिक प्रभावशाली माना जाने लगता है। हाल के दिनों में राघव चड्ढा से जुड़ी खबरों में उनके सोशल मीडिया सब्सक्राइबर्स घटने की चर्चा ने इस बहस को और तेज किया कि क्या डिजिटल संख्या वास्तव में राजनीतिक समर्थन का सही पैमाना है, या यह केवल राजनीति की धारणा का हिस्सा है।

लाइक और सब्सक्राइब अब केवल एक क्लिक नहीं, बल्कि सामाजिक स्वीकृति और निष्ठा के प्रतीक बन चुके हैं। लोग लाइक के माध्यम से समर्थन, सहमति और पहचान व्यक्त करते हैं, जबकि सब्सक्राइब किसी व्यक्ति या विचार से स्थायी जुड़ाव को दर्शाता है। इससे सामाजिक प्रमाण की ऐसी मानसिकता बनी है, जिसमें लोग वही महत्वपूर्ण मानने लगते हैं जिसे अधिक लोग पसंद कर रहे हों, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या अधिक लाइक्स और सब्सक्राइबर्स वास्तविक लोकप्रियता का प्रमाण हैं? आवश्यक नहीं।

कई बार वायरल सामग्री गुणवत्ता या गंभीरता के कारण नहीं, बल्कि एल्गोरिद्म, विवाद या चलन के कारण लोकप्रिय होती है। इसी संदर्भ में राघव चड्ढा के सब्सक्राइबर कम होने की खबर को कई लोगों ने जनसमर्थन में गिरावट के रूप में देखा, जबकि कई विश्लेषकों ने इसे डिजिटल प्रतिक्रिया, एल्गोरिद्मिक बदलाव या प्रतीकात्मक असहमति के रूप में समझा। यह उदाहरण बताता है कि डिजिटल लोकप्रियता कई बार एक भ्रम भी हो सकती है।

सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म इस खेल के बड़े संचालक हैं। वे तय करते हैं कि कौन-सी सामग्री किसे और कितनी दिखाई जाएगी। भावनात्मक, विवादित या ध्रुवीकरण पैदा करने वाली सामग्री को अक्सर अधिक पहुंच मिलती है, जबकि गंभीर विमर्श पीछे छूट जाता है। इस तरह कई बार जनता नहीं, बल्कि एल्गोरिद्म लोकप्रियता का निर्माण करता है। डिजिटल युग में प्रभाव का अर्थ तेजी से बदल गया है, जहां अक्सर दृश्यता को वास्तविक प्रभाव मान लिया जाता है।

आज ध्यान-आधारित अर्थव्यवस्था में कंटेंट और व्यक्तित्व अधिक लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स पाने की दौड़ में लगे रहते हैं। इस कारण कई बार सामग्री की गुणवत्ता से अधिक उसका आकर्षण और वायरल होने की क्षमता महत्वपूर्ण हो जाती है। यह प्रवृत्ति राजनीति में भी स्पष्ट दिखती है। उदाहरण के लिए राघव चड्ढा के सोशल मीडिया सब्सक्राइबर घटने की खबर को राजनीतिक संकेत की तरह प्रस्तुत किया गया, जबकि डिजिटल आंकड़े हमेशा वास्तविक जनसमर्थन को नहीं दर्शाते। फर्जी फॉलोअर्स, बॉट्स और प्रायोजित ट्रेंड इस अंतर को और बढ़ा देते हैं।

इस संस्कृति का प्रभाव आम लोगों पर भी पड़ता है। लोग लाइक्स के जरिए मान्यता खोजते हैं और कम प्रतिक्रिया मिलने पर असुरक्षा महसूस करते हैं। धीरे-धीरे संख्या को गुणवत्ता मान लिया जाता है, जबकि वायरल होना सत्य का प्रमाण नहीं होता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'सही धूप, सुरक्षित जीवन : विटामिन डी से सनस्क्रीन तक'

प्रो. (डॉ.) महेंद्र सिंह आशावत
निदेशक एवं प्राचार्य, लॉरेट इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी ज्वालाजी, हिमाचल प्रदेश

जब हम सूरज के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले उसके नुकसान दिमाग में आते हैं-त्वचा जलना, टैनिंग या कैंसर का खतरा। यह सच भी है कि अधिक मात्रा में सूर्य के संपर्क में रहना कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, लेकिन पूरी तस्वीर इससे अलग है। नियंत्रित और सीमित मात्रा में, विशेषकर सुबह के समय, धूप हमारे शरीर के लिए अत्यंत लाभकारी हो सकती है। सुबह की धूप लेना सुरक्षित और फायदेमंद माना जाता है। यह समय आमतौर पर सुबह 8 बजे से पहले या हल्की धूप के दौरान होना चाहिए। सामान्य तौर पर, वैज्ञानिकों का मानना है कि 5 से 15 मिनट और अगर आपकी त्वचा का रंग गहरा है तो 30 मिनट तक सूरज की रोशनी में रहने से बिना किसी स्वास्थ्य समस्या के इसका अधिकतम लाभ उठाया जा सकता है।

सूर्य की पराबैंगनी किरणें आपके शरीर को इस पोषक तत्व को बनाने में मदद करती हैं, जो आपकी हड्डियों, रक्त कोशिकाओं और प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण है। यह कैल्शियम और फास्फोरस जैसे कुछ खनिजों को अवशोषित करने और उनका उपयोग करने में भी मदद करती है। और जबकि अधिकांश लोगों को भोजन से पर्याप्त विटामिन डी मिल जाता है, जिन बच्चों को यह नहीं मिलता उन्हें रिकेट्स हो सकता है, जिससे उनकी हड्डियां नरम और कमजोर हो जाती हैं। सुबह की धूप वजन कम करने में भी मददगार साबित होती है। सुबह 8 बजे से दोपहर 11 बजे के बीच 20 से 30 मिनट की धूप से फर्क महसूस होता है, लेकिन जितनी जल्दी धूप मिले, उतना ही बेहतर परिणाम मिलता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि सूरज की किरणें त्वचा के नीचे मौजूद वसा कोशिकाओं को सिकोड़ सकती हैं। हल्का धूप लेने से आपके लिए फायदेमंद है, यह एक तरह का हल्का व्यायाम है जिसमें वजन कम करना भी शामिल है।

त्वचा संबंधी कुछ समस्याओं के अलावा, छनी हुई धूप का उपयोग पीलिया नामक स्थिति के इलाज में भी किया जा सकता है, जो ज्यादातर नवजात शिशुओं को प्रभावित करती है। यह तब होता है जब रक्त में बिलीरुबिन नामक रसायन की मात्रा अधिक हो जाती है, जिससे शिशु की त्वचा हल्की पीली दिखने लगती है। शिशु को खिड़की के पीछे धूप में रखने से (हानिकारक किरणों को छानने के लिए) बिलीरुबिन को कम करने में मदद मिल सकती है, लेकिन ध्यान रखें कि नवजात शिशु को कभी भी सीधे धूप में बाहर न रखें। मार्च के मध्य से अक्तूबर के मध्य तक सूरज की रोशनी अक्सर इतनी तेज होती है कि त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। सूरज की रोशनी सबसे तेज दिन के मध्य में होती है जब वह आकाश में सबसे ऊंचा होता है, जो कि सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक का समय होता है।

हम रोजमर्रा के बाहरी कामों से बच नहीं सकते, इसलिए ऐसी पराबैंगनी किरणों से खुद को बचाना जरूरी है। इसे इस तरह समझा जा सकता है कि सूर्य की किरणों को उनकी तीव्रता के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जा सकता है। मुझे आगे स्पष्ट करने दीजिए यूवी इंडेक्स स्तर के पैमाने और सुरक्षा के बारे में :

सूर्य का प्रकाश मानव जीवन के लिए आवश्यक है, क्योंकि यह विटामिन D के निर्माण, मनोस्थिति में सुधार और समग्र स्वास्थ्य में योगदान देता है। हालांकि, सूर्य से निकलने वाली पराबैंगनी (V) किरणें त्वचा के लिए हानिकारक भी हो सकती हैं। इन किरणों को मुख्यत: V-A और UV-B श्रेणियों में विभाजित किया जाता है। UV-A किरणें त्वचा की गहरी परतों में प्रवेश कर फोटोएजिंग, झुर्रियां और समय से पहले बुढ़ापा लाती हैं, जबकि UV-B किरणें अधिक तीव्र होती हैं और सीधे DNA को नुकसान पहुंचाकर सनबर्न, हाइपरपिगमेंटेशन और त्वचा कैंसर का कारण बन सकती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

बेकाबू होती मंहगाई का असर अब रसोई पर

महंगाई किसी भी समाज और अर्थव्यवस्था के लिए केवल आंकड़ों का विषय नहीं होती। इसका सीधा असर आम आदमी की जिंदगी पर पड़ता है। जब रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं तो सबसे पहले घर का बजट प्रभावित होता है। आय सीमित हो और खर्च लगातार बढ़ता जाए तो परिवारों को अपनी प्राथमिकताएं बदलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यही कारण है कि रसोई में बढ़ती कीमतों का दबाव केवल खाद्य सामग्री तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य, शिक्षा, बचत और भविष्य की योजनाओं तक पहुंच जाता है। आज महंगाई का सबसे स्पष्ट असर उस रसोई में दिखाई देता है, जहां हर महीने सामान खरीदने से पहले कीमतों का हिसाब लगाना पड़ता है।

रसोई किसी भी परिवार के घरेलू अर्थशास्त्र का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। आटा, चावल, दाल, तेल, सब्जियां, दूध, मसाले, फल और अन्य खाद्य पदार्थ ऐसी आवश्यकताएं हैं जिनकी खरीद को लंबे समय तक टाला नहीं जा सकता। कपड़े या अन्य गैर-जरूरी वस्तुओं की खरीद कुछ समय के लिए टाली जा सकती है, लेकिन भोजन की जरूरत प्रतिदिन रहती है। इसलिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि सीधे परिवार की क्रय शक्ति को कम करती है। कम आय वाले परिवारों के लिए इसका प्रभाव और अधिक गंभीर होता है, क्योंकि उनकी आय का बड़ा हिस्सा भोजन और अन्य बुनियादी जरूरतों पर खर्च होता है। महंगाई का एक चिंताजनक पहलू यह है कि कीमतों में मामूली बढ़ोतरी भी लगातार होने पर बड़ा आर्थिक बोझ बन जाती है। यदि किसी परिवार के लिए हर महीने खाद्य सामग्री पर पांच या दस प्रतिशत अतिरिक्त खर्च करना पड़े तो साल के अंत तक यह राशि काफी बढ़ सकती है। इसके साथ ही बिजली, पानी, रसोई गैस, परिवहन, मकान का किराया, बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य संबंधी खर्च बढ़ें तो घरेलू बजट पर कई दिशाओं से दबाव पड़ता है। ऐसी स्थिति में परिवार को बचत कम करनी पड़ती है या फिर किसी अन्य आवश्यक खर्च में कटौती करनी पड़ती है।

महंगाई का सबसे बड़ा सामाजिक प्रभाव भोजन की गुणवत्ता पर पड़ सकता है। जब अच्छे और पौष्टिक खाद्य पदार्थ महंगे होते हैं तो सीमित आय वाले परिवार सस्ते विकल्पों की ओर जाने के लिए मजबूर हो सकते हैं। दाल, दूध, फल, हरी सब्जियां और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों की कीमत बढ़ने पर भोजन की थाली में उनका हिस्सा कम हो सकता है। इसका असर विशेष रूप से बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और कमजोर आय वाले परिवारों पर पड़ता है। इसलिए खाद्य महंगाई को केवल आर्थिक समस्या मानना पर्याप्त नहीं है। यह पोषण और सार्वजनिक स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

सब्जियों की कीमतों में अचानक होने वाली वृद्धि इस समस्या को और स्पष्ट करती है। मौसम में बदलाव, अत्यधिक बारिश, सूखा, बाढ़, परिवहन की समस्या, उत्पादन में कमी या आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी परिस्थितियां कीमतों को प्रभावित करती हैं। किसान को कई बार उसकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता, जबकि उपभोक्ता को वही उत्पाद बाजार में महंगा मिलता है। इसका अर्थ है कि उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक पहुंचने की प्रक्रिया में कई स्तरों पर ऐसी समस्याएं मौजूद हैं, जिनका समाधान आवश्यक है। केवल कीमत बढ़ने पर बाजार में हस्तक्षेप करना पर्याप्त नहीं होगा; कृषि उत्पादन, भंडारण, परिवहन और वितरण की पूरी व्यवस्था को मजबूत करना होगा।

दाल और खाद्य तेल जैसी वस्तुओं की कीमतों का प्रभाव भी व्यापक होता है। भारत के अधिकांश परिवारों के भोजन में इनका नियमित उपयोग होता है। यदि इनकी कीमत बढ़ती है तो परिवार के मासिक खर्च में सीधा इजाफा होता है। खाद्य तेल के मामले में घरेलू बाजार की स्थिति अंतरराष्ट्रीय कीमतों, आयात और मुद्रा विनिमय दर जैसी परिस्थितियों से भी प्रभावित हो सकती है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती यह रहती है कि उपभोक्ताओं को राहत मिले, लेकिन किसानों और उत्पादकों के हित भी प्रभावित न हों। संतुलित नीति के बिना किसी एक पक्ष को राहत देने का प्रयास दूसरे पक्ष के लिए समस्या पैदा कर सकता है।

महंगाई का असर केवल बाजार में सामान खरीदने वाले व्यक्ति पर नहीं पड़ता। दुकानदार, परिवहन कारोबारी, छोटे व्यापारी और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े लोग भी बढ़ती लागत से प्रभावित होते हैं। ईंधन और परिवहन लागत बढ़ने पर उसका असर सामान की अंतिम कीमत पर पड़ सकता है। पैकेजिंग, बिजली, मजदूरी और भंडारण खर्च में वृद्धि भी वस्तुओं की कीमत बढ़ा सकती है। इसलिए महंगाई की समस्या को समझने के लिए पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर नजर डालना जरूरी है। सबसे अधिक चिंता उस स्थिति में होती है जब आय की वृद्धि कीमतों की वृद्धि के अनुरूप नहीं होती। यदि किसी कर्मचारी या मजदूर की आमदनी सीमित गति से बढ़े और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें उससे तेज गति से बढ़ें तो उसकी वास्तविक क्रय शक्ति घट जाती है। कागज पर आय समान या थोड़ी अधिक दिखाई दे सकती है, लेकिन वास्तविक जीवन में व्यक्ति कम वस्तुएं खरीद पाता है। यही वह स्थिति है जहां महंगाई आम परिवार की आर्थिक सुरक्षा को कमजोर करती है।

-शिवांश धाकड़

कविता

यह जंग है नामुराद

मुकेश विग, ठोडो ग्राउंड मोड़
सोलन (हि.प्र.)

यह जंग है नामुराद इससे बचके रहना, जंग छीन लेती है
सुख-चैन, सोना, खाना-पीना, मुश्किल कर दे यह जीना
यह जंग लगे लोहे में उसे खाक बना देती है
जंग ये दो देशों में तो कहर ही बरपाती है।
जीत कोई न पाया कभी भी यह जंग, सुंदर इस दुनिया को कर देती है बदरंग
ये नुकसान पूरा नहीं हो सकता, दुनिया यूं दिखती है ज्यों ये गया अधरंग
फिर क्यों होड़ लगी है जंग जीतने की, निर्माण करो, विनाश नहीं
देखो इन खंडहरों को यह तबाही का मंजर, क्या दे सकते हो इन्हें जीवन
स्कूली बच्चे, महिलाएं-चीख रहे, जहां देखो पड़ी है लाश वहीं
रुक जाओ बंद करो तुम भी नहीं बच पाओगे
तबाही मचाने वालो वीर नहीं कहलाओगे,
कैसी है सोच तुम्हारी पूरी दुनिया हैरान है
चीख चीख सब कह रहे यह इंसान नहीं शैतान हैं।
बढ़ जाएं दुनिया में जब स्वार्थ अकड़ घमंड
तब वह खुद ही आकर देता है इसका दंड
छोड़ दो यह हठ न करो उसे परेशान
विग न कहीं बना दे वह पूरी दुनिया को रमशान,अब भी समय है, युद्ध की आग बुझा दो,
नफरत के हर बीज को दिल से मिटा दो।
बच्चों की आंखों में फिर सपने सजाओ,
उजड़े हुए घरों में खुशियां लौटाओ।
धरती को खून से मत रंगने दो,
इंसान को इंसान ही रहने दो।
हथियार नहीं, प्रेम की भाषा अपनाओ,
टूटे दिलों में विश्वास जगाओ।
यही जीत है, यही सच्ची शान,
बचे रहे दुनिया और बचा रहे इंसान।

जखणी माता मंदिर : हिमालय की गोद में उभरता अद्भुत पर्यटन स्वर्ग

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

यूं तो उत्तर भारत में स्थित हिमाचल प्रदेश में अनेकों पौराणिक एवं ऐतिहासिक धार्मिक स्थल हैं, जो किसी न किसी किंवदंतियों व इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। कहा जाता है कि प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संपदा ही उस क्षेत्र को आगे बढ़ाती है और हिमाचल प्रदेश के जनपद कांगड़ा का पालमपुर इन सब में समाहित है।

इसके इर्द-गिर्द के अनेकों अनछुए रमणीय पर्यटन व धार्मिक स्थलों को निहारने के लिए वर्ष भर सैलानियों का तांता लगा रहता है, क्योंकि इसका नैसर्गिक व विहंगम सौंदर्य अनंत नीरव शांत वातावरण सबको अचंभित कर देते हैं। इसी श्रृंखला में अनुपम सुंदरता और बर्फ से लकदक गगनचुंबी चांदी सरीखी घाटियों के नयनाभिराम दृश्यों को समेटे पालमपुर से मात्र 5 कि.मी. की दूरी पर डुहग यानी चंदपुर ग्रामीण क्षेत्र के धौलाधार के शिखर में मां मां जख्णी मंदिर, जोकि चारों ओर से देवदार और चीड़ के घने जंगल की आगोश में अवस्थित है,एक अलौकिक दिव्यता की अनुभूति कराता है। जख्णी माता मंदिर आज तेजी से एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है।

देवदार और चीड़ के घने जंगलों से घिरा यह मंदिर प्रकृति प्रेमियों और आध्यात्मिक शांति की तलाश करने वालों के लिए स्वर्ग समान है। यहां पहुंचते ही ठंडी, शुद्ध और ताजगी से भरपूर हवा मन को सुकून देती है। चारों ओर फैली हरियाली, पक्षियों का मधुर कलरव और शांत वातावरण पर्यटकों को रोजमर्रा की भागदौड़ से दूर एक अलग ही दुनिया में ले जाता है।

सर्दियों में जब यहां बर्फबारी होती है, तो पूरा क्षेत्र सफेद चादर में ढक जाता है, जो इसे और भी आकर्षक बना देता है। यह दृश्य पर्यटकों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बन जाता है। जख्णी माता मंदिर केवल प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र ही नहीं, बल्कि गहरी आस्था और लोकविश्वास का प्रतीक भी है। स्थानीय गद्दी समुदाय इस देवी को अपनी कुलदेवी मानता है और सदियों से यहां पूजा-अर्चना करता आ रहा है। मंदिर से जुड़ी अनेक किंवदंतियां इसे और भी विशेष बनाती हैं।

माना जाता है कि माता जख्णी ने अपने भक्तों की रक्षा के लिए कई चमत्कार किए, जिनकी कहानियां आज भी स्थानीय लोगों द्वारा सुनाई जाती हैं। यही आस्था और विश्वास हर साल हजारों श्रद्धालुओं को यहां खींच लाता है। पर्यटन की दृष्टि से यह स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंदिर परिसर में पर्यटकों के लिए बैठने और विश्राम करने की अच्छी व्यवस्था है। यहां से पालमपुर और आसपास की घाटियों का विहंगम दृश्य दिखाई देता है, जो किसी चित्रकला जैसा प्रतीत होता है।

प्रकृति के बीच बैठकर ठंडी हवा का आनंद लेना और शांत वातावरण में समय बिताना हर पर्यटक के लिए एक विशेष अनुभव बन जाता है। मंदिर में प्रतिदिन होने वाली आरती और विशेष अवसरों पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम पर्यटकों को आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं। विशेषकर नवरात्र के दौरान यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इस समय मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूब जाता है और यहां की रौनक देखने लायक होती है। यहां तक पहुंचना भी काफी आसान है। पालमपुर से टैक्सी, बस और ऑटो जैसी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। पहाड़ी रास्तों से गुजरते हुए मंदिर तक पहुंचने का सफर भी अपने आप में रोमांचक होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

खूबसूरती और प्रतिभा की मिसाल

अदिति आर्या का जन्म 18 सितंबर 1993 को चंडीगढ़ में हुआ था। वह भारतीय मॉडल, अभिनेत्री, शोध विश्लेषक और सौंदर्य प्रतियोगिता विजेता के रूप में पहचानी जाती हैं।

अदिति आर्या
जन्म : 18 सितंबर 1993

अदिति ने शुरुआती शिक्षा चंडीगढ़ के सेक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल से शुरू की और बाद में गुरुग्राम के एमिटी इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज से बिजनेस स्टडीज में शिक्षा हासिल की। पढ़ाई के दौरान उनकी रुचि रंगमंच और सामाजिक गतिविधियों में भी रही। आगे उन्होंने येल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से एमबीए की पढ़ाई की।

मॉडलिंग और सौंदर्य प्रतियोगिता की दुनिया में आने से पहले अदिति पेशेवर क्षेत्र में भी काम कर चुकी थीं। मिस वर्ल्ड की आधिकारिक प्रोफाइल के अनुसार उन्होंने अर्न्स्ट एंड यंग में शोध विश्लेषक के रूप में काम किया था। अदिति के करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव वर्ष 2015 रहा, जब उन्होंने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2015 का खिताब जीता। यह प्रतियोगिता 28 मार्च 2015 को मुंबई के यशराज स्टूडियो में आयोजित हुई थी। इसके बाद उन्होंने मिस वर्ल्ड 2015 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

मॉडलिंग के बाद अदिति ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने वर्ष 2016 में तेलुगु फिल्म 'इश्म' से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद वह विभिन्न भारतीय फिल्मों और मनोरंजन परियोजनाओं का हिस्सा बनीं। अदिति आर्या का सफर इसलिए भी उल्लेखनीय है कि उन्होंने शिक्षा, कॉरपोरेट क्षेत्र, मॉडलिंग और अभिनय—अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई। 18 सितंबर को उनका जन्मदिन मनाया जाता है और उनके प्रशंसक सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

उस्मानिया सल्तनत के ख्वाब देख रहा तुर्की का सदर एर्दोगन

प्रताप सिंह पटियाल

अपने दौर की बेहद ताकतवर उस्मानिया सल्तनत यानी ओटोमन साम्राज्य, या तुर्की साम्राज्य, जिसका शासन एशिया, यूरोप तथा अफ्रीका तीनों महाद्वीपों के लगभग 40 देशों में फैला था। उस्मानिया सल्तनत की नींव 1299 ईस्वी में तुर्कमान कबीले के सरदार उस्मान गाजी ने रखी थी। उसी उस्मान के नाम पर उस साम्राज्य का नाम उस्मानिया सल्तनत पड़ा था। मगर एक मुद्दत के बाद वह दौर भी आया कि तीन महाद्वीपों पर हुकूमत करने वाले ओटोमन साम्राज्य के पतन की दास्तान शुरू हो गई। कभी अपने विस्तार और राजनीतिक प्रभाव के कारण शक्तिशाली माने जाने वाले इस साम्राज्य के सामने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान परिस्थितियां लगातार बदलती चली गईं और आखिरकार उसके विघटन का रास्ता तैयार हो गया।

दरअसल उस्मानिया के सुल्तान मेहमत पंचम ने सन 1914 से 1918 तक लड़ी जाने वाली पहली जंग-ए-अजीम में ब्रिटेन, फ्रांस, ग्रीस और रूस जैसे ताकतवर देशों के खिलाफ लड़ने वाले जर्मनी, ऑस्ट्रिया, हंगरी व बुल्गारिया गठबंधन के पक्ष में लड़ने का फैसला किया था। सुल्तान का वही फैसला उस्मानिया सल्तनत के पतन का सबसे बड़ा कारण बना था। युद्ध का परिणाम उस्मानिया सल्तनत के लिए बेहद भारी पड़ा और उसके विशाल साम्राज्य की राजनीतिक शक्ति धीरे-धीरे समाप्त होती चली गई।

दिलचस्प पहलू यह है कि उस्मानिया सल्तनत का सूर्यास्त करने में ब्रिटेन के पक्ष में लड़ रहे भारतीय सैनिकों ने भी अहम किरदार अदा किया था। इजरायल के तटीय शहर हाइफा पर भी उस्मानी बादशाही की हुकूमत काबिज थी। ब्रिटिश इंडियन आर्मी के जनरल चार्ल्स कार्माइकल मुनरो ने हाइफा को आजाद कराने के लिए भारत की 15वीं इम्पीरियल सर्विस कैवेलरी की ब्रिगेड को चुना था। 15वीं कैवेलरी ब्रिगेड में जोधपुर, मैसूर तथा हैदराबाद रियासतों की लांसर्स सेनाएं शामिल थीं।

इजरायल के हाइफा पर तुर्की, जर्मन व हंगरी की सेनाएं तोपों, राइफलों तथा मशीनगनों जैसे आधुनिक हथियारों से मोर्चाबंदी कर चुकी थीं, मगर जोधपुर व हैदराबाद तथा मैसूर लांसर्स के घुड़सवार सैनिकों के पास तलवारें व भाले जैसे पारंपरिक हथियार ही थे। आधुनिक हथियारों से लैस सेनाओं के सामने पारंपरिक हथियारों के साथ आगे बढ़ना बेहद जोखिम भरा था, लेकिन भारतीय सैनिकों ने अपने साहस और युद्ध कौशल का परिचय दिया। हैदराबाद तथा मैसूर लांसर्स में मुस्लिम सैनिकों की मौजूदगी तथा आधुनिक हथियारों के मुकाबले पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र से अंग्रेज सैन्य अधिकारियों के लिए स्थिति गंभीर हो चुकी थी।

एक लंबी जद्दोजहद के बाद हाइफा में ओटोमन सेनाओं के खिलाफ भारतीय सैन्य अभियान की कमान संभालने वाले अंग्रेज फील्ड मार्शल सर एडमंड एलेनबी ने तुर्क व जर्मन सेनाओं पर सीधा हमला करने के लिए मेजर दलपत सिंह राठौर की कमान वाले जोधपुर लांसर्स के रणबांकुरों को चुना था। आखिर 23 सितंबर 1918 को एक आक्रामक सैन्य हमले के दौरान जोधपुर के सैनिकों ने अपनी शमशीरों से हाइफा में मोर्चा संभाल चुके तुर्की, हंगरी व जर्मनी के सैनिकों को हलाक करके इजरायल पर उस्मानिया बादशाही की 402 वर्षों की हुकूमत का खात्मा कर दिया था।

हाइफा शहर आजाद हो चुका था, मगर हाइफा को आजाद कराने में अहम किरदार अदा करने वाले जोधपुर के मेजर दलपत सिंह राठौर तुर्की सेना पर भीषण हमले के दौरान गोली लगने से बलिदान हो गए थे। मैदान-ए-जंग में अदम्य साहस का परिचय देकर बलिदान हुए दलपत सिंह राठौर को ब्रिटेन बादशाही ने दूसरे सर्वोच्च वीरता पदक 'मिलिट्री क्रॉस' से नवाजा था। हाइफा जंग में शौर्य पराक्रम के लिए जोधपुर लांसर्स के कैप्टन अनूप सिंह व लेफ्टिनेंट सगत सिंह को भी मिलिट्री क्रॉस से नवाजा गया था। कैप्टन बहादुर अमन सिंह जोधा तथा जमादार जोर सिंह को 'इंडियन ऑर्डर ऑफ मेरिट' के मेडल से सरफराज किया गया था।

हाइफा की आजादी के लिए लड़ने वाली जोधपुर व हैदराबाद तथा मैसूर की लांसर्स को आजादी के बाद भारतीय सेना की 61वीं कैवेलरी के रूप में गठित किया गया। अब 61वीं कैवेलरी 23 सितंबर को 'हाइफा दिवस' मनाती है। हाइफा युद्ध की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर वर्ष 2018 में 61वीं कैवेलरी को इजरायल बुलाया गया था। हाइफा से तुर्की की हुकूमत को उखाड़ने के लिए भारत के 44 सैनिकों ने शहादत को गले लगा लिया था। भारतीय सैनिकों ने ओटोमन सेना के एक हजार से ज्यादा सैनिकों को शमशीरों से हलाक करके दुश्मन के लगभग 1350 सैनिकों को हिरासत में ले लिया था।

हाइफा को आजाद कराने वाली तीनों भारतीय रियासतों के सैनिकों की स्मृति में ब्रिटेन बादशाही ने सन 1922 में दिल्ली के तीन मूर्ति भवन के बाहर तीन मूर्ति युद्ध स्मारक तामीर करवाया था। ब्रिटिश मूर्तिकार लियोनार्ड जेनींग्स ने उन कांस्य प्रतिमाओं को तैयार किया था। मेजर दलपत सिंह राठौर को 'हीरो ऑफ हाइफा' तथा पारंपरिक तलवार युद्ध शैली से हाइफा को आजाद कराने वाले भारतीय सैनिकों की बहादुरी की दास्तान को हाइफा नगरपालिका ने अपने स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया हुआ है। 23 जनवरी 2018 को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू तथा भारत के प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के तीन मूर्ति चौक का नाम 'तीन मूर्ति हाइफा चौक' रखा था। पहली जंग-ए-अजीम में उस्मानिया की शिकस्त से तुर्की की आवाम आक्रोशित थी। 10 अगस्त 1920 को हुई उस्मानिया साम्राज्य के विभाजन वाली संधि को तुर्की के राष्ट्रवादी नेता फील्ड मार्शल मुस्तफा कमाल पाशा ने अपने मुल्क की तौहीन मानकर तुर्की की जंग-ए-आजादी का ऐलान कर दिया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

प्रयागराज में युवती से दुष्कर्म के आरोप में सगे भाइयों पर मुकदमा

एजेंसी, प्रयागराज। प्रयागराज में एक युवती ने नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म करने, मांग में सिंदूर भरने और जान से मारने की कोशिश के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता प्रतापगढ़ की रहने वाली है और तेलियरगंज में किराए के कमरे में रहती है। उसने नवाबगंज निवासी वकील रोहित कुमार यादव उर्फ राहुल यादव और उसके भाई प्रशांत के खिलाफ शिवकुटी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार, आरोपितों ने युवती को नशीला पेय पिलाया और इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि घटना के दौरान उसकी मांग में सिंदूर भी भरा गया। इसके बाद उसे जान से मारने की कोशिश किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपों से जुड़े तथ्यों और घटनाक्रम की पड़ताल कर रही है।

अलीगढ़ में करणी सेना से टकराव के बाद सफाई व्यवस्था प्रभावित

एजेंसी, अलीगढ़। तालानगरी में गुरुवार सुबह से सफाई व्यवस्था ठप रही। बुधवार शाम क्षत्रिय युवा करणी सेना के जिलाध्यक्ष और वाल्मीकि समाज के कुछ युवकों के बीच मारपीट का मामला सामने आया था। इसके बाद वाल्मीकि समाज के लोगों पर मुकदमा दर्ज किए जाने और दो-तीन युवकों को पुलिस हिरासत में लिए जाने से नाराजगी बढ़ गई। विरोध में सफाईकर्मियों ने काम रोक दिया और वाल्मीकि समाज के लोग थाने पहुंचकर घेराव करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने हिरासत में लिए गए युवकों को छोड़ने और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। सफाईकर्मियों के काम बंद करने से शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। पुलिस और प्रशासन की ओर से स्थिति को संभालने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने संबंधित पक्षों से बातचीत कर मामले को शांत कराने की कोशिश शुरू कर दी है।

कानपुर में गंगा बैराज में जलस्तर 21 सेंटीमीटर घटा, शुक्ला गंज में भी गिरावट

एजेंसी, कानपुर। कानपुर के गंगा बैराज में गुरुवार को जलस्तर में बुधवार की तुलना में 21 सेंटीमीटर की गिरावट दर्ज की गई। अपस्ट्रीम जलस्तर 114.300 मीटर से घटकर 114.090 मीटर रह गया, जो चेतावनी स्तर 114 मीटर से नौ सेंटीमीटर अधिक है। डाउनस्ट्रीम जलस्तर भी 113.830 मीटर से घटकर 113.630 मीटर हो गया। बैराज से पानी का डिस्चार्ज 3,70,392 क्यूसेक से घटकर 3,46,893 क्यूसेक रह गया। शुक्लागंज में जलस्तर 112.760 मीटर से घटकर 112.550 मीटर दर्ज हुआ, जो चेतावनी स्तर से 45 सेंटीमीटर नीचे है। हरिद्वार और नरौरा बैराज से भी डिस्चार्ज में कमी आई। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि गंगा के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। संवेदनशील और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

वडोदरा में तैनात जीएसटी इंस्पेक्टर पर बांदा में दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

एजेंसी, बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में वडोदरा में तैनात जीएसटी इंस्पेक्टर पति के खिलाफ पत्नी ने दहेज उत्पीड़न, मारपीट, गाली-गलौज और घर से निकालने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता आस्था ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर पति हिमांशु सिंह चौहान समेत ससुरालीजनों पर अतिरिक्त दहेज मांगने का आरोप लगाया। एसपी के निर्देश पर महिला थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के अनुसार, विवाह में उसके पिता ने 51 लाख रुपये नकद समेत अन्य सामान और वाहन के लिए रकम भी दी थी। आरोप है कि इसके बावजूद ससुराल पक्ष ने पहले 20 लाख रुपये की कार और बाद में 42 लाख रुपये की कार की मांग की। मांग पूरी न होने पर कथित रूप से मारपीट और प्रताड़ना की गई। पीड़िता ने गुजरात में भी मारपीट और गला दबाने के प्रयास का आरोप लगाया है। महिला थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान में सीएचसी में मरीजों और तीमारदारों को फल वितरित

एजेंसी, हाथरस

उत्तर प्रदेश के हाथरस जनपद के सादाबाद स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में गुरुवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत नवजात शिशुओं के सम्मान और जनसेवा से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में जन्मे नवजात शिशुओं के परिजनों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके साथ ही मरीजों और उनके तीमारदारों को फल भी बांटे गए।

कार्यक्रम में सादाबाद विधायक प्रदीप कुमार उर्फ गुड्डू चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनके अलावा प्रशासनिक अधिकारी, एसीएमओ हाथरस, सीएचसी प्रभारी दानवीर मास्टर सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि और अधिकारियों ने नवजात शिशुओं के परिजनों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल भी जाना और स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।

फल वितरण के दौरान मरीजों और तीमारदारों ने आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में रक्तदान और रक्त उपलब्धता को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के लिए रक्त वितरण व्यवस्था के महत्व पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का उद्देश्य प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर उपचार और आवश्यक सुविधाएं पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और मरीजों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

पीएम विश्वकर्मा योजना से कारीगरों को मिला सम्मान और स्वावलंबन का अवसर : योगी

पीएम विश्वकर्मा योजना ने शिल्पकारों को प्रशिक्षण, टूलकिट और रोजगार से जोड़ा

एजेंसी, गोरखपुर

भगवान विश्वकर्मा की पावन जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिल्पकारों और कारीगरों सहित प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जो देश अपने शिल्पकारों और कारीगरों का सम्मान करता है, वही निरंतर प्रगति करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी भावना के अनुरूप पीएम विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के माध्यम से शिल्प और कारीगरी को आधुनिक तकनीक तथा नए बाजारों से जोड़ने का कार्य किया है। इससे पारंपरिक हुनर से जुड़े लोगों को आगे बढ़ने और आर्थिक रूप से सशक्त होने के अवसर मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह गोरखपुर के जटाशंकर स्थित श्री विश्वकर्मा पंचायत मंदिर में आयोजित श्री विश्वकर्मा पूजनोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने मंदिर में भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजमिस्त्री, बढ़ई, हलवाई, सोनार समेत कारीगरी के विभिन्न पेशों से जुड़े लोगों के लिए उनकी शिल्पकला सदियों से स्वावलंबन का आधार रही है।

हालांकि, आजादी के बाद लंबे समय तक पारंपरिक हुनर और शिल्प-कारीगरी को अपेक्षित प्रोत्साहन नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र और प्रदेश सरकार ने शिल्पकारों और कारीगरों को प्रशिक्षण, आधुनिक टूलकिट तथा रोजगार के विभिन्न अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया है।

मुख्यमंत्री के अनुसार, सरकार के प्रोत्साहन से उत्तर प्रदेश में तीन करोड़ से अधिक लोग कारीगरी और शिल्प से जुड़कर रोजगार तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कारीगरों को आधुनिक बाजार से जोड़ने से हुनरमंद लोगों के उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध हो सकता है और उनकी आय के नए रास्ते खुल सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 17 सितंबर का दिन विशेष महत्व रखता है। एक ओर यह सृष्टि के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती है, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भी है। उन्होंने कहा कि देशभर में कारीगर और शिल्पी अपने-अपने कार्यस्थलों पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा कर अपने हुनर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घ और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि गुरु गोरखनाथ की पावन धरती से भगवान विश्वकर्मा के चरणों में नमन करते हुए प्रधानमंत्री के दीर्घ जीवन और निरंतर मार्गदर्शन की कामना की जाती है, ताकि विकसित भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने श्री विश्वकर्मा पूजनोत्सव पुस्तक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में श्री विश्वकर्मा पंचायत मंदिर समिति के अध्यक्ष दयानंद शर्मा ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

जुलाई सत्र 2026-27 में प्रवेश की तारीख बढ़ी, विद्यार्थियों को मिला अंतिम अवसर

एजेंसी, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के जुलाई सत्र 2026-27 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए राहत की खबर है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 30 सितंबर तक विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकेंगे। पहले प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितंबर निर्धारित की गई थी।

प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ने से विद्यार्थियों को मिली अतिरिक्त सुविधा

विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रभारी प्रो. जय प्रकाश यादव के अनुसार जुलाई सत्र में प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी गई है। इससे उन विद्यार्थियों को अतिरिक्त अवसर मिलेगा, जो निर्धारित समय सीमा तक किसी कारणवश प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके थे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से निर्धारित तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है। इसके साथ ही जुलाई सत्र 2026-27 के विद्यार्थियों के लिए पुन: पंजीकरण की अंतिम तिथि भी 30 सितंबर तक बढ़ाई गई है। ऐसे विद्यार्थी जो अगले वर्ष या अगले चरण में अध्ययन जारी रखने के लिए पुन: पंजीकरण कराना चाहते हैं, वे भी निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से तिथि बढ़ाए जाने से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से नौकरी, पारिवारिक जिम्मेदारियों या अन्य कारणों से समय पर आवेदन नहीं कर पाने वाले विद्यार्थियों के पास अब प्रवेश और पुन: पंजीकरण पूरा करने का अतिरिक्त अवसर है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि 30 सितंबर अंतिम तिथि होगी, इसलिए विद्यार्थियों को समय रहते आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर लेनी चाहिए। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने जुलाई सत्र 2026-27 में प्रवेश और पुन: पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी है।

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर मंत्री अनिल राजभर ने किया रक्तदान

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी में मंत्री अनिल राजभर ने रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सेवा का संदेश दिया।

प्रधानमंत्री एवं काशी के सांसद नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर वाराणसी में विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन समन्वय मंत्री अनिल राजभर ने चांदमारी स्थित मेडिस्पेस एवं भगवान बुद्धा चेरिटेबल ब्लड सेंटर में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सामूहिक रक्तदान किया।

जन्मदिवस के अवसर पर रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किए जाने की जानकारी स्थानीय रिपोर्ट में भी दी गई है। मंत्री अनिल राजभर ने रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए लोगों से जरूरतमंद मरीजों के लिए आगे बढ़कर रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में मदद मिल सकती है। कार्यक्रम में उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और सेवा कार्य में भागीदारी के लिए उनका आभार जताया।

मीरजापुर : लाठी से वृद्धा की पीटकर हत्या, पति घायल

एजेंसी, मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद के जिगना थाना क्षेत्र के खैरा गांव में गुरुवार को लाठी से किए गए हमले में 65 वर्षीय वृद्धा की मौत हो गई। घटना में उनके पति भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और नामजद आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। मृतका के बेटे रमाकांत पाल के अनुसार, गांव निवासी अंकित दुबे पुत्र अखिलेश दुबे घर से करीब पांच सौ मीटर दूर स्थित डेरे पर पहुंचा। वहां उसने 65 वर्षीय तेरसू पुत्र सहदेव के साथ लाठी से मारपीट शुरू कर दी। हमले से बचने के लिए तेरसू चीखते हुए घर की ओर भागे। शोर सुनकर उनकी पत्नी निअदरा देवी बचाव के लिए मौके पर पहुंचीं। आरोप है कि अंकित दुबे ने उन पर भी लाठी से हमला कर दिया। हमले में दोनों बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन निअदरा देवी को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरोई लेकर पहुंचे।

मोदी के 25 साल जनसेवा संकल्प अभियान के तहत काशी से वडनगर तक बाइक यात्रा

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी से गुजरात के वडनगर तक करीब 500 युवा बाइकर्स की 'सेवा संकल्प बाइक यात्रा' निकाली जा रही है। यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुरू किए गए 'सेवा संकल्प अभियान' का हिस्सा है।

भाजपा युवा मोर्चा की ओर से आयोजित इस यात्रा में देश के विभिन्न राज्यों के युवा शामिल हो रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, यात्रा का उद्देश्य युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़ना और विभिन्न क्षेत्रों के युवाओं के बीच सामाजिक और संगठनात्मक जुड़ाव को बढ़ावा देना है। यात्रा में 250 बाइकों पर 500 सेवा यात्री शामिल हैं। यात्रा के लिए युवाओं को अलग-अलग समूहों में बांटा गया है। प्रत्येक समूह के साथ समन्वय की व्यवस्था रहेगी। आयोजकों ने यात्रा का रूट चार्ट भी तैयार किया है।

रास्ते में निर्धारित स्थानों पर ठहराव की व्यवस्था की गई है, जहां भोजन, पानी और विश्राम के साथ पूर्व निर्धारित कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके बाद बाइकर्स अगले पड़ाव के लिए रवाना होंगे। यात्रा उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों से होकर वडनगर पहुंचेगी। रास्ते में सेवा गतिविधियों और जनसंपर्क कार्यक्रमों के आयोजन की भी योजना है।

55 साल बाद घंटाघर बनाने की प्रासंगिकता पर हाई कोर्ट ने उठाए सवाल

एजेंसी, प्रयागराज

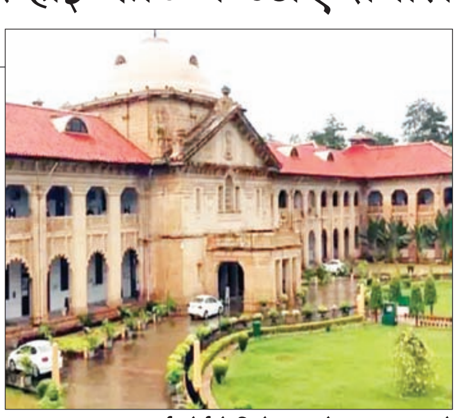

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने फिरोजाबाद के सदर बाजार में प्रस्तावित घंटाघर निर्माण पर रोक लगाई।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने फिरोजाबाद के सदर बाजार स्थित पुरानी मंडी में प्रस्तावित घंटाघर के निर्माण पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। न्यायालय ने मामले में प्रतिवादियों को दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। प्रकरण की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने प्रस्तावित घंटाघर की आवश्यकता और वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठाया।

कोर्ट ने टिप्पणी की कि आज लगभग हर व्यक्ति के पास मोबाइल फोन है और उसमें समय देखने की सुविधा उपलब्ध रहती है। ऐसे में 55 वर्ष बाद घंटाघर बनाने के फैसले के औचित्य पर विचार किया जाना जरूरी है। मामला फिरोजाबाद के सदर बाजार की पुरानी मंडी से जुड़ा है, जहां घंटाघर निर्माण का प्रस्ताव रखा गया है। निर्माण को लेकर उठे सवालों के बाद मामला हाई कोर्ट पहुंचा। न्यायालय ने फिलहाल अगली सुनवाई तक निर्माण कार्य पर रोक लगाते हुए संबंधित पक्षों से उनका पक्ष मांगा है। कोर्ट के निर्देश के बाद अब प्रतिवादियों को निर्धारित अवधि में अपना जवाब दाखिल करना होगा।

इसके बाद सुनवाई में निर्माण की आवश्यकता, प्रस्ताव की पृष्ठभूमि और उससे जुड़े अन्य पहलुओं पर विचार किया जाएगा। 30 सितंबर को होने वाली सुनवाई में मामले की आगे की स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। न्यायालय के आदेश के बाद अब निर्माण से जुड़े पक्षों के जवाब पर सभी की नजर रहेगी। अगली सुनवाई में प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर घंटाघर निर्माण को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

तीन बच्चों की मां युवती संग गई इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती

एजेंसी, कानपुर। कानपुर के महाराजपुर क्षेत्र में तीन बच्चों की मां के एक युवती के साथ रहने का मामला सामने आया है। महिला छह सितंबर को अपने मायके से अचानक गायब हो गई थी। स्वजन ने उसकी गुमशुदगी की सूचना महाराजपुर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस महिला की तलाश में जुटी थी। जांच के दौरान उसके पनकी में होने की जानकारी मिली। पुलिस ने पनकी में किराए के कमरे से महिला और उसके साथ रह रही करीब 30 वर्षीय युवती को हिरासत में लिया। दोनों को महाराजपुर थाने लाकर पूछताछ की गई। उनके साथ सरसौल निवासी एक युवक को भी पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस महिला के गायब होने से लेकर पनकी पहुंचने तक की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

बताया गया कि 32 वर्षीय महिला के दो बेटे और एक बेटी हैं। महिला का कहना है कि उसकी युवती से इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगीं। महिला ने पुलिस के सामने युवती के साथ रहने की इच्छा जताई और घर लौटने से इनकार कर दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, महिला और युवती से पूरे मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है। महिला की इच्छा और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता कर रही है कि महिला के मायके से जाने के बाद वह किन परिस्थितियों में पनकी पहुंची और वहां किराए का कमरा लेकर कब से रह रही थी। मामले में जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आगरा चौपाटी में फिर लौटेगा रोमांच सुरक्षा जांच के बाद खुलेगी चौपाटी

एजेंसी, आगरा

आगरा की ताजनगरी फेज-टू स्थित चौपाटी में जिपलाइन हादसे के बाद बंद की गई रोमांचक गतिविधियां दीपावली के आसपास दोबारा शुरू हो सकती हैं। इसके लिए सुरक्षा उपायों को दुरुस्त करने का काम किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था पूरी होने के बाद आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) की टीम स्थल का निरीक्षण करेगी। इसके बाद गतिविधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी ऑडिट भी कराया जाएगा। जांच और ऑडिट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इन्हें दोबारा शुरू करने की दिशा में निर्णय लिया जाएगा।

चौपाटी में कुछ समय पहले जिपलाइन हादसा हुआ था। इस हादसे में फिरोजाबाद के एक किशोर की जिपलाइन से गिरने के बाद मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद चौपाटी में संचालित रोमांचक गतिविधियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे थे। इसके बाद एडीए ने यहां गतिविधियों को बंद करा दिया था। ताजनगरी फेज-टू स्थित चौपाटी में शहरवासियों और पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से विभिन्न रोमांचक गतिविधियां शुरू करने की जिम्मेदारी दिल्ली की कंपनी ईओडी को दी गई थी।

हादसे के बाद अब सुरक्षा मानकों को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। चौपाटी को दोबारा शुरू करने से पहले उपकरणों, संचालन व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों की जांच की जाएगी। एडीए की जांच के साथ थर्ड पार्टी ऑडिट में भी व्यवस्थाओं का परीक्षण होगा। अधिकारियों का कहना है कि सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित होने के बाद ही गतिविधियों को फिर से शुरू किया जाएगा।

उपलब्धि | अंतरराष्ट्रीय पदकों के आधार पर मिली सेना में सीधे नायब सूबेदार पद की नियुक्ति

रूपल चौधरी सेना में नायब सूबेदार बनने वाली यूपी की पहली महिला एथलीट

एजेंसी, मेरठ

अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी मेरठ की धाविका रूपल चौधरी ने खेल के मैदान के साथ भारतीय सेना में भी अपनी नई पहचान बनाई है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हासिल उपलब्धियों के आधार पर उन्हें भारतीय सेना में सीधे नायब सूबेदार के पद पर नियुक्त किया गया है। वह उत्तर प्रदेश से सेना में नायब सूबेदार के पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला एथलीट हैं। रूपल को कोर आफ मिलिट्री पुलिस (सीएमपी) में शामिल किया गया है।

रूपल की सेना में नियुक्ति पिछले वर्ष जून में हुई थी। सेना में जिम्मेदारी संभालने के बावजूद उनका एथलेटिक्स करियर जारी रहेगा। वह 400 मीटर दौड़ की तैयारी करती रहेंगी और आने वाली प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास जारी रखेंगी। खेल और सेना दोनों क्षेत्रों में जिम्मेदारी निभाने का यह अवसर उनके लिए महत्वपूर्ण है। रूपल चौधरी ने जूनियर स्तर पर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जूनियर विश्व चैंपियनशिप और एशियन चैंपियनशिप में पदक जीतकर उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन और उपलब्धियों को देखते हुए सेना में सीधे नियुक्ति का रास्ता खुला। इसी प्रक्रिया के तहत उन्हें नायब सूबेदार पद पर नियुक्त किया गया।

रूपल के लिए यह नियुक्ति केवल सैन्य सेवा से जुड़ी जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि खेल को आगे बढ़ाने का भी अवसर है। सेना में शामिल होने के बाद उन्हें प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के लिए आवश्यक सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। उनका मुख्य फोकस 400 मीटर स्पर्धा पर रहेगा। रूपल ने बताया कि आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट पुणे के चीफ कोच यूनुस खान ने उनसे संपर्क किया था। उन्होंने रूपल को सेना में शामिल होने का प्रस्ताव दिया। यूनुस खान ने उन्हें बताया कि भारतीय सेना महिला खिलाड़ियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए व्यापक स्तर पर सहयोग कर रही है।

यूनुस खान मूल रूप से मुरादाबाद के रहने वाले हैं। उनके माध्यम से रूपल की बातचीत सेना के अधिकारियों से आगे बढ़ी। इसके बाद उनकी तत्कालीन कमांडेंट देवराज गिल से बातचीत कराई गई। सेना में महिला खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध अवसरों और खेल सुविधाओं के बारे में जानकारी मिलने के बाद नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ी। मेरठ की रहने वाली रूपल चौधरी ने कम उम्र से ही एथलेटिक्स में रुचि दिखाई। लगातार अभ्यास और प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई।

इसके बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। 400 मीटर दौड़ उनकी प्रमुख स्पर्धा रही है। जूनियर विश्व और एशियन चैंपियनशिप में पदक जीतना उनके करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। इन उपलब्धियों ने उन्हें सेना में खेल कोटे के तहत मिलने वाले अवसर के लिए पात्र बनाया। सीधे नायब सूबेदार पद पर नियुक्ति के बाद अब उनके खेल करियर को सेना के मंच से आगे बढ़ाने का अवसर भी मिला है। रूपल चौधरी का कहना है कि सेना में शामिल होने के बाद भी वह अपने खेल अभ्यास को जारी रखेंगी। उनका लक्ष्य 400 मीटर स्पर्धा में प्रदर्शन को और बेहतर करना है।

सरकारी व्यवस्था का इंतजार छोड़ा, बुढ़ाना के युवाओं ने संभाली सफाई की कमान

एजेंसी, आगरा

सरकारी सफाई व्यवस्था का इंतजार करते-करते जब नालियों में सिल्ट और रास्तों पर गंदगी बढ़ने लगी तो आगरा के फतेहाबाद क्षेत्र स्थित बुढ़ाना गांव के युवाओं ने खुद आगे आने का फैसला किया। ग्रामीण युवाओं ने फावड़ा उठाया और गांव की सफाई में जुट गए। इस पहल के जरिए उन्होंने न केवल सफाई की जिम्मेदारी संभाली, बल्कि सामुदायिक भागीदारी का उदाहरण भी पेश किया।

फतेहाबाद के बुढ़ाना गांव में श्रमदान कर सफाई करते ग्रामीण।

नालियों से सिल्ट निकालकर गांव को स्वच्छ बनाने में जुटे युवा

गांव में लंबे समय से नालियों की नियमित सफाई न होने के कारण सिल्ट जमा थी। रास्तों के आसपास भी गंदगी दिखाई दे रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए कई बार ग्राम पंचायत से अनुरोध किया गया, लेकिन अपेक्षित स्तर पर सफाई नहीं हो सकी। इसके बाद बुढ़ाना विकास समिति के सदस्यों ने स्वयं अभियान चलाने का निर्णय लिया। करीब दो दशक पहले गठित बुढ़ाना विकास समिति के सदस्यों ने पहली बार गांव में सामूहिक सफाई अभियान शुरू किया।

युवाओं और अन्य ग्रामीणों ने मिलकर नालियों में जमा सिल्ट को बाहर निकाला तथा रास्तों के आसपास फैली गंदगी को साफ किया। सफाई अभियान में ग्रामीणों ने श्रमदान किया और गांव को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। समिति के सदस्य ओमेंद्र यादव और रामशंकर यादव ने बताया कि गांव की सफाई व्यवस्था को लेकर ग्राम पंचायत सचिव प्रियंका और प्रधान बीना देवी से कई बार सफाई कराने का आग्रह किया गया था। ग्राम पंचायत में सफाई कर्मचारी सुनीता की तैनाती भी है, इसके बावजूद ग्रामीणों के अनुसार नियमित रूप से अपेक्षित सफाई नहीं हो सकी।

बुढ़ाना विकास समिति अब सफाई अभियान को केवल एक दिन तक सीमित नहीं रखना चाहती। समिति की ओर से गांव में पौधारोपण, जल संरक्षण और शिक्षा से जुड़े अभियान चलाने की भी तैयारी की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के विकास में केवल सरकारी प्रयास ही नहीं, बल्कि लोगों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। युवाओं की इस पहल से गांव में सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिला है।

पलवल में विधायक कार्यालय के बाहर खूनी संघर्ष, पुरानी रंजिश में भिड़े दो पक्ष

हमले में एक युवक घायल, शिकायत के आधार पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

भारतेन्दु संवाददाता, पलवल

पलवल के हथीन थाना क्षेत्र की जलेब खां कॉलोनी में विधायक इजराइल के कार्यालय के बाहर पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने पहले बोलेरो से खड़ी क्रेटा कार में टक्कर मारी और इसके बाद कार से बाहर निकले युवकों पर धारदार हथियार, डंडों और ईंटों से हमला कर दिया। घटना में एक व्यक्ति के घायल होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बताया गया कि घटना के दौरान पीड़ित पक्ष के लोग विधायक कार्यालय के बाहर मौजूद थे। इसी दौरान आरोपित पक्ष के लोग बोलेरो वाहन से वहां पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने जान से मारने की नीयत से

खड़ी क्रेटा कार में अपनी बोलेरो से सीधी टक्कर मार दी।

अचानक हुई टक्कर के बाद कार में बैठे युवक बाहर निकले। इसी दौरान आरोपितों ने कथित रूप से उन पर धारदार हथियारों, डंडों और ईंटों से हमला कर दिया। हमले के कारण मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। पीड़ित पक्ष ने बचने का प्रयास किया। आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट करने के बाद वहां से भागने की कोशिश की। भागते समय भी उन्होंने पीड़ित पक्ष की दूसरी गाड़ी में टक्कर मार दी।

घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले से रंजिश होने की बात सामने आई है। हालांकि विवाद की शुरुआत किस कारण हुई और हमले के पीछे तत्काल वजह क्या थी, इसकी जांच की जा रही है। शिकायत में पीड़ित पक्ष ने आरोपितों पर हमला करने और वाहनों को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

घटना की सूचना मिलने के बाद हथीन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने घायल व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू की। मामले में शामिल लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जनमत का सम्मान लोकतंत्र,नीति का सम्मान ही सतयुग–विष्णु चौहान

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

'जनमत का सम्मान लोकतंत्र, नीति का सम्मान ही सतयुग।' यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि भारतीय शासन-दर्शन का मूल सिद्धांत है। मिशन जॉर्नलिस्ट प्रोटेक्शन, भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु चौहान ने एक धार्मिक कार्यक्रम में यह विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जनमत और नीति के बीच संतुलन से ही आदर्श समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में भगवान श्रीराम केवल राजा नहीं, बल्कि मर्यादा, सत्य, नीति और कर्तव्य के सर्वोच्च प्रतीक हैं। उनके जीवन से हमें सीख मिलती है कि परिस्थितियां कैसी भी हों, धर्म और नीति का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराज दशरथ के निधन के बाद भरत, गुरु वशिष्ठ, मंत्री, माताएं, अयोध्या के गणमान्य नागरिक और विशाल जनसमूह श्रीराम को अयोध्या लौटाने के लिए चित्रकूट पहुंचे। सभी की इच्छा थी कि श्रीराम लौटकर राजसिंहासन

संभालें। यह सम्पूर्ण अयोध्या का जनमत था। फिर भी श्रीराम ने पिता के वचन और चौदह वर्ष के वनवास को सर्वोच्च मानते हुए अयोध्या लौटने से इनकार कर दिया।

यही प्रसंग सिखाता है कि लोकप्रिय होना और सही होना हमेशा एक जैसा नहीं होता। सच्चा नेतृत्व कई बार तत्काल जनभावना के बजाय दीर्घकालीन नीति और नैतिकता को प्राथमिकता देता है। आज लोकतंत्र में जनमत का सम्मान आवश्यक है, लेकिन वह संविधान, कानून और मर्यादा के भीतर ही सार्थक है। श्रीराम का संदेश आज भी यही है—सत्ता से पहले सत्य, लोकप्रियता से पहले नीति और अधिकार से पहले कर्तव्य। यही आदर्श नेतृत्व और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है।

न्यूज़ ब्रीफ

रेवाड़ी में रिम पर दौड़ती रही तस्करों की गाड़ी, पीछा कर रही टीम पर फायरिंग

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। शहर में बीती रात गोतस्करी का मामला सामने आया। डवाना लालपुर के ग्रामीणों ने रात करीब 12:30 बजे पुलिस को सूचना दी कि कुछ लोग गायों को पिकअप में भरकर ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और गोरक्षक दल मौके पर पहुंचा और तस्करों का पीछा शुरू किया। पुलिस व गोरक्षकों की टीम ने रातभर तस्करों की तलाश की। इस दौरान तस्करों ने बचने के लिए टीम पर दो बार फायरिंग की। पीछा करने के दौरान पिकअप के टायर पंक्चर हो गए, लेकिन तस्कर बिना टायर के रिम पर ही गाड़ी दौड़ाते रहे। गांव कोनसीवास से पदैयावास तक पिकअप रिम पर चलती रही। सुबह करीब तीन बजे पदैयावास के पास तस्करों ने तीन गायों को गाड़ी से नीचे फेंक दिया। बाद में गढ़ी बोलनी रोड पर पिकअप छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने चार गोवंश को मुक्त कराया है। कसौला थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तीन साल की लीज खत्म, फिर भी जमीन नहीं छोड़ी; बायो एनर्जी प्लांट पर केस

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। जींद के पिल्लूखेड़ा थाना क्षेत्र में एलएलपी बायो एनर्जी प्लांट के एमडी और जीएम समेत चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है। शिकायत के अनुसार, गांव ढाठरथ में स्थित कंपनी ने पराली के इस्तेमाल होने वाली पराली की गांठें रखने के लिए किसान की जमीन तीन साल के पट्टे पर ली थी। आरोप है कि लीज की अवधि समाप्त होने के बाद भी कंपनी ने जमीन खाली नहीं की और कब्जा बरकरार रखा। किसान ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी ने उसकी 2.94 लाख रुपये की रकम नहीं लौटाई। मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर एमडी, जीएम समेत चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस अब जमीन की लीज, भुगतान और कब्जे से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है। साथ ही आरोपों की पुष्टि के लिए संबंधित पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

पुराने विवाद में हमला, उपचार के दौरान बुजुर्ग की मौत; दो आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। टोहाना की बाबा बूटा बस्ती में पुराने विवाद को लेकर हुए जानलेवा हमले में बुजुर्ग जोगिन्द्र सिंह की उपचार के दौरान मौत के मामले में सीआईए टोहाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान विक्की और सागर निवासी बाबा बूटा शाह बस्ती, टोहाना के रूप में हुई है। सीआईए प्रभारी उपनिरीक्षक अजय ने बताया कि पोला राम की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, 21 अगस्त की रात कुछ युवकों ने पोला राम और उसके माता-पिता पर लाठी-डंडों से हमला किया था। घटना में तीनों गंभीर घायल हुए थे। जोगिन्द्र सिंह को गंभीर हालत में अग्रोहा मेडिकल कॉलेज और बाद में हिसार के निजी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, विक्की के खिलाफ पहले से सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

कुरुक्षेत्र में डंपर ने महिला को कुचला, मौके पर मौत; चालक फरार

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र जिले के शाहाबाद में लाडवा रोड पर डीग गांव के चौक के पास गुरुवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां एक डंपर की चपेट में आने से 25 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन को सड़क पर छोड़कर फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। महिला की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है। हादसे के कारणों की भी जांच की जा रही है।

पूर्वांचल समाज ने की थी कार्रवाई की मांग अब एसई ओमवीर सिंह की निगम में वापसी

18 दिन बाद फरीदाबाद नगर निगम में एसई ओमवीर सिंह की दोबारा तैनाती

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

फरीदाबाद नगर निगम के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर (एसई) ओमवीर सिंह की 18 दिन बाद दोबारा निगम में वापसी हो गई है। 30 अगस्त को सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक पार्षद के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का आरोप लगाया गया था। ऑडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आया और इसके बाद ओमवीर सिंह का तबादला फरीदाबाद से यमुनानगर कर दिया गया था।

वह करीब 18 दिन तक यमुनानगर में तैनात रहे। अब उन्हें फिर से फरीदाबाद नगर निगम में नियुक्त किया गया है। ऑडियो विवाद के बाद पूर्वांचल समाज के लोगों ने भी मामले को लेकर नाराजगी जताई थी। समाज के प्रतिनिधियों ने अधिकारियों से मुलाकात कर ओमवीर सिंह के

खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

इस संबंध में अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा गया था। विवाद के बीच हुए तबादले के बाद निगम के इंजीनियरिंग विंग में भी इस घटनाक्रम को लेकर चर्चाएं चलती रहीं। अब दोबारा फरीदाबाद नगर निगम में तैनाती मिलने के बाद यह मामला फिर चर्चा में आ गया है। ओमवीर सिंह की वापसी ऐसे समय हुई है, जब निगम के इंजीनियरिंग विभाग में कई विकास कार्य और महत्वपूर्ण परियोजनाएं चल रही हैं।

सोनीपत में बच्ची की मौत से हड़कंप, निर्माण स्थल के पास मिला शव

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत।

सोनीपत जिले के मोहाना थाना क्षेत्र में कंस्ट्रक्शन साइट के पास खेत में बने पानी के गड्ढे में छह साल की बच्ची का शव मिलने से हड़कंप मच गया। बच्ची के हाथ-पैर तार से बंधे हुए बताए गए हैं। घटना के बाद परिजनों ने साइट पर काम करने वाले एक युवक पर बच्ची की हत्या करने और उसके साथ गलत काम किए जाने की आशंका जताई। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर हत्या का मामला दर्ज किया है और उससे पूछताछ की जा रही है। एसीपी देवेंद्र सिंह के अनुसार, प्राथमिक जांच में दुष्कर्म जैसी घटना के प्रमाण सामने नहीं आए हैं। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में बच्ची की मौत पानी में डूबने से होने की बात सामने आई है। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी।

वीआर कक्ष में मिलेगा आधुनिक रेल सफर का अनुभव, यात्रियों के लिए सुविधा निशुल्क

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

पानीपत रेलवे जंक्शन पर यात्रियों के लिए तकनीक से जुड़ी एक नई और आकर्षक सुविधा शुरू की गई है। अब ट्रेन का इंतजार करने वाले यात्री वर्चुअल रियलिटी यानी वीआर चश्मे के माध्यम से वंदे भारत और बुलेट ट्रेन के सफर का आभासी अनुभव ले सकेंगे। इसके लिए जंक्शन पर एक विशेष वीआर कक्ष तैयार किया गया है। यात्रियों को यह सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

रेलवे जंक्शन पर ट्रेन का इंतजार करने के दौरान यात्रियों के पास अब समय बिताने का एक अलग अनुभव होगा। वीआर कक्ष में पहुंचकर यात्री चश्मा लगाएंगे और इसके माध्यम से आधुनिक रेल व्यवस्था से जुड़े विभिन्न दृश्यों को देख सकेंगे। तकनीक इस तरह तैयार की गई है कि यात्री स्वयं को

ट्रेन के भीतर सफर करते हुए महसूस कर सकें।

स्क्रीन पर केवल वीडियो देखने के बजाय वीआर तकनीक के माध्यम से उन्हें यात्रा का अधिक वास्तविक अनुभव मिलेगा। इस सुविधा के जरिए यात्रियों को वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेन के सफर की झलक दिखाई जाएगी। साथ ही बुलेट ट्रेन की तकनीक और तेज रफ्तार रेल परिवहन से जुड़े अनुभव को भी आभासी माध्यम से महसूस करने का अवसर मिलेगा। इससे यात्रियों, विशेषकर बच्चों और युवाओं में आधुनिक रेल तकनीक को लेकर रुचि बढ़ने की उम्मीद है।

वीआर कक्ष में यात्रियों को आधुनिक रेल व्यवस्था, ट्रेन संचालन और तकनीकी विकास से संबंधित जानकारी भी अनुभव के माध्यम से दी जा सकेगी। रेलवे स्टेशनों पर डिजिटल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में इसे एक नई पहल के रूप में देखा जा रहा है। पानीपत जंक्शन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री ट्रेन पकड़ने या दूसरी ट्रेन के लिए प्रतीक्षा करने पहुंचते हैं।

248.46 करोड़ रुपए के मामले में ईडी का एक्शन, गोपाल कांडा के परिसरों पर जांच

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 17 सितंबर 2026 को हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री गोपाल कांडा से जुड़े तीन परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई वाटिका लिमिटेड से जुड़े कथित रियल एस्टेट धोखाधड़ी और धनशोधन की जांच के सिलसिले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई। ईडी की टीम ने कांडा के आवास, फार्महाउस और कार्यालय परिसर की तलाशी ली।

ईडी के अनुसार, जांच के दायरे में वाटिका लिमिटेड के चार वाणिज्यिक प्रोजेक्ट हैं। इन परियोजनाओं में निवेश के लिए लोगों को समय पर संपत्ति का कब्जा देने, सुनिश्चित रिटर्न, लीज रेंटल और सेल डीड के निष्पादन का भरोसा दिए जाने की बात सामने आई है। एजेंसी के मुताबिक, इन चार परियोजनाओं में करीब 661 निवेशकों से लगभग 248.46 करोड़ रुपये जुटाए गए, जबकि अब तक निवेशकों को कब्जा और वादा की

गुरुग्राम में पूर्व मंत्री गोपाल कांडा से जुड़े ठिकानों पर ईडी की छापेमारी।

गई सेल डीड नहीं मिलने की बात जांच में सामने आई है।

ईडी की कार्रवाई का एक प्रमुख पहलू कथित धन के प्रवाह की जांच करना है। अधिकारियों के अनुसार, जांच में ऐसे वित्तीय लेन-देन का संदेह है, जिसमें निवेशकों से जुटाई गई रकम को दूसरी कंपनियों की ओर स्थानांतरित किया गया। एजेंसी इन लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच कर रही है, ताकि रकम के कथित स्थानांतरण और उससे जुड़े पक्षों की भूमिका को समझा जा सके। यह कार्रवाई इसी मामले में ईडी की पहले की जांच के बाद हुई है। ईडी की गुरुग्राम इकाई ने अगस्त 2026 में भी वाटिका लिमिटेड और उसके प्रवर्तक-निदेशकों से जुड़े दिल्ली-एनसीआर के परिसरों पर पीएमएलए के तहत तलाशी ली थी। उस कार्रवाई में दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद किए जाने की जानकारी एजेंसी ने दी थी।

फिलहाल गुरुग्राम में गोपाल कांडा से जुड़े तीन परिसरों पर हुई तलाशी के दौरान मिले दस्तावेजों और अन्य सामग्री की जांच जारी है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच से सामने आने वाले तथ्यों और वित्तीय लेन-देन के रिकॉर्ड के आधार पर की जाएगी। आरोपों की अंतिम पुष्टि जांच और संबंधित कानूनी प्रक्रिया के परिणाम पर निर्भर करेगी। जांच एजेंसी वित्तीय दस्तावेजों और बरामद सामग्री का विश्लेषण कर रही है। इसके आधार पर संबंधित लोगों से पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

पानीपत में व्यक्ति की बेरहमी से हत्या सड़क किनारे झाड़ियों में मिला शव

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

सेक्टर-12 में वीरवार अलसुबह 50 वर्षीय अशोक कुमार की हत्या का मामला सामने आने से इलाके में सनसनी फैल गई। अशोक कुमार का शव उसके घर से करीब 50 मीटर दूर सड़क किनारे झाड़ियों में पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने शव देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि व्यक्ति की हत्या ईंट-पत्थरों से कुचलकर की गई है।

पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक तौर पर हत्या के पीछे करीब 15 लाख रुपये के लेन-देन को लेकर विवाद होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की जांच जारी है और आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज

भी खंगाल रही है, ताकि वारदात से पहले और बाद में घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों की पहचान की जा सके। मृतक के स्वजन और परिचितों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अशोक कुमार घर से कब निकला और उसके बाद वह सड़क किनारे झाड़ियों तक कैसे पहुंचा।

घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी लोगों में चिंता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि मामले में संदिग्धों की पहचान के लिए तकनीकी साक्ष्यों की भी मदद ली जा रही है।

पानीपत में पांच वर्षीय मासूम के अपहरण से हड़कंप, 25 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

पानीपत की पुरेवाल कॉलोनी में मंगलवार शाम पिता की रेहड़ी के पास खेल रहा पांच वर्षीय मासूम मोहम्मद आहद अचानक लापता हो गया। बच्चे के काफी देर तक दिखाई नहीं देने पर स्वजन ने आसपास के क्षेत्र में उसकी तलाश शुरू की, लेकिन देर तक कोई सुराग नहीं मिला। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुरेवाल कॉलोनी निवासी चांद मोहम्मद ने पुलिस को बताया कि वह पीपल वाली गली में मीट की रेहड़ी लगाता है। उसके पांच बच्चे हैं और पांच वर्षीय आहद सबसे छोटा है। मंगलवार शाम करीब साढ़े सात बजे आहद अपने बड़े भाई और गली के अन्य बच्चों के साथ पिता की रेहड़ी के पास खेल रहा था। कुछ समय बाद जब स्वजन ने उसकी तरफ देखा तो वह वहां मौजूद नहीं था। पहले परिवार ने आसपास की गलियों और

नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में पड़ोसी पर केस

कॉलोनी में बच्चे को तलाश किया। परिचितों और पड़ोसियों से भी पूछताछ की गई, लेकिन बच्चे का पता नहीं चल पाया।

बच्चे के लापता होने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस की टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अब तक 25 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की जा चुकी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्चा किस दिशा में गया और उसके आसपास उस समय कौन-कौन लोग मौजूद थे। जांच के दौरान पुलिस आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटा रही है।

घटनास्थल के आसपास आने-जाने वाले रास्तों की फुटेज को भी देखा जा रहा है, ताकि बच्चे के संबंध में कोई महत्वपूर्ण सुराग मिल सके। पुलिस ने परिवार से बच्चे के हुलिए और कपड़ों से जुड़ी जानकारी भी ली है। मासूम के अचानक लापता होने से परिवार में चिंता का माहौल है। स्वजन लगातार बच्चे की तलाश में जुटे हैं और पुलिस से जल्द सुराग मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज और अन्य तथ्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

दफ्तरों की सफाई के साथ कबाड़ से कमाई, सरकार ने जुटाए 4967.78 करोड़ रुपए

2 अक्टूबर से सरकारी दफ्तरों में सफाई के साथ पुरानी फाइलें और कबाड़ भी हटाया जाएगा

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता अभियान अब केवल कमरों की सफाई और झाड़-पोंछे तक सीमित नहीं रहेगा। कार्यालयों में लंबे समय से जमा अनुपयोगी सामान, पुराने रिकॉर्ड, बेकार फाइलें, कबाड़ और ई-कचरे की भी छंटाई कर उनका नियमानुसार निस्तारण किया जाएगा। इसके साथ ही वर्षों से लंबित मामलों को चिह्नित कर उनके निपटारे की प्रक्रिया को भी गति दी जाएगी। केंद्र सरकार की ओर से 2 अक्टूबर से विशेष अभियान 6.0 शुरू करने की तैयारी है।

इस अभियान का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता को नियमित व्यवस्था का हिस्सा बनाना और कार्यालयों में अनावश्यक रूप से जमा सामग्री को हटाना है। अभियान के दौरान ऐसे रिकॉर्ड की पहचान की जाएगी, जिनकी निर्धारित अवधि पूरी हो चुकी है और जिन्हें नियमानुसार नष्ट किया जा सकता है। इससे कार्यालयों में जगह की उपलब्धता बढ़ेगी और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को व्यवस्थित तरीके से रखने में भी सुविधा होगी। सरकारी कार्यालयों में लंबे समय से जमा कबाड़ को निस्तारित करने से सरकार को राजस्व भी

प्राप्त हुआ है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार कबाड़ के निस्तारण से अब तक 4967.78 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया जा चुका है।

इससे यह भी स्पष्ट होता है कि अनुपयोगी सामग्री को केवल बोझ मानने के बजाय नियमानुसार निस्तारित करने से सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। विशेष अभियान 6.0 के दौरान कार्यालयों में लंबित मामलों की भी समीक्षा की जाएगी। जिन प्रकरणों में लंबे समय से कार्रवाई नहीं हुई है, उन्हें चिह्नित कर संबंधित अधिकारियों से उनकी स्थिति की जानकारी ली जाएगी। इसका उद्देश्य लंबित मामलों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों में रोकने के बजाय निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनका समाधान करना है। अभियान में ई-कचरे के निस्तारण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। सरकारी कार्यालयों में पुराने कंप्यूटर, मॉनिटर, प्रिंटर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य अनुपयोगी सामग्री लंबे समय तक पड़ी रहती है।

इनका सामान्य कचरे के साथ निस्तारण करने के बजाय निर्धारित नियमों के अनुसार वैज्ञानिक तरीके से निपटारा किया जाएगा। इससे कार्यालयों में स्वच्छता के साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करने का प्रयास होगा। अभियान के दौरान अनुपयोगी फर्नीचर, पुराने उपकरण और अन्य कबाड़ की भी पहचान की जाएगी। जो सामग्री उपयोग योग्य नहीं है, उसे नियमानुसार नीलाम या निस्तारित किया जा सकता है। वहीं उपयोगी सामग्री को आवश्यकता के अनुसार दूसरे कार्यालयों में इस्तेमाल करने की संभावनाएं भी देखी जा सकती हैं। सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता और रिकॉर्ड प्रबंधन को व्यवस्थित करने से कर्मचारियों के कामकाज में भी सुविधा हो सकती है। फाइलों और दस्तावेजों के व्यवस्थित रखरखाव से आवश्यक रिकॉर्ड तलाशने में लगने वाला समय कम होगा। साथ ही कार्यालयों में अनावश्यक रूप से भरी अलमारियों और कमरों को खाली कर उनका बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

सरकार की ओर से पहले भी विशेष अभियानों के माध्यम से कार्यालयों की सफाई, लंबित मामलों के निस्तारण और कबाड़ हटाने पर जोर दिया जाता रहा है। अब विशेष अभियान 6.0 के तहत इन गतिविधियों को और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने की तैयारी है। 2 अक्टूबर से शुरू होने वाले अभियान में कार्यालयों की भौतिक सफाई के साथ प्रशासनिक कामकाज को व्यवस्थित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इससे स्वच्छता अभियान को केवल एक निर्धारित अवधि तक चलने वाली गतिविधि के बजाय नियमित कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाने का प्रयास किया जाएगा।

करनाल में बंद मुर्गी फार्म में चल रही थी अवैध पटाखा फैक्ट्री, पुलिस ने मारा छापा

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

करनाल के मोहिदीनपुर गांव में पुलिस ने एक बंद मुर्गी फार्म में चल रही कथित अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। बाहर से यह फार्म लंबे समय से बंद दिखाई देता था, लेकिन पुलिस की कार्रवाई में इसके अंदर पटाखों का निर्माण और भंडारण किए जाने का मामला सामने आया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तैयार पटाखों की 90 पेटियां बरामद कीं। इसके अलावा बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री भी मौके से जब्त की गई। पुलिस ने मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मोहिदीनपुर गांव स्थित बंद मुर्गी फार्म में अवैध रूप से पटाखे तैयार किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम ने फार्म पर छापेमारी की। पुलिस के पहुंचने पर वहां तैयार पटाखों की पेटियां और पटाखे बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री मिली। तलाशी के दौरान 47 किलोग्राम पोटाश और करीब 240 किलोग्राम गंधक बरामद किया गया। इसके साथ ही बड़ी मात्रा में तैयार पटाखे भी मिले। फार्म के अंदर इतनी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखे जाने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यहां कथित रूप से बिना आवश्यक लाइसेंस और सुरक्षा इंतजामों के पटाखों से संबंधित गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। जिस स्थान पर यह काम किया जा रहा था, वह मूल रूप से मुर्गी फार्म के रूप में इस्तेमाल होता था। बंद पड़े परिसर का इस्तेमाल

कथित तौर पर पटाखों के निर्माण और भंडारण के लिए किया जा रहा था। छापेमारी के बाद पुलिस ने बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर उसकी जांच शुरू कर दी है।

बरामद पटाखों और अन्य सामग्री की मात्रा का भी आकलन किया जा रहा है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि पटाखों का निर्माण कब से किया जा रहा था और तैयार माल को कहां भेजने की तैयारी थी। इसके साथ ही इस गतिविधि से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अवैध रूप से पटाखों का निर्माण और भंडारण गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। विशेष रूप से बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ एक ही स्थान पर रखने से आग या विस्फोट जैसी घटना का खतरा बना रहता है। ऐसे में बिना अनुमति और सुरक्षा मानकों के इस तरह की गतिविधियां संचालित करना आसपास रहने वाले लोगों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है।

हिंसा और नियम उल्लंघन पर हाई कोर्ट नाराज, डूसू चुनाव पर बढ़ा संकट

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनाव प्रचार के दौरान कथित हिंसा, पोस्टर-बैनर लगाने और चुनावी नियमों के उल्लंघन को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में मामला पहुंच गया है। याचिका में लिंगदोह समिति की सिफारिशों, डूसू चुनाव आचार संहिता और विश्वविद्यालय परिसर में संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से संबंधित दिशा-निर्देशों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। अदालत ने मामले की तत्काल सुनवाई पर सहमति जताई है।

मामले में याचिकाकर्ता की ओर से चुनाव प्रचार के दौरान नियमों के कथित उल्लंघन और हिंसक घटनाओं का मुद्दा उठाया गया है। याचिका में अदालत से चुनाव प्रक्रिया में नियमों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की गई है। इससे पहले भी दिल्ली हाई कोर्ट डूसू चुनावों में लिंगदोह समिति की सिफारिशों और संपत्ति विरूपण रोकने वाले नियमों के पालन को लेकर निर्देश दे चुका है। लिंगदोह समिति की सिफारिशों के अनुसार चुनाव प्रचार के दौरान विश्वविद्यालय या कॉलेज की संपत्ति को बिना अनुमति नुकसान पहुंचाने या उसे विरूपित करने की अनुमति नहीं है।

नियमों के उल्लंघन की स्थिति में उम्मीदवार और उसके समर्थकों की जवाबदेही तय की जा सकती है। दिल्ली हाई कोर्ट के पहले के एक आदेश में भी इन प्रावधानों का उल्लेख किया गया है। मामले की सुनवाई ऐसे समय में हो रही है जब डूसू चुनाव को लेकर परिसर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में विभिन्न स्थानों पर छात्रों के बीच झड़पों और कथित मारपीट की घटनाओं की खबरें भी सामने आई हैं। कुछ मामलों में शिक्षकों के साथ कथित दुर्व्यवहार की शिकायतें भी सामने आई हैं।

हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट ने एक अलग याचिका पर बुधवार को डूसू चुनाव पर रोक लगाने से इनकार किया था। अदालत ने कहा था कि किसी छात्र का किसी राजनीतिक दल को छात्र इकाई से जुड़ा होना मात्र उसे चुनाव लड़ने से अयोग्य नहीं बनाता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि छात्र चुनाव प्रक्रिया में राजनीतिक दलों की प्रत्यक्ष भूमिका नहीं होनी चाहिए। डूसू चुनाव के लिए मतदान 18 सितंबर को निर्धारित है और मतगणना 19 सितंबर को प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय ने मतदान के लिए पहचान-पत्र, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं भी की हैं। वर्तमान याचिका में उठाए गए आरोपों पर अदालत का अंतिम निर्णय अभी सामने आना बाकी है।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए चुने गए ध्रुव जुरेल, बढ़ा आगरा का मान

एजेंसी, नई दिल्ली

शहर के स्टार क्रिकेटर और विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल का वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बुधवार को 15 सदस्यीय वनडे टीम की घोषणा की, जिसमें ध्रुव जुरेल को भी जगह दी गई है। ध्रुव के भारतीय वनडे टीम में चयन की खबर मिलते ही आगरा में उनके परिवार, कोच और क्रिकेट प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

शहर के खेल प्रेमी ध्रुव के चयन को लेकर उत्साहित हैं और उन्हें आगामी सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करते देखने की उम्मीद कर रहे हैं। ध्रुव जुरेल ने कम उम्र में ही क्रिकेट के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। विकेटकीपिंग के साथ बल्लेबाजी में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा दिखाई है। घरेलू क्रिकेट और अन्य प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में उनके प्रदर्शन के आधार पर उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। भारतीय टीम में चयन ध्रुव के क्रिकेट करियर के लिए महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है। टीम में शामिल होने के बाद अब उनके प्रशंसकों की नजरें उनके प्रदर्शन पर रहेंगी। ध्रुव के माता-पिता और कोच ने उनके चयन पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है।

न्यूज ब्रीफ

मेरठ के आसमान में पहली बार दिखेगा सूर्य किरण का रोमांचक एयर शो

एजेंसी ,नई दिल्ली मेरठ भारतीय वायु सेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबेटिक टीम 19 और 20 सितंबर को मेरठ में पहली बार एयर शो आयोजित करेगी। इस दौरान आसमान में वायु सेना के नौ लाल-सफेद रंग के विमान एक साथ उड़ान भरते हुए रोमांचक करतब और आकर्षक संरचनाएं बनाएंगे। करीब 35 मिनट तक चलने वाले इस एयर शो के दौरान दर्शकों को विमानों की सटीक उड़ान, तेज गति और विभिन्न हवाई संरचनाओं का प्रदर्शन देखने को मिलेगा। सूर्य किरण टीम अपने शानदार हवाई करतबों के लिए जानी जाती है और देश के अलग-अलग हिस्सों में एयर शो के माध्यम से वायु सेना की क्षमता और कौशल का प्रदर्शन करती है। मेरठ में पहली बार होने वाले इस आयोजन को लेकर लोगों में उत्साह है। लाल-सफेद विमानों का समूह जब आसमान में अलग-अलग आकृतियां बनाएगा तो यह नजारा दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। आयोजन को लेकर संबंधित स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। शो के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को भी ध्यान में रखा जाएगा, ताकि कार्यक्रम देखने आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

चारपाई पर सो रहे चचेरे भाई-बहन को सांप ने डसा, बच्ची की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली आगरा थाना कागारौल क्षेत्र के मुरकिया गांव में बुधवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। चारपाई पर सो रहे चचेरे भाई-बहन को जहरीले सांप ने डस लिया। घटना में 10 वर्षीय कामिनी की मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई पंकज अस्पताल में भर्ती है। परिजनों के अनुसार, रात में दोनों बच्चे चारपाई पर सो रहे थे। इसी दौरान जहरीला सांप चारपाई पर पहुंच गया और दोनों को डस लिया। बच्चों के चीखने और हालत बिगड़ने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। इसके बाद दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी की गई। गुरुवार सुबह अस्पताल ले जाते समय कामिनी की हालत गंभीर हो गई और रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। बच्ची की मौत से परिवार में मातम छा गया। वहीं पंकज को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव में भी शोक का माहौल है। परिजनों ने बताया कि घटना के बाद से परिवार सदमे में है।

त्योहारों पर रेलवे की सौगात, दिल्ली से पांच नई विशेष ट्रेनें

एजेंसी, नई दिल्ली नई दिल्ली त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दिल्ली से पंजाब, बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए पांच नई विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। इन ट्रेनों के संचालन से त्योहारों के दौरान घर जाने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे की ओर से विशेष ट्रेनों के माध्यम से अधिक यात्रियों को यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी की गई है। इन ट्रेनों से यात्रियों को नियमित ट्रेनों में सीटों की कमी के बीच अतिरिक्त विकल्प मिल सकेंगे और कंफर्म टिकट के साथ यात्रा करने का अवसर मिलेगा। दिल्ली से पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल जाने वाले यात्रियों को इन विशेष ट्रेनों का लाभ मिलेगा। त्योहारों के दौरान इन राज्यों की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। इसके साथ ही रेलवे ने पहले से संचालित नई दिल्ली-दानापुर विशेष ट्रेन की अवधि भी बढ़ाने का फैसला किया है। अब यह ट्रेन 21 नवंबर तक संचालित की जाएगी। रेलवे के इस निर्णय से त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने और आवागमन को सुगम बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

ग्रेटर नोएडा में हादसा, बंद केबिन में मिली चालक की लाश

एजेंसी, नई दिल्ली ग्रेटर नोएडा कासना कोतवाली क्षेत्र में एक कैंटर चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। चालक कैंटर के केबिन में सो रहा था। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मौत का कारण दम घुटना माना जा रहा है। मृतक की पहचान पवन शर्मा (37) निवासी ऐचोरा, थाना अनूपशहर, बुलंदशहर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पवन कैंटर लेकर कासना क्षेत्र में आया था। रात के समय उसने कैंटर को खड़ा किया और उसके केबिन में सो गया। पुलिस के मुताबिक, चालक ने कैंटर के शीशे और दरवाजे बंद कर रखे थे। सुबह काफी देर तक उसके बाहर नहीं आने पर आसपास मौजूद लोगों को शक हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और केबिन खोलकर चालक को बाहर निकाला। जांच के बाद उसे मृत पाया गया। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में बंद केबिन में सोने के कारण दम घुटने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। ग्रेटर नोएडा के कासना में कैंटर चालक की संदिग्ध मौत हो गई। बंद केबिन में सोने के दौरान दम घुटने की आशंका जताई गई। पुलिस जांच में जुटी है। कासना क्षेत्र में कैंटर चालक पवन शर्मा की मौत से हड़कंप मच गया। चालक बंद केबिन में सो रहा था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजकर जांच शुरू कर दी।

नया नोएडा बसाने को प्रशासन सक्रिय पांच लेखपाल और तीन तहसीलदार तैनात

एजेंसी, नई दिल्ली

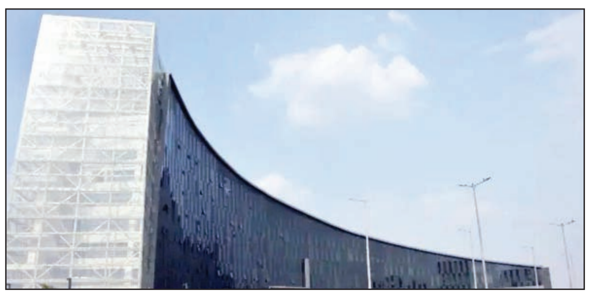

नोएडा दादरी-नोएडा-गाजियाबाद विशेष निवेश क्षेत्र के तहत विकसित होने वाले 'नया नोएडा' को आकार देने की प्रक्रिया तेज हो गई है। प्रस्तावित शहर में जमीन अधिग्रहण और विकास कार्यों को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए नोएडा प्राधिकरण की तर्ज पर कार्य सर्किल बनाए जाएंगे। पहले चरण में दो कार्य सर्किल स्थापित किए जाने की योजना है। इन्हीं के माध्यम से जमीन अधिग्रहण से लेकर विकास कार्यों की निगरानी और क्रियान्वयन किया जाएगा। नया नोएडा' करीब **209.11 वर्ग किलोमीटर** क्षेत्र में विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

इस क्षेत्र में शामिल गांवों की जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार, जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को गति देने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कर्मचारियों की तैनाती भी की गई है। अधिग्रहण से संबंधित काम के लिए पांच लेखपालों को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं किसानों से बातचीत, जमीन से जुड़े दस्तावेजों की जांच और फाइलिंग प्रक्रिया को पूरा कराने के लिए तीन तहसीलदार नियुक्त किए गए हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों की यह टीम संबंधित गांवों में जाकर जमीन से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य आवश्यक जानकारी जुटाएगी।

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत जिस गांव की जमीन का अधिग्रहण पहले पूरा होगा, वहां पहले सेक्टर का विकास शुरू करने की योजना है। यानी जिस क्षेत्र में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पहले पूरी होगी, उसी के आधार पर 'नया नोएडा' के शुरुआती सेक्टरों को विकसित किया जाएगा। इससे विकास कार्यों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। नया नोएडा' परियोजना के तहत औद्योगिक गतिविधियों के साथ आवासीय, व्यावसायिक और अन्य आवश्यक सुविधाओं को विकसित करने की योजना है। विशेष निवेश क्षेत्र के रूप में इसे विकसित करने का उद्देश्य क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना और रोजगार के नए अवसर पैदा करना है।

गाजियाबाद में एनएच-9 पर बसों की राह अलग, 870 कैमरों से निगरानी

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर माडल टाउन और सेक्टर-62 कट के आसपास बसों के कारण लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यात्रियों और वाहन चालकों को जाम से निजात दिलाने के उद्देश्य से यहां अस्थायी बस लेन तैयार की गई है। अब बसों को निर्धारित अलग लेन में चलाया जाएगा, जिससे मुख्य सड़क पर बसों के रुकने और खड़े होने की समस्या कम होने की उम्मीद है। एनएच-9 पर माडल टाउन और सेक्टर-62 कट के पास बड़ी संख्या में बसों के आने-जाने और यात्रियों को उतारने-चढ़ाने के लिए सड़क किनारे रुकने से अक्सर यातायात प्रभावित होता है।

बसों के रुकने के कारण पीछे से आने वाले वाहनों को रास्ता बदलना पड़ता है, जिससे सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है और जाम की स्थिति बनती है। यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए तैयार की गई अस्थायी बस लेन में बसों को निर्धारित स्थान से संचालित करने की व्यवस्था की गई है। इससे बसें मुख्य यातायात लेन में अनावश्यक रूप से नहीं रुकेंगी और दूसरे वाहनों के लिए सड़क पर आवागमन का स्थान बना रहेगा। नई व्यवस्था के तहत बस चालकों से निर्धारित लेन का इस्तेमाल करने की अपील की जाएगी। यातायात पुलिस की ओर से भी व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी, ताकि बसें मुख्य सड़क पर खड़ी होकर यातायात बाधित न करें। जरूरत के अनुसार यातायात कर्मियों की मदद से बसों की आवाजाही को नियंत्रित किया जाएगा। यातायात व्यवस्था की निगरानी के लिए शहर में लगे कैमरों का भी इस्तेमाल किया जाएगा। करीब 870 कैमरों की मदद से प्रमुख मार्गों और चौराहों पर यातायात की स्थिति पर नजर रखी जाएगी।

बसों से जाम रोकने को नई व्यवस्था

सरकार से टूटी आस तो ग्रामीणों ने उठाया फावड़ा, आगरा का गांव बना मिसाल

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा। सरकारी सफाई व्यवस्था से लंबे समय से निराश आगरा के फतेहाबाद क्षेत्र स्थित बुढ़ाना गांव के युवाओं ने अब बदलाव की जिम्मेदारी खुद उठाने का फैसला किया है। गांव में नालियों में जमा सिल्ट, रास्तों पर पसरी गंदगी और सफाई व्यवस्था की कमी से परेशान युवाओं ने सरकारी इंतजार छोड़कर स्वयं सफाई अभियान शुरू कर दिया। ग्रामीणों की इस पहल ने गांव में स्वच्छता की नई मिसाल पेश की है। करीब दो दशक पहले गठित बुढ़ाना विकास समिति के सदस्यों ने गांव की सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए पहली बार व्यापक अभियान चलाया।

समिति से जुड़े युवाओं और ग्रामीणों ने खुद फावड़ा उठाकर नालियों में जमा सिल्ट को बाहर निकाला और रास्तों की सफाई की। इस दौरान बड़ी मात्रा में गंदगी और सिल्ट हटाई गई, जिससे गांव की नालियों की सफाई के साथ रास्तों की स्थिति में भी सुधार हुआ। समिति के सदस्यों का कहना है कि गांव की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत से अनुरोध किया गया था।

समिति के सदस्य ओमेंद्र यादव और रामशंकर यादव ने संयुक्त रूप से बताया कि उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव प्रियंका और प्रधान बीना देवी से गांव में नियमित सफाई कराने की मांग की थी। ग्राम पंचायत में सफाई कर्मचारी सुनीता की तैनाती भी है, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीणों को अपेक्षित सफाई व्यवस्था नहीं मिल सकी। बार-बार शिकायत और अनुरोध के बाद भी जब समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो युवाओं ने स्वयं आगे आने का निर्णय लिया। समिति के सदस्यों ने कहा कि गांव को साफ रखने की जिम्मेदारी केवल सरकारी विभागों की नहीं, बल्कि ग्रामीणों की भी है। इसी सोच के साथ युवाओं ने सफाई अभियान की शुरुआत की। सफाई अभियान के बाद समिति ने अब गांव के विकास से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी काम करने की योजना बनाई है।

रेवाड़ी में गोतस्करों ने पुलिस पर की फायरिंग,तीन गोवंशियों को छोड़कर फरार

एजेंसी, नई दिल्ली

रेवाड़ी जिले के गढ़ी बोलनी रोड पर बुधवार रात गोतस्करों द्वारा पुलिस और गोरक्षक दल की टीम पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गोतस्कर पंचर हुई गाड़ी से ही भागने का प्रयास करते रहे। इस दौरान उन्होंने तीन गोवंशियों को गांव पदैयावास के पास छोड़ दिया और फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, गोतस्कर गांव कोनसीवास से पदैयावास की ओर पंचर गाड़ी को चलाते हुए ले जा रहे थे। पुलिस और गोरक्षक दल की टीम ने उनका पीछा किया। इसी दौरान आरोपितों ने टीम पर दो बार फायरिंग की। इसके बाद तस्कर सुबह करीब तीन बजे गांव पदैयावास के निकट तीन गोवंशियों को छोड़कर मौके से भाग निकले। घटना की सूचना मिलने के बाद कसौला थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गाड़ी को जब्त कर लिया। पुलिस ने गोवंशियों को सुरक्षित छुड़ा लिया है।

एआई-171 जांच पर एफएएस का सवाल तकनीकी दस्तावेजों को लेकर उठी चिंता

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 हादसे की जांच को लेकर अमेरिका स्थित विमानन सुरक्षा संगठन फाउंडेशन फॉर एविएशन सेफ्टी (एफएएस) ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। एफएएस के कार्यकारी निदेशक एड पियर्सन ने एएआईबी के महानिदेशक जीवीजी युगंधर को पत्र भेजकर जांच से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों और तकनीकी जानकारियों को सार्वजनिक रूप से सामने नहीं लाए जाने पर चिंता जताई है।

एफएएस के अनुसार, पिछले एक साल में उसे एआई-171 में दुर्घटनाग्रस्त विमान बोइंग 787-8, पंजीकरण संख्या वीटी-एएनबी, से संबंधित 100 से अधिक गैर-सार्वजनिक दस्तावेज मिले थे। संगठन का दावा है कि ये दस्तावेज विमान के संचालन इतिहास और कथित तौर पर बिजली, इलेक्ट्रॉनिक तथा उड़ान कंप्यूटर प्रणालियों से जुड़ी समस्याओं की जानकारी देते हैं। एफएएस ने कहा है कि इन दस्तावेजों को एएआईबी तक एक ब्रिटिश जांच विशेषज्ञ के माध्यम से पहुंचाया गया था। एफएएस ने यह भी सवाल उठाया है कि यदि जांच के दौरान विमान की प्रणालियों से संबंधित सुरक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध है, तो बोइंग 787 विमानों के लिए अब तक कोई अंतरिम सुरक्षा सिफारिश क्यों जारी नहीं की गई।

ग्रेटर नोएडा में सजेगा स्वाद का महाकुंभ, 75 जिलों के व्यंजनों से महकेगा व्यापार मेला

आगरा का पेठा, मथुरा का पेड़ा और बनारस का पान, व्यापार मेले में दिखेगा यूपी का स्वाद

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले 'उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो' का चौथा संस्करण इस बार न केवल व्यापार और तकनीकी नवाचारों का केंद्र बनेगा, बल्कि आगंतुकों के लिए एक अनोखा स्वादिष्ट अनुभव भी प्रस्तुत करेगा। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'एक जनपद-एक व्यंजन' की शुरुआत करते हुए ट्रेड शो के परिसर में विशेष रूप से तैयार किए गए हॉल नंबर 16 को राज्य के सभी 75 जिलों के पारंपरिक स्वादों और प्रसिद्ध खानपान उत्पादों के प्रदर्शन के लिए समर्पित किया गया है।

यह पहली बार है जब यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में हस्तशिल्प, एमएसएमई और औद्योगिक उत्पादों के साथ-साथ राज्य की विविध खानपान परंपरा को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेश करने की योजना बनाई गई है। हॉल नंबर 16 को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है कि वहां आने वाले देश-विदेश के व्यापारी और आम

एक छत के नीचे दिखेगा यूपी का स्वाद

नागरिक एक ही छत के नीचे संपूर्ण उत्तर प्रदेश की रसोई और स्वाद की यात्रा कर सकेंगे। आगरा का प्रसिद्ध पेठा, मथुरा का पेड़ा, बनारस का प्रसिद्ध पान व लस्सी, अवध का कबाब और बिरयानी, मेरठ की रेवड़ी-गज़क से लेकर पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग कोनों के पारंपरिक पकवानों के स्टॉल इस हॉल की शोभा बढ़ाएंगे। इसके साथ ही, स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और बेकरी उत्पाद भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

राज्य सरकार ने 'एक जनपद-एक उत्पाद' की विशाल सफलता के बाद अब 'एक जनपद-एक व्यंजन' पहल के माध्यम से राज्य के खानपान उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाने का संकल्प लिया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के पारंपरिक और क्षेत्रीय व्यंजनों को बढ़ावा देना, स्थानीय खाद्य उत्पादकों, रसोइयों, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा एमएसएमई खाद्य इकाइयों को व्यावसायिक मंच प्रदान करना है।

25 से 29 सितंबर तक चलने वाले इस 5-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आयोजन में इस बार रूस, ऑस्ट्रिया, जापान, सिंगापुर और वियतनाम जैसे देश पार्टनर कंट्री के रूप में भाग ले रहे हैं। एक्सपो मार्ट में सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक केवल 'बिजनेस-टू-बिजनेस' व्यावसायिक गतिविधियों के लिए समय आरक्षित रहेगा, जबकि दोपहर 3:00 बजे से रात 8:00 बजे तक आम जनता के लिए प्रवेश पूरी तरह निशुल्क रहेगा।

सत्य निकेतन हादसा: किरण बेदी पहुंचीं दिल्ली हाई कोर्ट, केंद्र सरकार ने अर्जी का किया विरोध

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक बहुमंजिला इमारत गिरने की दुखद घटना के बाद प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई तेज हो गई है। इस हादसे को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में जनहित याचिका पर सुनवाई चल रही है। इसी कड़ी में देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की पूर्व उप-राज्यपाल किरण बेदी ने इस मामले में खुद को एक पक्षकार बनाने की मांग को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। किरण बेदी ने अपनी अर्जी के माध्यम से अदालत से अपील की है कि उन्हें इस जनहित याचिका में हस्तक्षेप करने और अपना पक्ष रखने की अनुमति दी जाए।

उनका मानना है कि दिल्ली में अवैध निर्माण, सार्वजनिक सुरक्षा में चूक और पीजी आवासों के अनियंत्रित संचालन जैसे गंभीर मुद्दों पर जवाबदेही तय होना बेहद जरूरी है। उन्होंने जनसुरक्षा के प्रति जवाबदेही तय करने और ठोस नीतियां बनाने पर जोर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार ने किरण बेदी की इस अर्जी का कड़ा विरोध किया है। अदालत में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों और सरकारी वकीलों ने बेदी के पक्षकार बनने की मांग का विरोध करते हुए दलील दी कि इस मामले में जनहित याचिका के तहत आवश्यक पक्षों और संबंधित नागरिक निकायों (जैसे एमसीडी और दिल्ली सरकार) द्वारा पहले से ही सुनवाई की जा रही है।

सरकार की ओर से यह रुख अपनाया गया कि इस चरण में नए व्यक्तिगत पक्षों को शामिल करने की आवश्यकता नहीं है। सत्य निकेतन में हुए इस दर्दनाक हादसे में इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढहने से कई लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। इस घटना के बाद राजधानी में चल रहे अवैध पीजी, छात्रावासों और बिना अनुमति व्यावसायिक गतिविधियों पर सवाल खड़े हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट दोनों ही इस मामले पर कड़ा संज्ञान ले चुके हैं।

शीर्ष अदालत ने इमारतों के सुरक्षा ऑडिट, अवैध निर्माणों पर कार्रवाई और आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के दुरुपयोग को रोकने के सख्त निर्देश दिए हैं। अब उच्च न्यायालय किरण बेदी की इस अर्जी और केंद्र सरकार के विरोध के आधार पर आगे का निर्णय लेगा। सत्य निकेतन इमारत हादसे से जुड़ी जनहित याचिका में पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने जनसुरक्षा और जवाबदेही तय करने हेतु खुद को पक्षकार बनाने की मांग की है।

न्यूज ब्रीफ

लैब टेक्नीशियन भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने स्वास्थ्य विभाग में सीनियर लैब टेक्नीशियन के 25 पदों को पोस्ट कोड-26012 के अंतर्गत ट्रेनी आधार पर भरने के लिए आयोजित कंप्यूटर बेस्ड स्क्रीनिंग टेस्ट (सीबीटी) का परिणाम घोषित कर दिया है। यह परीक्षा परिणाम आयोग की वेबसाइट एचपीआरसीए.एचपी.जीओवी.इन पर उपलब्ध करवा दिया गया है। आयोग के सचिव राम प्रसाद ने बताया कि इन पदों के लिए 477 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 418 उम्मीदवारों ने सीबीटी परीक्षा दी थी। इस परीक्षा में उत्तीर्ण 66 उम्मीदवारों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया जा रहा है, जिसका शेड्यूल अलग से तय किया जाएगा। इसकी सूचना उम्मीदवारों को उनकी ईमेल आईडी पर दी जाएगी। उन्हें अलग से बुलावा पत्र नहीं भेजे जाएंगे। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय इन उम्मीदवारों को अपने साथ सभी आवश्यक दस्तावेजों की मूल प्रतियां, इनकी सेल्फ अटेस्टड फोटो प्रतियों के दो-दो सैट, आवेदन पत्र की डाउनलोडड कॉपी और आईडी प्रूफ इत्यादि साथ लाने होंगे। सचिव ने बताया कि अगर कोई उम्मीदवार निर्धारित तिथि को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए उपस्थित नहीं होता है तो उसे कोई और अवसर नहीं दिया जाएगा।

सर्पदंश के हर मामले की तत्काल रिपोर्टिंग जरूरी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिलासपुर डॉ. शशि दत्त शर्मा ने सर्पदंश को गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बताते हुए जिले के सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों तथा निजी चिकित्सकों से सर्पदंश के संदिग्ध और संभावित मामलों की तत्काल रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि सर्पदंश से होने वाली प्रत्येक मृत्यु की भी समयबद्ध सूचना देना जरूरी है। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने सर्पदंश को अधिसूचित रोग घोषित किया है। इसके तहत सभी स्वास्थ्य संस्थानों और संबंधित सेवा प्रदाताओं को सर्पदंश के मामलों तथा मौतों की जानकारी स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकरण को देने के साथ आईएचआईपी-आईडीएसपी पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य है। सीएमओ ने कहा कि समय पर रिपोर्टिंग से प्रभावित क्षेत्रों और संभावित हॉटस्पॉट की पहचान करने तथा एंटी-स्नेक वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने लोगों से सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या घरेलू उपचार के बजाय मरीज को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार से गंभीर जटिलताओं और मृत्यु का खतरा कम किया जा सकता है।

प्रश्नोत्तरी में सेजल और आहना रहीं प्रथम

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल हीरा नगर में ओजोन डे मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय में नवमी व दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सेजल व अहाना ने प्रथम स्थान ,कृतज्ञ व स्नीति ने द्वितीय स्थान, तथा लहर व अलीशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रक्षेपक यन्त्र माध्यम से विद्यार्थियों को ओजोन के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के समन्वय अध्यापकों माया शर्मा, पंकज शर्मा व इवैंट मैनेजर चन्द्र किरण को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रधानाचार्या शशि बाल ने बधाई दी।

हेरोइन तस्करी में दो दोषियों को दो-दो साल कैद

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अदालत ने 42.69 ग्राम हेरोइन बरामदगी के मामले में दो आरोपियों कुलदीप कुमार और करम चंद को दोषी करार देते हुए दो-दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सचिन रघु की अदालत ने दोनों पर कुल 30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। मामला 24 जनवरी 2022 की रात का है। पुलिस ने करीब 12:10 बजे झिरालड़ी में शुक्कर खड्ड पुल के पास कार संख्या एचपी-28-8059 को जांच के लिए रोका था। तलाशी के दौरान कार से 42.69 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद सदर थाना हमीरपुर में धारा 21 और 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। सरकार की ओर से लोक अभियोजक अजय ठाकुर ने मामले की पैरवी की। अभियोजन पक्ष ने 18 गवाहों के बयान अदालत में प्रस्तुत किए, जिनके आधार पर आरोप साबित हुए। अदालत ने धारा 21 के तहत दो वर्ष कठोर कारावास और 20 हजार रुपए तथा धारा 29 के तहत दो वर्ष कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माना लगाया। जुर्माना न देने पर अतिरिक्त कैद होगी। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

भाजयुमो कांगड़ा ने लगाया रक्तदान शिविर

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) जिला कांगड़ा द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत वीरवार को दाड़ी स्थित भाजपा कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के युवाओं, कार्यकर्ताओं और आम जनमानस ने भाग लिया और मानवता की भलाई के लिए स्वेच्छा से अपना रक्तदान किया। इस रक्तदान का आयोजन भाजयुमो के जिला अध्यक्ष तपन मन्हास के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने में जिला अध्यक्ष सचिन शर्मा, चंद्रभूषण नाग, राकेश शर्मा, विश्व चक्षु, रवि दत्त शर्मा, रंजू रुस्तगी, मोनी धीमान, शाश्वत कपूर, संदीप शर्मा, सुशील कपूर जैसे वरिष्ठ नेताओं, जिला पदाधिकारियों और सभी मंडलों के कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम के समापन पर भाजपा एवं भाजयुमो जिला कांगड़ा की ओर से उत्कृष्ट कार्य करने वाली मेडिकल टीम में शामिल डॉ नंदिता कटोच (सीनियर रेसिडेंट), रगू राम, राजीव समकरिया शैलजा, मधु, आशीष, प्रदीप, जॉनी धीमान और रक्त देने वाले सभी रक्तदाताओं तथा इस आयोजन को सफल बनाने वाले सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

अंडर-14 शतरंज प्रतियोगिता में हर्षित बंसल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं, ऋत्विक कौशल ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान हासिल किया।

बिलासपुर में आज पेंशनर्स कोर समिति की अहम बैठक

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति ने लंबित मांगों को लेकर प्रदेश सरकार के खिलाफ आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश ठाकुर ने बताया कि 18 संगठनों के पदाधिकारियों की प्रदेश कोर समिति की बैठक शुक्रवार को बिलासपुर में होगी। इसमें 12 जिलों के अध्यक्ष एवं महासचिव तथा 18 संगठनों के प्रदेश अध्यक्ष और महासचिव शामिल होंगे। बैठक में आगामी आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। सुरेश ठाकुर ने कहा कि सरकार ने लंबित मांगों पर चर्चा के लिए संघर्ष समिति को बातचीत के लिए नहीं बुलाया है। उन्होंने 2016 से 2022 के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों के संशोधित वेतनमान और पेंशन के बकाया भुगतान, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण तथा पेंशन संबंधी राशि जारी करने की मांग उठाई। इसके अलावा 15 प्रतिशत महंगाई राहत और लंबित चिकित्सा बिलों का भुगतान भी प्रमुख मांगों में शामिल है। उन्होंने कहा कि एचआरटीसी पेंशनरों को समय पर पेंशन, तीन प्रतिशत महंगाई राहत और 50 हजार रुपए बकाया की पहली किस्त नहीं मिली है। शहरी निकायों के पूर्व कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान के आधार पर पेंशन, बिजली बोर्ड कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था तथा 2004 के बाद सेवानिवृत्त निगम कर्मचारियों को पेंशन देने की मांग भी लंबित है। उन्होंने चेतावनी दी कि 15 दिन में वार्ता नहीं हुई तो धरना-प्रदर्शन और सचिवालय घेराव सहित प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

हिमाचल में बनेगा उत्तर भारत का पहला पैरामेडिकल कॉलेज : सुक्खू

सीएम ने कहा- हेल्थ सेक्टर प्रदेश सरकार की पहली प्राथमिकता, अब हिमाचल में ही 1000 करोड़ रुपए का इलाज

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि हेल्थ सेक्टर प्रदेश सरकार की पहली प्राथमिकता है। हिमाचल में स्वास्थ्य सेवाओं को एआईआईएमएस स्तर का बनाया जा रहा है, ताकि लोगों को इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े।

कंदरौला में स्वास्थ्य शिविर के शुभारंभ और आईटीआई भवन के शिलान्यास के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए सीएम ने कहा कि कंदरौला में उत्तर भारत का पहला पैरामेडिकल कॉलेज स्थापित किया जा रहा है। 20 तारीख को अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी इसका टेस्ट लेने जा रही है। शुरूआत में डायलिसिस टेक्नीशियन, रेडियोग्राफर, ओडीए सहित 4 कोर्स शुरू होंगे, कुल 10 कोर्स चलाए जाएंगे। आईजीएमसी शिमला और टांडा में भी पैरामेडिकल कॉलेज शुरू हो चुके हैं। टांडा में जीएनएम बंद कर बीएससी नर्सिंग शुरू की जा रही है। सीएम ने कहा कि जब उन्होंने सत्ता संभाली थी तब आईजीएमसी, टांडा, हमीरपुर, चंबा, नाहन मेडिकल कॉलेजों में सिर्फ 35 फ़ीसदी स्टाफ था। आज स्टाफ नर्स और पैरामेडिकल के इंटरव्यू के बाद यह 60 प्रतिशत हो गया है। सीएचसी, सीएचसी और सिविल अस्पतालों में भी 30 फ़ीसदी स्टाफ बढ़ा है। एनएचएम कर्मियों के वेतन में भी इजाफा किया गया है। 250 डॉक्टरों की भर्ती के लिए आज ही पीएससी को फाइल भेजी है, इससे पहले 262 और 250 डॉक्टर लग चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल के लोग हर साल 1000 करोड़ रुपए इलाज के लिए बाहर खर्च करते हैं। आने वाले 5 साल में लोग इलाज के लिए हिमाचल आएंगे। इसके लिए रोबोटिक सर्जरी जैसी हाई-एंड तकनीक दी गई है जो पंजाब-हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में भी नहीं है। सभी मेडिकल कॉलेजों में एम्स दिल्ली जैसी सुविधा वाली मशीनों के ऑर्डर दे दिए गए हैं। एक ही ऑटोमेशन लैब में एक बार खून लेकर 1200 टेस्ट की सुविधा भी जल्द शुरू होगी।

मुख्यमंत्री ने 11.53 करोड़ रुपए के किए शिलान्यास

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हमीरपुर जिले में एम्स स्तर का आयुर्वेदिक संस्थान स्थापित करने के प्रयास जारी हैं। इसके लिए हिमाचल प्रदेश ने बोली लगाई है और उम्मीद है कि यह संस्थान प्रदेश को मिलेगा। उन्होंने देश का पहला अलाइड हेल्थ केयर कॉलेज इसी वर्ष नादौन के कंडरोला में शुरू करने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पॉलिटेक्निक कॉलेज और आईटीआई में न्यू एज कोर्स शुरू किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने नादौन विधानसभा क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें यहां किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। नादौन के लोगों ने उन्हें हमेशा भरपूर स्नेह और समर्थन दिया है और इसकी बदौलत वह मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला चुनाव प्रदेश के अधिकारों और हितों का चुनाव होगा तथा जनता का सहयोग कांग्रेस सरकार को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने नादौन स्थित रैल में दो करोड़ रुपये की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने 2.10 करोड़ रुपए से निर्मित किए जाने वाले राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रैल के भवन तथा 9.43 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नादौन के अतिरिक्त भवन खंड का शिलान्यास भी किया।

जब तक मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हूं जनता की लड़ाई लड़ता रहूंगा

भाजपा पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश की संपदा को नुकसान पहुंचाया गया, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि वाइल्ड फ्लावर हॉल का मामला, जो पिछले 23 वर्षों से अदालत में चल रहा था, राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जीता है। उन्होंने कहा कि इससे हिमाचल प्रदेश के खजाने में 401 करोड़ रुपए आए हैं और लगभग दो करोड़ रुपए प्रतिमाह की अतिरिक्त आय हो रही है। उन्होंने कहा, ''जब तक मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हूं, जनता की लड़ाई लड़ता रहूंगा। हम किसी प्रलोभन के आगे नहीं झुकेंगे। सुक्खू ने कहा कि स्वास्थ्य के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में सुधार राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में भाजपा सरकार के समय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में हिमाचल प्रदेश 21वें स्थान पर था, जबकि कांग्रेस सरकार के साढ़े तीन वर्ष के कार्यकाल के बाद प्रदेश पांचवें स्थान पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने पूर्ण साक्षर राज्य का दर्जा भी हासिल किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सीबीएसई स्कूल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में मील पत्थर साबित होंगे। इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्तियां मेरिट के आधार पर की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा सांसदों और विधायकों पर प्रदेश के हितों के लिए केंद्र सरकार के समक्ष प्रभावी पैरवी नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान भाजपा का कोई सांसद या विधायक हिमाचल के अधिकारों की मांग लेकर केंद्र सरकार के पास नहीं गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश के लिए 1,500 करोड़ रुपए की सहायता की घोषणा की थी, लेकिन अभी तक प्रदेश को एक भी पैसा प्राप्त नहीं हुआ है।

किशाऊ पर भाजपा के दावों का मंत्रियों ने किया खंडन, कहा-

वित्तीय बोझ से हिमाचल को बचाया

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना को लेकर भाजपा नेताओं के दावों का खंडन करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने हिमाचल के वित्तीय हितों की रक्षा के लिए लगातार प्रयास किए।

उन्होंने कहा कि छह राज्यों के बीच हुए समझौते में केंद्र की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, लेकिन हिमाचल सरकार ने पहले से तय वित्तीय व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया और बातचीत के जरिए राज्य पर पड़ने वाले बोझ को हटाने का प्रयास किया। छह राज्यों ने 422 मेगावाट की परियोजना के लिए 15 सितंबर को समझौता किया है। मंत्रियों ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने हिमाचल की ओर से करीब 800 करोड़ रुपए के योगदान की व्यवस्था स्वीकार की थी। वर्तमान सरकार ने सीमित वित्तीय संसाधनों और परियोजना के सामाजिक-पर्यावरणीय प्रभावों को देखते हुए इस व्यवस्था पर आपत्ति जताई। उनके अनुसार नई व्यवस्था में हिमाचल की अनुमानित करीब 2,000 करोड़ रुपए की बिजली घटक देनदारी दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा वहन करेंगे।

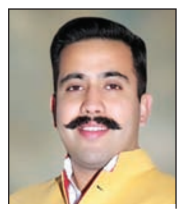

उन्होंने कहा कि परियोजना से हिमाचल को प्रतिवर्ष करीब 1,000 मिलियन यूनिट बिजली मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के अनुसार इससे राज्य को सालाना 1,200 से 1,500 करोड़ रुपए तक का लाभ हो सकता है। परियोजना टोंस नदी पर हिमाचल-उत्तराखंड सीमा के पास प्रस्तावित है और इससे सिंचाई, पेयजल तथा बिजली उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। मंत्रियों ने भाजपा नेताओं से कहा कि वे परियोजना से संबंधित पुराने और नए वित्तीय प्रावधानों का पूरा दस्तावेजी रिकॉर्ड जनता के सामने रखें। उन्होंने कहा कि छह राज्यों के इस अंतरराज्यीय समझौते को किसी एक सरकार या राजनीतिक दल की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय पूरे घटनाक्रम और सभी पक्षों की भूमिका को सामने रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड और शानन परियोजना सहित जल एवं विद्युत संसाधनों से जुड़े मामलों में हिमाचल के हितों की पैरवी जारी रखेगी। राज्य के वित्तीय और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े विषयों पर सरकार बातचीत और आवश्यक स्तर पर प्रयास जारी रखेगी।

मामून में गाड़ी से 12.92 ग्राम हेरोइन बरामद, दो गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मामून थाना पुलिस ने गश्त के दौरान सड़क किनारे खड़ी संदिग्ध गाड़ी से दो युवकों को 12 ग्राम 92 मिलीग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। एएसआई तरसेम कुमार ने बताया कि पुलिस टीम करेली से मामून की ओर गश्त कर रही थी। मामून ठेके के पास मुख्य मार्ग से सटी कच्ची जगह पर एक संदिग्ध गाड़ी खड़ी दिखाई दी। जांच के दौरान गाड़ी में दो युवक बैठे मिले, जो पुलिस को देखकर घबरा गए। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों की पहचान दयापाल सिंह उर्फ विशाल जट्ट निवासी आधुनिक विहार कॉलोनी, मामून कैंट और रवी कुमार निवासी हमीरपुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने नशीला पदार्थ और गाड़ी कब्जे में लेकर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। उनसे पूछताछ जारी है।

जीवन ज्योति बीमा योजना ने दिया परिवार को आर्थिक सहारा

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। ग्राम पंचायत पधर के गांव पधर निवासी करनैल सिंह पुत्र निक्का राम के निधन के बाद उनकी पत्नी कमलेश कुमारी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख रुपये की बीमा राशि प्रदान की गई। यह राशि हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक की हरचकियां शाखा के माध्यम से दी गई।

करनैल सिंह ने हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक मढ़ी में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मात्र 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम जमा कर अपना बीमा करवाया था। उनका निधन 29 जून 2026 को हुआ था। निधन के बाद बीमा योजना के तहत आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई, जिसके पश्चात उनकी पत्नी कमलेश कुमारी को दो लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर बैंक प्रबंधक रूपेंद्र सिंह, सहायक प्रबंधक रमनदीप, बैंक के अन्य कर्मचारी और मृतक के रिश्तेदार मौजूद रहे। बैंक प्रबंधन ने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना कम प्रीमियम में परिवार को आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध करवाने का माध्यम है। बैंक अधिकारियों ने खाताधारकों से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि जीवन ज्योति बीमा योजना का वार्षिक प्रीमियम 436 रुपये, जबकि सुरक्षा बीमा योजना का वार्षिक प्रीमियम मात्र 20 रुपए है। किसी अनहोनी की स्थिति में ये योजनाएं परिवार के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान कर सकती हैं।

धर्मशाला की डल झील में पहली बार होगी महाआरती, शनिवार को होगा शाही स्नान

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। धर्मशाला के पर्यटन स्थल नड्डी की ऐतिहासिक डल झील में शुक्रवार शाम पहली बार महाआरती का आयोजन किया जाएगा।

इसके अगले दिन शनिवार को राधाष्टमी मेले के दौरान झील में शाही स्नान होगा। आयोजन को लेकर प्रशासन और मंदिर समिति ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए झील में गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीमों की तैनाती रहेगी। युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार सुबह 11 बजे टंगेल मोड़ से डल झील तक एंटी-चिट्टा रैली निकाली जाएगी। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे दुर्वेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना होगी। दोपहर तीन बजे बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शाम छह बजे मंदिर परिसर में महाआरती होगी। इसके बाद स्टार नाइट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आयुष, युवा सेवाएं एवं खेल तथा विधि मंत्री यादविंद्र गोमा मुख्य अतिथि होंगे। मान्यता के अनुसार डल झील में स्नान करने से चंबा की मणिमहेश यात्रा के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। दुर्वेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी सुभाष शर्मा ने बताया कि 19 सितंबर को सुबह चार बजे कलश पूजन और शंखध्वनि के साथ झील व जल का शुद्धिकरण किया जाएगा। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए शाही स्नान शुरू होगा। स्नान के उपरांत श्रद्धालु झील किनारे स्थित दुर्वेश्वर महादेव मंदिर में माथा टेककर आशीर्वाद लेंगे। राधाष्टमी मेले में उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया भी मौजूद रहेंगे।

दिसंबर तक तैयार होगा पंजावर हिमकोफेड केंद्र

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (हिमकोफेड) के चेयरमैन विक्रम शर्मा डिक्की ने वीरवार को हरोली के पंजावर में निर्माणाधीन हिमकोफेड कार्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और निर्माण एजेंसी से कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा शेष कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। करीब 9 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे कार्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र को दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। विक्रम शर्मा ने अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा करने और अनावश्यक देरी से बचने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लेते हुए तकनीकी मानकों और गुणवत्ता मापदंडों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही कार्य की नियमित निगरानी और शेष निर्माण को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

स्कूल शिक्षा बोर्ड का बड़ा एक्शन, पीसीपी कक्षाएं न लगाने वाले 129 एसओएस केंद्रों का रुक सकता है रिजल्ट

◆ गलत प्रश्नपत्र बांटा तो केंद्र अधीक्षक पर होगी कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) के सितंबर-2026 सत्र में भारी लापरवाही बरतने वाले प्रदेश के 129 अध्ययन केंद्रों पर कड़ा संज्ञान लिया है।

अनिवार्य होने के बावजूद इन केंद्रों द्वारा 'पर्सनल कॉन्टैक्ट प्रोग्राम' (पीसीपी) कक्षाएं आयोजित नहीं की गई हैं। शिक्षा बोर्ड ने अब इन संस्थानों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि तुरंत कक्षाएं लगाकर रिपोर्ट नहीं सौंपी गई, तो संबंधित अध्ययन केंद्रों का परीक्षा परिणाम रोक दिया जाएगा। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि पूर्व में ही सभी अध्ययन केंद्रों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि एसओएस के तहत नव-प्रवेशित और अतिरिक्त विषय लेने वाले छात्रों के लिए पीसीपी कक्षाएं लगाना अनिवार्य है। इसके बावजूद 129 केंद्रों ने न तो निर्देशों का पालन किया और न ही बोर्ड मुख्यालय को कोई रिपोर्ट भेजी। अब बोर्ड ने सख्त रुख अपनाते हुए आदेश दिया है कि सभी केंद्र तत्काल प्रभाव से पात्र परीक्षार्थियों के लिए कक्षाएं आयोजित करें और बिना किसी देरी के इसकी रिपोर्ट कार्यालय को भेजें। बोर्ड ने दो टूक शब्दों में कहा है कि यदि इस लापरवाही के कारण किसी भी छात्र का परिणाम रुकता है, तो इसकी शत-प्रतिशत जिम्मेदारी संबंधित अध्ययन केंद्र की ही होगी। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि एसओएस जमा दो कक्षा के डायरेक्ट साइंस स्ट्रीम के परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र आबंटित करते समय परीक्षा केंद्र विशेष सावधानी बरतें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे परीक्षार्थियों को उनके पंजीकृत विषयों के अनुरूप केवल एसओएस डायरेक्ट के निर्धारित फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी एवं मैथेमैटिक्स विषयों के प्रश्नपत्र ही आबंटित किए जाएं। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि प्रश्नपत्रों के वितरण में किसी भी प्रकार की त्रुटि, लापरवाही अथवा परीक्षार्थी को गलत प्रश्नपत्र आबंटित किया जाना गंभीर मामला माना जाएगा। ऐसी स्थिति में संबंधित परीक्षा केंद्र के केंद्र अधीक्षक एवं प्रभारी की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी तथा उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रभावित रेल रोको आंदोलन से वंदे भारत समेत कई ट्रेनें प्रभावित

किसानों ने रेलवे ट्रैक पर लगाया धरना

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट में किसानों ने वीरवार को रेल रोको आंदोलन शुरू कर दिया। किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के बैनर तले किसानों ने पठानकोट-अमृतसर रेलवे ट्रैक पर झाखोलाड़ी रेलवे स्टेशन के पास पटरियों पर बैठकर रेल यातायात ठप कर दिया। आंदोलन के कारण वंदे भारत एक्सप्रेस समेत अप और डाउन रूट की करीब 10 ट्रेनें प्रभावित हुईं।

किसान मजदूर संघर्ष कमेटी गुरदासपुर के जिला प्रधान हरभजन सिंह और सूबा नेता सविंदर सिंह चताला ने बताया कि पंजाब सरकार के आठ मंत्रियों के आवास के बाहर तीन दिन तक चले पक्के मोर्चे के बाद रेलवे ट्रैक जाम करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार किसानों की मांगों पर ठोस फैसला नहीं लेती, तब तक ट्रैक से ट्रेनों का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। किसानों की प्रमुख मांगों में पांच फसलों मक्का, मूंग, बासमती, सरसों और आलू पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी तथा सरकारी खरीद सुनिश्चित करना शामिल है।

इसके अलावा मनरेगा की पुरानी व्यवस्था बहाल करने, किसानों और खेत मजदूरों का कर्ज माफ करने, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में पंजाब का हिस्सा बहाल करने तथा बिजली संशोधन विधेयक का विरोध करने की मांग की गई है। किसान नेताओं ने बताया कि अमृतसर के देवीदासपुरा में भी दिल्ली-अमृतसर मुख्य रेलवे ट्रैक पर किसानों का धरना जारी है। वहां किसान नेताओं और अधिकारियों के बीच वार्ता चल रही है।

उन्होंने कहा कि यदि वार्ता से कोई ठोस समाधान नहीं निकलता है तो 18 सितंबर को किसान मजदूर मोर्चा की उच्चस्तरीय बैठक होगी। बैठक में लिए गए निर्णय के आधार पर आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा।

पारंपरिक कारीगरों के उत्पादों को गगल एयरपोर्ट पर मिला नया बाजार

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पारंपरिक कारीगरों को बेहतर बाजार उपलब्ध करवाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए उद्योग निदेशालय, हिमाचल प्रदेश सरकार ने कांगड़ा स्थित गगल हवाई अड्डे पर पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पंजीकृत कारीगरों द्वारा तैयार उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री की व्यवस्था की है। उद्योग निदेशालय हिमाचल प्रदेश, भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) की पीएम विश्वकर्मा योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य नोडल एजेंसी है। इस पहल को नाबार्ड द्वारा प्रोत्साहित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सहयोग से अवसर (अवसर) पहल के तहत आगे बढ़ाया गया है। इसका उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक कारीगरों की कला एवं उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध करवाना है। गगल हवाई अड्डे पर स्थापित प्रदर्शन-सह-बिक्री काउंटर पर पीएम विश्वकर्मा कारीगरों द्वारा तैयार 25 से अधिक प्रकार के विशिष्ट उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं।

जीतराम कटवाल की अगुवाई में जले 400 आशीर्वाद के दीप

भारतेन्दु संवाददाता, झंडूता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में झंडूता विधानसभा क्षेत्र में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विधायक जीतराम कटवाल की अगुवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कोटधार क्षेत्र में केंद्र सरकार के सहयोग से निर्मित कुटबांगड़ उठाऊ पेयजल योजना और हिमाचल प्रदेश के बड़े स्टील सस्पेंशन ब्रिज 'नंद नगरांव' पर करीब 400 दीपक जलाए। दीपों की रोशनी से दोनों परियोजनाएं जगमगा उठीं। कार्यक्रम से पहले विधायक जीतराम कटवाल और भाजपा कार्यकर्ताओं ने खरोटा स्थित दुर्गा माता मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इसके बाद बलोह में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान औषधीय एवं सांस्कृतिक महत्व वाले पौधे रोपे गए। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री का जन्मदिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा के संकल्प को नमन करने का दिन है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री पद से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक की उनकी यात्रा जनभागीदारी और विकास के संकल्प को दर्शाती है। कटवाल ने कहा कि झंडूता क्षेत्र में केंद्र के सहयोग से बन रहे पुल, सड़क और पेयजल परियोजनाएं ग्रामीणों के जीवन को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' का संकल्प देश के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए जनभागीदारी जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

मोदी के जन्मदिन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चमाकड़ीपुल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम आयोजित कर फल और मिठाई बांटी। कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, उज्ज्वल और दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के विकास और जनकल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र हांडा दाड़लाघाट, मंडल महामंत्री भीम शर्मा, अनुसूचित जाति मोर्चा उपाध्यक्ष कमल कुमार और महामंत्री देवेंद्र रघुवंशी मौजूद रहे। इसके अलावा मन की बात प्रमुख हेमराज, बूथ पालक हेमराज भारद्वाज, चंद्रप्रकाश, मनीष भारद्वाज, राहुल भारद्वाज, राजेश कुमार, जीतराम, लायक राम, मदन कुमार, महेंद्र, अचिंत, निशांत, राज, हेमंत कुमार, कृष्णा देवी और अनु देवी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर प्रधानमंत्री का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया और उनके दीर्घ जीवन की कामना की।

विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से विश्व ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता व शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल मुख्यातिथि रहे। विभागाध्यक्ष प्रो. श्रवण कुमार ने उनका स्वागत किया और इस वर्ष की थीम 'शीतल ग्रह के लिए वैश्विक कार्रवाई' की जानकारी दी। मुख्यातिथि ने विद्यार्थियों को ओजोन परत के महत्व, क्षरण के कारणों और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों से अवगत कराया। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। इस दौरान पोस्टर मेकिंग, पावरपॉइंट प्रस्तुतीकरण और भाषण प्रतियोगिताएं करवाई गईं, जिनमें करीब 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पोस्टर में रिया प्रथम, सानिया द्वितीय और गौरव तृतीय रहे। पावरपॉइंट में अर्श प्रथम और भावना द्वितीय रहीं। भाषण में भावना प्रथम, शगुन द्वितीय तथा सोनाक्षी और कनिका संयुक्त रूप से तृतीय रहीं। मुख्यातिथि ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

डलाह का अपना पुस्तकालय बना ग्रामीण युवाओं की सफलता का केंद्र

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। ग्राम पंचायत डलाह (पधर) में प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन के सहयोग से करीब 12 लाख रुपए की लागत से स्थापित 'अपना पुस्तकालय' ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। छह माह पहले शुरू हुए इस पुस्तकालय में एक समय में 60 विद्यार्थियों के बैठने की सुविधा है। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की करीब 500 पुस्तकें, कंप्यूटर, वाई-फाई, निजी अध्ययन केबिन, सीसीटीवी और सौर ऊर्जा आधारित बिजली बैकअप उपलब्ध है। अब तक करीब 115 युवा सदस्य बन चुके हैं और प्रतिदिन 50 से 60 विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। पुस्तकालय में पढ़ने वाले दो युवाओं का लेक्चरर, दो का पुलिस कर्मी के रूप में चयन हुआ है, जबकि तीन युवाओं ने राज्य पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की है। विद्यार्थी समिति के अध्यक्ष सोमदत्त ने बताया कि पहले युवाओं को निजी पुस्तकालय या मंडी जाना पड़ता था। एसडीएम पधर सुरजीत सिंह ने कहा कि पुस्तकालय का उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों को बेहतर और समान शैक्षणिक अवसर उपलब्ध करवाना है।

अवैध भांग की खेती का पर्दाफाश, 811 पौधे बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिला के चौपाल उपमंडल के तहत कुपवी में खेतों के बीच छिपाकर की जा रही अवैध भांग की खेती का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस को एक खेत में भांग के एक-दो नहीं, बल्कि 811 पौधे मिले। पुलिस ने इनमें से 20 पौधों को नमूने के रूप में जब्त किया और 791 पौधों को मौके पर ही नष्ट कर दिया। इस मामले में मंगत राम निवासी तहसील कुपवी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 के तहत पुलिस थाना कुपवी में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस थाना कुपवी की टीम 15 सितंबर को मालत, कोठी और जुब्बली सहित आसपास के क्षेत्रों में गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मंगत राम ने अपने खेतों में अवैध रूप से भांग के पौधे उगा रखे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम संबंधित गांव पहुंची और खेत की जांच की। वहां भांग के पौधे उगे मिले। मौके पर पटवारी को बुलाकर भूमि की पहचान करवाई गई। इसके बाद नायब तहसीलदार कुपवी की मौजूदगी में पौधों को उखाड़ा गया। पुलिस के अनुसार मौके से कुल 811 पौधे बरामद हुए। इनमें से 20 पौधों को नमूने के तौर पर जब्त किया गया, जबकि 791 पौधों को वहीं नष्ट कर दिया गया। पुलिस थाना कुपवी में मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

धर्मशाला से करेरी वाया चढ़ी-घेरा निजी बस सेवा शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। विधानसभा उपमुख्य सचेतक व शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक केवल सिंह पठानिया ने वीरवार को कल्याडा में धर्मशाला-करेरी वाया चढ़ी-घेरा निजी बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस बस सेवा के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को धर्मशाला, करेरी, चढ़ी और घेरा सहित आसपास के क्षेत्रों में आने-जाने की सुविधा मिलेगी। स्थानीय लोगों ने नई बस सेवा शुरू होने पर उपमुख्य सचेतक एवं विधायक केवल सिंह पठानिया का आभार व्यक्त किया।

जयराम ने पीएम मोदी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने देवभूमि हिमाचल की जनता की ओर से प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए मंगलकामनाएं कीं। जयराम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त, दूरदर्शी एवं निर्णायक नेतृत्व में आज भारत विकास और प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। देश का गौरव बढ़ा है और भारत विश्व पटल पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश को भी विकास की अनेक महत्वपूर्ण सौगातें मिली हैं। सड़क एवं परिवहन के विस्तार, स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, पर्यटन को बढ़ावा देने तथा बड़े विकासात्मक प्रोजेक्टों के माध्यम से केंद्र की भाजपा सरकार ने हिमाचल के विकास को निरंतर प्राथमिकता दी है। नेता प्रतिपक्ष ने ईश्वर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदैव स्वस्थ रखने और देश को उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन का निरंतर लाभ मिलने की कामना की। उन्होंने एक बार फिर प्रधानमंत्री को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

रोहतांग सहित लाहौल के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी

शिमला में आंधी-बारिश से बढ़ी ठंड, 567 बिजली ट्रांसफार्मर ठप और 63 सड़कें अवरुद्ध

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से धीमा पड़ा मानसून फिर सक्रिय हो गया है। बीती रात से प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर शुरू हुआ है। रोहतांग सहित लाहौल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हुई है, जबकि शिमला में सुबह गरज के साथ तेज बारिश और आंधी चलीं।

बारिश और आंधी से राज्य में 567 बिजली ट्रांसफार्मर ठप हो गए हैं और 63 सड़कें अवरुद्ध हैं। बीते 24 घंटों में बिलासपुर जिला के नयनादेवी में सबसे अधिक 86.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आज कई ज़िलों में तेज बारिश व आंधी चलने का ओरेंज अलर्ट जारी किया है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कई स्थानों पर अच्छी बारिश हुई। नयनादेवी में 86.8 मिलीमीटर, मुरारी देवी में 50.6, सलापड में 48.1, मलरांव में 48.0, घाघस में 40.2, बरठीं में 38.6, सुंदरनगर में 37.1, गोहर में 35, नाहन में 34.2, जोगिंदरनगर में 33, नंगल डैम में 32 और पांवटा साहिब में 31 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। शिमला में पिछले दिन और रात को मौसम अपेक्षाकृत साफ रहने के बाद वीरवार सुबह अचानक बारिश शुरू हुई। गरज के साथ हुई तेज बारिश के दौरान तेज हवाएं भी चलीं। तापमान गिरने से राजधानी में मौसम ठंडा हो गया और लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ा। सोलन, सिरमौर, हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा और चंबा के कई हिस्सों में भी बारिश हुई। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में भी मौसम खराब बना हुआ है और बारिश हो रही है, जबकि रोहतांग दर्रे सहित लाहौल के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई है।

सितंबर के दूसरे पखवाड़े में ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में हुई इस बर्फबारी से मौसम में ठंडक बढ़ गई है। वहीं 18 सितंबर को कुछ स्थानों पर गरज-चमक और बिजली के साथ आंधी चलने की संभावना है। 19 से 23 सितंबर तक अधिकांश स्थानों पर बारिश का पूर्वानुमान है। बारिश और तेज हवाओं का असर बिजली और सड़क व्यवस्था पर भी पड़ा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में 567 बिजली ट्रांसफार्मर खराब होने से कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। सिरमौर जिले के राजगढ़, पांवटा साहिब और नाहन उपमंडलों में 341 ट्रांसफार्मर ठप हुए हैं। ऊना के हरोली में 110 और मंडी जिले में 100 ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। प्रदेश में 63 सड़कें भी यातायात के लिए बंद हैं। इनमें मंडी जिले में 34, कांगड़ा में 10 और कुल्लू में नौ सड़कें शामिल हैं। शेष सड़कें अन्य जिलों में बंद हैं। संबंधित विभागों की ओर से बिजली और सड़क सेवाओं को बहाल करने का काम किया जा रहा है।

मानसून से 3,212 करोड़ रुपए का नुकसान

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार 30 जून से अब तक मानसूनी बारिश और इससे जुड़ी घटनाओं से प्रदेश में चल-अचल संपत्ति को करीब 3,212 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसमें लोक निर्माण विभाग को सड़कों और पुलों को हुए नुकसान से अकेले 2,744 करोड़ रुपए का नुकसान आंका गया है। मानसून के दौरान बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 315 लोगों की मौत हुई है, 542 लोग घायल हुए हैं और चार लोग लापता हैं। मृतकों में 187 की जान सड़क हादसों में गई, जबकि 128 मौतें भूस्खलन, अचानक बाढ़, बहने, फिसलने, गिरने और अन्य बारिश जनित हादसों में हुईं। सबसे अधिक 45 मौतें शिमला जिले में दर्ज की गई हैं। इस मानसून में अब तक 134 मकान, 17 दुकानें और 479 पशुशालाएं पूरी तरह ध्वस्त हुई हैं, जबकि 505 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। प्रदेश में मानसून की शुरुआत 30 जून को हुई थी और अब तक बारिश सामान्य से करीब 11 प्रतिशत कम रही है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून की सक्रियता 23 सितम्बर तक बनी रह सकती है और इस महीने के अंत तक इसके प्रदेश से विदा होने का अनुमान है।

ड्रिलबुरी परिक्रमा के दौरान दो महिला श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। लाहौल-स्पीति के केलांग क्षेत्र में पवित्र पर्वत ड्रिलबुरी की परिक्रमा के दौरान मौसम खराब होने से हुए हादसे में दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना वीरवार की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार ड्रिलबुरी परिक्रमा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। इसी दौरान क्षेत्र में अचानक बर्फबारी शुरू हो गई, जिससे रास्तों पर फिसलन बढ़ गई। फिसलन के कारण कुछ श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने दो महिला श्रद्धालुओं को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी। घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पूर्व विधायक रवि ठाकुर ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि खराब मौसम के बीच आयोजित इस कठिन धार्मिक यात्रा के दौरान प्रशासन और आपदा प्रबंधन की व्यवस्था पर्याप्त नहीं थी।

बैजनाथ और कांगड़ा में दो मामलों में 18.81 ग्राम चिट्टा बरामद, 4 गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा पुलिस टीम ने नाकाबंदी और चेकिंग के दौरान दो अलग-अलग मामलों में 18.81 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले मामले में पुलिस थाना बैजनाथ के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में बैजनाथ पुलिस टीम ने एक रिहायशी परिसर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बिस्तर के गद्दे के नीचे छिपाकर रखा गया 6.35 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद किया गया। इस संबंध में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ़ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत पुलिस थाना बैजनाथ में मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगामी जांच पुलिस थाना बैजनाथ के जांच अधिकारी द्वारा की जा रही है। पकड़े गए आरोपियों में आनंद गुरंग उर्फ किप्पू, निवासी कथोग, बैजनाथ और राहुल वर्मा, निवासी होशियारपुर, पंजाब शामिल हैं। वहीं दूसरे मामले में पुलिस थाना कांगड़ा की टीम द्वारा कांगड़ा के अधिकार क्षेत्र में पुराने कांगड़ा रोड के समीप रेन शेल्टर पर दो व्यक्तियों को काबू किया गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 12.46 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद की गई। इस संबंध में पुलिस थाना कांगड़ा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है तथा आगामी जांच जारी है। आरोपियों में अमित कुमार (25 वर्ष), निवासी गांव एवं डाकघर बगली, तहसील कांगड़ा, जिला कांगड़ा तथा निखिल व्यास (30 वर्ष), निवासी गांव मझाणू, डाकघर एवं तहसील पंचरुखी, जिला कांगड़ा शामिल हैं। एसपी कांगड़ा कुलभूषण वर्मा ने बताया कि पुलिस चरस के मुख्य स्रोत और इसकी सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए पुलिस द्वारा गहन जांच जारी है।

बिलासपुर में सड़क हादसों और विवाद के पांच मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बीते 24 घंटों के दौरान पुलिस ने सड़क हादसों, मारपीट और विवाद से जुड़े पांच अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। हादसों में दो लोग घायल हुए, जबकि वाहनों को नुकसान पहुंचा। घुमारवीं थाना क्षेत्र में कलरी कॉलेज के पास कार की टक्कर से बाइक सवार विवेक घायल हो गया। एक अन्य हादसे में हनुमान मंदिर के पास गलत लेन में आई बाइक की कार से टक्कर हो गई, जिसमें बाइक चालक घायल हुआ और कार क्षतिग्रस्त हो गई। भराड़ी थाना क्षेत्र के दधोल खुर्द में गलत दिशा से आ रही जीप ने टिप्पर को टक्कर मार दी सदर थाना क्षेत्र के कोठीपुरा बाजार में अज्ञात लोगों द्वारा मारपीट का मामला सामने आया। वहीं कोट टांडा क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर भी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने सभी मामलों में संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वुशू चैंपियनशिप में घुमारवीं ने पुरुष वर्ग में, ठियोग कॉलेज ने महिला वर्ग की ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में आयोजित दो दिवसीय हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर-कॉलेज वुशू महिला एवं पुरुष चैंपियनशिप का बुधवार को समापन हुआ। 16 से 17 सितंबर तक चली प्रतियोगिता में प्रदेश के 18 महाविद्यालयों की 29 टीमों ने भाग लिया। इनमें 18 पुरुष और 11 महिला टीमें शामिल रहीं।

पुरुष वर्ग में मेजबान स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल ट्रॉफी अपने नाम की। सोलन कॉलेज दूसरे स्थान पर रहा, जबकि हमीरपुर और रामपुर कॉलेज संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में राजकीय महाविद्यालय ठियोग ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप जीती। घुमारवीं और रामपुर कॉलेज संयुक्त रूप से दूसरे तथा सोलन कॉलेज तीसरे स्थान पर रहा। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के प्राचार्य ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कॉलेज प्राचार्य प्रो. प्रीतम लाल, आयोजन सचिव डॉ. सुनील सेन और संयोजक डॉ. महेंद्र कुमार ने उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने कहा कि वुशु और मार्शल आर्ट युवाओं में शारीरिक मजबूती, मानसिक एकाग्रता और आत्मरक्षा की क्षमता विकसित करते हैं। खिलाड़ियों को जीत-हार से ऊपर उठकर खेल भावना बनाए रखने का संदेश दिया। पुरुष वर्ग के 48 किलोग्राम भार वर्ग में हमीरपुर ने स्वर्ण, घुमारवीं ने रजत तथा भोरंज और बिलासपुर ने कांस्य पदक हासिल किया। 52 किलोग्राम वर्ग में घुमारवीं ने स्वर्ण और हमीरपुर ने रजत पदक जीता।

बिलासपुर में लावारिश पशुओं पर लगाम को संयुक्त अभियान शुरू

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर शहर में लावारिश पशुओं की बढ़ती संख्या और इनके कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन, पशुपालन विभाग और नगर परिषद ने संयुक्त अभियान शुरू किया है। एसडीएम बिलासपुर राज कुमार ने बताया कि अभियान के तहत अब तक सड़कों पर घूम रहे 10 लावारिश पशुओं को पकड़ा जा चुका है। इनमें छह पशुओं को रानी कोटला गौशाला तथा चार को हरिओम गौशाला बरमाणा भेजा गया है।

उन्होंने बताया कि लावारिश पशुओं की समस्या के समाधान के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। इसमें पशुपालन विभाग, नगर परिषद और खंड विकास अधिकारी कार्यालय का सहयोग लिया जा रहा है। शहर के आसपास राष्ट्रीय राजमार्ग से सटी पंचायतों में भी विशेष अभियान चलाया जाएगा, जहां लावारिश पशुओं की संख्या अधिक है और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। चांदपुर और कंदरौर क्षेत्रों में भी पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई की जाएगी। पकड़े गए पशुओं को नालागढ़ स्थित हांडाकुंडी गौशाला भेजने की व्यवस्था भी की जाएगी। एसडीएम ने पशुपालकों से अपील की कि वे अपने पशुओं को खुले में न छोड़ें और प्रशासन के अभियान में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सड़कों पर पशुओं के घूमने से यातायात प्रभावित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर हमीरपुर में सेवा कार्यक्रमों की धूम

अनुराग ने दिव्यांगजनों को बांटे सहायक उपकरण

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस पर हमीरपुर सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने जिले में आयोजित विभिन्न सेवा, जनकल्याण और जनजागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया। दिनभर चले कार्यक्रमों में पौधरोपण, सफाई योद्धाओं का सम्मान, स्वास्थ्य जांच, दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण वितरण, सड़क सुरक्षा, करियर काउंसलिंग और नशामुक्ति अभियान शामिल रहे। दिन की शुरुआत गंदा नौण स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों से मुलाकात और परिसर में पौधारोपण से हुई।

अनुराग ठाकुर ने बुजुर्गों का कुशलक्षेम जाना और कहा कि वे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। इसके बाद रानी लक्ष्मीबाई पार्क के समीप आयोजित कार्यक्रम में सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा किट तथा टैक्सी चालकों को मेडिकल किट वितरित की गईं। उन्होंने सफाई कर्मियों की सुरक्षा और सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को सामूहिक जिम्मेदारी बताया।

बचत भवन में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित कार्यक्रम में कृत्रिम अंग और विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि ऐसे उपकरण लाभार्थियों की सुविधा के साथ उनके आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को भी बढ़ाते हैं। एस्पायर कॉन्टिनेंटल स्कूल में विद्यार्थियों के साथ करियर काउंसलिंग, प्लास्टिक-मुक्त भारत और नशामुक्ति अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और स्वच्छता के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने की शपथ दिलाई गई। बच्चों ने नशे के दुष्प्रभावों पर नाटिका प्रस्तुत की। शाम को सर्किट हाउस में अनुराग ठाकुर ने आम लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों के समक्ष आवश्यक कार्रवाई के लिए मामले रखे। दिन के अंतिम कार्यक्रम में राधाकृष्णन मेडिकल कॉलेज, जोल सप्पड़ में 'आशीर्वाद का दिया' जलाकर प्रधानमंत्री के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की गई। इस दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश ठाकुर, सदर विधायक आशीष शर्मा, पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री सहित भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन अक्तूबर से शुरू होगी धान की सरकारी खरीद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान धान की सरकारी खरीद तीन अक्तूबर से 15 दिसंबर तक होगी। इसके लिए एचपी एपीपीपी ऑनलाइन पोर्टल खोल दिया गया है। किसान पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करवाकर खरीद केंद्र के लिए टोकन बुक कर सकते हैं। जिला नियंत्रक खाद्य, नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले शीतल शर्मा ने बताया कि इस वर्ष धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2461 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष से 72 रुपए अधिक है। एग्रीस्टैक से जुड़े किसानों की भूमि संबंधी जानकारी ऑनलाइन प्राप्त की जाएगी, जबकि अन्य किसानों का विवरण संबंधित पटवारी द्वारा सत्यापित किया जाएगा। प्रदेश में कांगड़ा, सोलन, ऊना और सिरमौर जिलों में 11 खरीद केंद्र बनाए गए हैं। बिलासपुर के किसान नजदीकी केंद्र चुनकर फसल बेच सकते हैं। किसानों से समय पर पंजीकरण कराने की अपील की गई है।

आगाज अर्की में झोटा पूजन के साथ शुरू हुआ राज्य स्तरीय तीन दिवसीय सायर मेला

मेला हमारी समृद्ध संस्कृति व परंपराओं की पहचान : अवस्थी

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की के ऐतिहासिक चौगान मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सायर मेले का वीरवार को अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने विधिवत शुभारंभ किया।

मेले के शुभारंभ अवसर पर विधायक ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार ऐतिहासिक व प्राचीन मां काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद समृद्धि के प्रतीक झोटे का पूजन कर सायर मेले का आगाज किया गया। इस अवसर पर विधायक संजय अवस्थी ने क्षेत्रवासियों को सायर मेले की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अर्की का सायरोत्सव मेला क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है। सदियों से चले आ रहे ऐसे मेलों के माध्यम से लोक संस्कृति, रीति-रिवाज और पारंपरिक मान्यताओं को जीवंत बनाए रखने में मदद मिलती है। साथ ही इन परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर भी मिलता है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं और मेलों से भी जुड़ी हुई है। मेले केवल मनोरंजन और उत्सव तक सीमित नहीं होते, बल्कि इनके माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को एक-दूसरे के करीब आने का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजन आपसी मेल-जोल, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विधायक ने कहा कि सायरोत्सव मेले की अपनी विशिष्ट पहचान और परंपरा है। इसे संरक्षित रखना क्षेत्र के सभी लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि बदलते समय में युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना जरूरी है। इसके लिए लोक संस्कृति से जुड़े आयोजनों को निरंतर बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने क्षेत्रवासियों से मेले की गरिमा और पारंपरिक स्वरूप को बनाए रखते हुए अधिक से अधिक संख्या में इसमें भाग लेने का आग्रह किया। सायर मेले के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिला। मेले के माध्यम से स्थानीय संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक सहभागिता को मंच मिलने की उम्मीद है। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में क्षेत्र के लोगों के साथ अन्य स्थानों से आने वाले लोगों के भी शामिल होने की संभावना है।

इस अवसर पर विधायक संजय अवस्थी की धर्मपत्नी मीनाक्षी अवस्थी, खंड कांग्रेस अर्की के अध्यक्ष सतीश कश्यप, महासचिव रवि पाठक, नगर पंचायत अर्की की अध्यक्ष सीमा शर्मा, उपाध्यक्ष बीना ठाकुर, जोगिंद्रा केंद्रीय सहकारी बैंक के निदेशक रोशन वर्मा, आइटीआइ बोर्ड के सदस्य सुमित शर्मा, नगर पंचायत अर्की के पार्षद, समाजसेवी जयनंद शर्मा, उपमंडलाधिकारी अर्की निशांत तोमर, तहसीलदार अर्की विपिन वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों का भी आभार जताया।

संजय अवस्थी ने विकासात्मक प्रदर्शनियों का किया शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने राज्य स्तरीय सायर महोत्सव के दौरान विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई विकासात्मक प्रदर्शनियों का विधिवत शुभारंभ किया और उनका अवलोकन किया।

उन्होंने मेले में पहुंचे लोगों से आग्रह किया कि वे प्रदर्शनियों के माध्यम से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। महोत्सव में बागवानी, कृषि, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, आयुष, वन विभाग तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों ने प्रदर्शनियां लगाईं। होमगार्ड की ओर से आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई गई। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग की ओर से बेबी शो आयोजित किया गया, जिसमें शून्य से तीन वर्ष आयु वर्ग के 32 शिशुओं ने भाग लिया। इनमें 26 शिशु ग्रीन जोन और छह यलो जोन में पाए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने पोषण अभियान के तहत अन्नप्राशन और गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म भी करवाई। महोत्सव में कबड्डी, बैडमिंटन और शतरंज सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। विधायक ने कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ भी किया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर मीनाक्षी अवस्थी, सतीश कश्यप, सीमा शर्मा, एसडीएम निशांत तोमर, डीएसपी सोलन अशोक चौहान, डीएसपी दाड़लाघाट नवीन झालटा, बीएमओ डॉ. मुक्ता रस्तोगी, पंचायत प्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एम्मा राडुकानू का खूबसूरत खेल अंदाज

एम्मा राडुकानू ब्रिटिश टेनिस की चर्चित खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2021 में यूएस ओपन जीतकर इतिहास रचा। उनकी तेज सर्विस, आक्रामक खेल, आत्मविश्वास, दृढ़ता और शांत अंदाज ने दुनिया भर के प्रशंसकों का ध्यान खींचा। उनकी खेल शैली, खूबसूरत मुस्कान और आत्मविश्वास प्रशंसकों को खूब आकर्षित करते हैं।

बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम बिना खेले एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में

बारिश के कारण चीन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल रद्द, पाकिस्तान भी अंतिम चार में

एजेंसी, ढाका

एशियन गेम्स 2026 में बांग्लादेश विमेंस क्रिकेट टीम बिना एक भी गेंद खेले सेमीफाइनल में पहुंच गई। चीन के खिलाफ उसका क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण रद्द हो गया। यह मुकाबला वीरवार को निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेला जाना था। इसी मैदान पर खेले गए दूसरे क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 3 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। यह मैच 11-11 ओवर के खेले गए। एशियन गेम्स का आधिकारिक उद्घाटन 19 सितंबर को होगा, लेकिन क्रिकेट के मुकाबले 17 सितंबर से शुरू हो चुके हैं।

पाक ने आखिरी ओवर में हासिल किया टारगेट

एशियन गेम्स 2026 में बारिश के कारण पाकिस्तान और थाईलैंड का क्वार्टर फाइनल मुकाबला 11-11 ओवर का कर दिया गया। थाईलैंड ने 11 ओवर में 4 विकेट पर 91 रन बनाए। पाकिस्तान ने 10.4 ओवर में 7 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। आखिरी ओवर में जीत के लिए 4 रन चाहिए थे, जिसे इमान नसीर और उम्म-ए-हानी ने चार गेंदों पर एक-एक रन लेकर पूरा किया। पाकिस्तान ने 3 विकेट से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

बेहतर रैंकिंग के कारण बांग्लादेश को फायदा

एशियन गेम्स के नियमों के मुताबिक, मैच रद्द होने पर बेहतर रैंकिंग वाली टीम अगले राउंड में पहुंचती है। इसी नियम के तहत निगार सुल्ताना की कप्तानी वाली बांग्लादेश टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई, जबकि चीन टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

भारत का आज जापान से होगा मुकाबला

एशियन गेम्स में विमेंस क्रिकेट सभी 8 मुकाबले जापान के निस्शिन स्थित कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले जाएंगे। भारतीय विमेंस टीम 18 सितंबर को यहीं जापान के खिलाफ खेलेगी। भारतीय टीम आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

शतरंज ओलंपियाड में भारतीय पुरुष टीम ने थाईलैंड को हराया

एजेंसी, समरकंद

विश्व चैंपियन डी. गुकेश, निहाल सरीन और विदित गुजराती की शानदार जीत से भारतीय पुरुष टीम ने 46वें विश्व शतरंज ओलंपियाड में अपने अभियान का आगाज थाईलैंड पर 3-1 की जीत से किया। भारत के पास क्लीन स्वीप करने का मौका था, लेकिन अर्जुन एरिगेसी की अंतिम क्षणों में हुई चूक के कारण यह मौका हाथ से निकल गया। सरीन ने थानाडोन कुलप्रुएथानोन को हराकर भारत के लिए पहला अंक हासिल किया।

इसके बाद गुकेश ने आक्रामक खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए फारिस राशिद अलरियामी को मात दी। गुजराती ने भी तुपफा खुम्नोरकाएव के खिलाफ आसान जीत दर्ज की। अर्जुन सफेद मोहरों से खेलते हुए प्रिन लाओहाविरापाप के खिलाफ अधिकांश समय मजबूत स्थिति में थे, लेकिन छह घंटे से अधिक चले मैराथन मुकाबले के अंतिम चरण में जीत का मौका गंवा बैठे। 20 वर्षीय लाओहाविरापाप ने समय की कमी के बावजूद धैर्य बनाए रखा और अर्जुन की गलती का फायदा उठाकर शानदार जीत दर्ज की।

महिला टीम का टूर्नामेंट में शानदार आगाज

भारतीय महिला टीम ने भी प्रतियोगिता का शानदार आगाज करते हुए डोमिनिकन गणराज्य को 4-0 से शिकस्त दी। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने सफेद मोहरों से फ्रांचेस्का रामिरेज लूजोन को हराकर जीत के साथ शुरुआत की। आर. वैशाली ने भी मिगुएलीना डे ला रोजा मार्टिनेज के खिलाफ सहज जीत दर्ज की। वंतिका अग्रवाल को मैरी लोली गोंजालेज पेगुएरो के खिलाफ जीत के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ी, जबकि बी. सविता श्री ने भी ओलंपियाड में अपने पदार्पण को जीत के साथ यादगार बनाया। उन्होंने कार्ला म्या नुनेज डियाज को हराया।

स्पोर्ट्स विंडो

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक लेंगे जोकोविच चाइना ओपन में हिस्सा

एजेंसी, बीजिंग। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने आगामी चाइना ओपन में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। एटीपी-500 टूर्नामेंट का आयोजन बीजिंग में 28 सितंबर से 6 अक्टूबर तक किया जाएगा। जोकोविच ने बुधवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए कहा, 'मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं कई वर्षों बाद बीजिंग में चाइना ओपन खेलने के लिए वापस आ रहा हूं। ' 39 वर्षीय जोकोविच 11 साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे। चाइना ओपन में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और हाल में यूएस ओपन का खिताब जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी हिस्सा लेंगे। जोकोविच ने कहा, 'मैं आप सभी के सामने नेशनल टेनिस सेंटर में वापस आकर खेलने के लिए उत्साहित हूं। यह टेनिस की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। मेरे करियर में इस स्थान से जुड़ी कई शानदार यादें और बड़ी सफलताएं रही हैं। ' जोकोविच के लिए यह टूर्नामेंट अमेरिकी ओपन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद वापसी का मौका होगा। उन्हें अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मारियानो नवोने के हाथों चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद वह आठ साल में पहली बार एटीपी की शीर्ष-10 रैंकिंग से बाहर हो गए थे।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय तलवारबाजी दल जापान रवाना

एजेंसी, नई दिल्ली। ओलंपियन सीए भवानी देवी की अगुवाई में भारत का 20 सदस्यीय तलवारबाजी दल एशियाई खेलों के लिए जापान रवाना हो गया, जिसमें चोटिल प्राची लोहान की जगह एपी स्पर्धा में अनुप्रिया को मंजूरी मिलने पर उतारा जाएगा। भारतीय दल में 20 खिलाड़ी, पांच कोच और एक फिजियो है जो बुधवार को रवाना हुए थे। भारतीय साबरे टीम में भवानी देवी, श्रेया गुप्ता, जेफरलिन जेएस और श्रुति जोशी हैं जबकि महिला एपी टीम में तनिष्का खत्री, मितवा चौधरी, यशकीरत कौर और अनुप्रिया के नाम हैं। महिला फॉइल में जॉयस अशिता, एन मीना देवी, कनुप्रिया चावला और सोनिया देवी वाइकोम उतरेंगी। पुरुषों के वर्ग में करण सिंह, के पी गिशोनिधि, लक्ष्य बाडसर और विशाल थापर साबरे टीम में हैं । वहीं सचिन, सनासन हेमाश सिंह, आदित्य और तेजस पाटिल फॉइल टीम में शामिल हैं। अनुप्रिया को भारतीय ओलंपिक संघ और खेल मंत्रालय से मंजूरी मिलने पर एपी तलवारबाज प्राची लोहान की जगह खेलने का मौका मिलेगा। कोचिंग स्टाफ में विजय कुमार, ज्ञानेंद्र कुमार, मोहित अश्विनी, सागर लागू और तुकाराम मेहत्रा हैं जबकि निकिता पांडे फिजियो होंगी।

भारतीय फुटबॉलर फुटबॉल टीम की खिलाड़ी दलिमा नोवा स्पोर्ट्स से जुड़ीं

एजेंसी, मुंबई। भारतीय राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी दलिमा छिब्बर नोवा स्पोर्ट्स से जुड़ गई हैं। उन्हें फुटबॉल कल्चर और प्लेयर पाथवे लीड की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह नोवा फुटबॉल अकादमी के पाठ्यक्रम, खिलाड़ियों के विकास की प्रक्रिया और एथलीट मेंटरशिप कार्यक्रम को तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। दलिमा खिलाड़ियों, कोचों और अभिभावकों के लिए संपर्क सूत्र के रूप में भी काम करेंगी। इसके अलावा वह कैमरे के सामने और बाहर नोवा स्पोर्ट्स के ब्रांड का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनकी भूमिका में फुटबॉल के व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में योगदान देना भी शामिल है। इसमें कोचों को जोड़ना, उनका प्रशिक्षण और विकास तथा विशेष रूप से महिला कोचों की पहचान और उन्हें आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। दलिमा खिलाड़ियों के विकास के अलग-अलग चरणों में सहयोग करने वाली व्यवस्थाएं तैयार करने में भी योगदान देंगी। नोवा स्पोर्ट्स के साथ जुड़ने पर दलिमा ने कहा, 'खिलाड़ियों और महिला फुटबॉलरों के रूप में हम लंबे समय से अधिक व्यवस्थित व्यवस्था और खेल को आगे बढ़ाने में मदद करने वाले लोगों की मांग कर रहे हैं। कैप्री स्पोर्ट्स को आगे आकर यह पहल करते देखना बहुत उत्साहजनक है। महिला फुटबॉल में काफी संभावनाएं हैं और मैं इस राह को तैयार करने का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। '

विकेटकीपर -बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने बिग बैश लीग से लिया संन्यास

एजेंसी, होबार्ट। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह अब अपना पूरा ध्यान कोचिंग करियर पर लगाएंगे। वेड फिलहाल ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के सीमित ओवरों के बल्लेबाजी कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं। वेड पिछले साल भी ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के साथ सलाहकार के रूप में काम कर रहे थे और इसी दौरान होबार्ट हरिकेंस के लिए बिग बैश लीग में खेलते रहे। हालांकि, उन्होंने 2026-27 सत्र से पहले पूरी तरह से खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट से हटने का फैसला किया है। वेड ने 2024 टी-20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। अब बिग बैश लीग से विदाई के साथ उन्होंने इस प्रतियोगिता के इतिहास में अपनी जगह बनाने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से एक के रूप में करियर समाप्त किया है। वेड ने बिग बैश लीग के उद्घाटन सत्र 2011-12 में मेलबर्न स्टार्स के साथ अपना करियर शुरू किया था, जहां उन्होंने महान स्पिनर शेन वॉर्न के साथ खेला। उन्होंने स्टार्स के लिए 16 और मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए 13 मैच खेले। इसके बाद वह अपने गृह राज्य तस्मानिया लौटे और होबार्ट हरिकेंस के लिए 90 मुकाबलों में मैदान पर उतरे।

पार्थिव एवं प्रज्ञान ओझा बीसीसीआई चीफ सिलेक्टर पद के मजबूत दावेदार

एजेंसी, नई दिल्ली

बीसीसीआई के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कार्यकाल इसी महीने खत्म हो रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें कार्यकाल में एक्सटेंशन मिलने की संभावना कम है। अगरकर की जगह पूर्व भारतीय क्रिकेटर पार्थिव पटेल और प्रज्ञान ओझा पद के दावेदार हैं।

अजीत अगरकर का कार्यकाल इसी महीने होगा खत्म

बीसीसीआई की एनुअल जनरल मीटिंग शुक्रवार को होनी है। अगरकर बुधवार को हुई चयन बैठक की अध्यक्षता कर चुके हैं। ऐसे में यह बैठक बतौर चीफ सिलेक्टर उनकी आखिरी बैठक हो सकती है। पूर्व तेज गेंदबाज अगरकर को जुलाई 2023 में टीम इंडिया की सिलेक्शन कमेटी का चेयरमैन बनाया गया था।

पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल और पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा, अजीत अगरकर की जगह बीसीसीआई के चीफ सिलेक्टर बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। पार्थिव पटेल और प्रज्ञान ओझा दोनों पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं।

पार्थिव विकेटकीपर-बल्लेबाज रहे हैं, जबकि ओझा स्पिनर थे। दोनों आईपीएल में तीन-तीन बार चैंपियन टीम का हिस्सा रह चुके हैं। अगरकर की अध्यक्षता वाली सिलेक्शन कमेटी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज और ईरानी ट्रॉफी के लिए टीमों का ऐलान किया। इसके अलावा, अगरकर ने रेस्ट ऑफ इंडिया टीम के चयन में भी भूमिका निभाई।

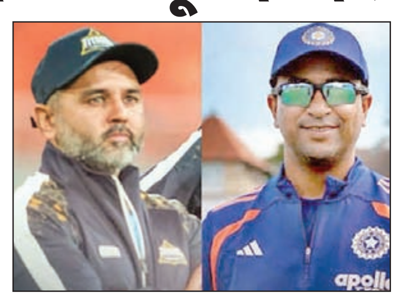

पार्थिव के नाम 1700 से ज्यादा इंटरनेशनल रन

पार्थिव पटेल ने भारत के लिए 25 टेस्ट, 38 वनडे और 2 टी-20 इंटरनेशनल खेले। उन्होंने टेस्ट में 934, वनडे में 736 और टी-20 इंटरनेशनल में 36 रन बनाए। विकेटकीपर के तौर पर उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 103 कैच और 19 स्टंपिंग कीं।

हॉकी:पाकिस्तान की न्यूट्रल वेन्यू की मांग खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन की एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की मांग को हॉकी इंडिया ने खारिज कर दिया है। फेडरेशन ने भारत-पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए यह मांग की थी। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के अंतरिम अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने एशियन हॉकी पेडरेशन से से टूर्नामेंट को दूसरे देश में कराने या पाकिस्तान के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर शिफ्ट करने का अनुरोध किया। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान को टूर्नामेंट खेलना है तो उसे भारत आना होगा। अगर पाकिस्तान नहीं आता है, तो उसकी जगह बांग्लादेश या ओमान में से किसी एक टीम को शामिल किया जा सकता है। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्तूबर से 5 नवंबर तक पंजाब में होगी।

डेविस कप : भारत की नजरें अंतिम आठ में जगह बनाने पर

एजेंसी, सियोल

भारतीय टीम कोरिया के खिलाफ डेविस कप क्वालीफायर दूसरे दौर के मुकाबले में उतरेगी तो नजरें डेविस कप अंतिम आठ में जगह बनाने पर लगी होंगी और एक बार फिर दक्षिणेश्वर सुरेश से अपेक्षाओं पर खरे उतरने की उम्मीदें होंगी। दक्षिणेश्वर का सामना शुक्रवार को कोरिया के नंबर एक खिलाड़ी सूनवू क्वोन से होगा। दोनों टीमों के शीर्ष एकल खिलाड़ियों का सफर काफी अलग-अलग रहा है लेकिन दोनों एक ही स्थिति में हैं।

दोनों के पास अनुभव की कमी नहीं है और रैंकिंग में नीचे जाने के बाद फिर ऊपर आने की कोशिश कर रहे हैं। सियोल के धीमे, नीचे की ओर उछाल वाले कोर्ट पर दक्षिणेश्वर की काबिलियत की परख कोरिया के शीर्ष खिलाड़ी के खिलाफ होगी जो एटीपी टूर पर दो खिताब जीतने वाले अकेले कोरियाई हैं। विश्व रैंकिंग में 367वें स्थान पर काबिज दक्षिणेश्वर फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ भारत की 3-2 से जीत के नायक थे जिन्होंने तीनों मैच जीते थे। उनके सामने उसी लय को कायम रखने की चुनौती है, लेकिन यहां के हालात उनके आक्रामक खेल के अनुरूप नहीं हैं। कोरिया ने कोर्ट को धीमा और नीचे की ओर उछाल लेने वाला बनाया है जिस पर दक्षिणेश्वर की दमदार सर्विस और तकनीकी कौशल की परीक्षा होगी। दक्षिणेश्वर ने कहा ,' मैंने चैलेंजर टूर पर क्वोन को देखा है । वह बेहतरीन खिलाड़ी है। कप्तान और कोचों ने भी उसके मैच देखे हैं और मैं उसका सामना करने के लिये तैयार हूं।' दूसरे एकल में भारत के नंबर एक खिलाड़ी सुमित नागल का सामना हियोन चुंग से होगा जो 2018 में विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर थे। वह उसी साल आस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे और अलेक्जेंडर ज्वेरेव तथा नोवाक जोकोविच जैसे दिग्गजों को हराया था। चोटों का असर उनकी रैंकिंग पर पड़ा है, लेकिन कोरिया ने होंग सियोंग चान की जगह उनके अनुभव को तरजीह दी है। अगर शुक्रवार को स्कोर 1-1 से बराबर रहता है तो युगल मुकाबला अहम होगा, जिसमें भारत के एन श्रीराम बालाजी और निकी पूनाचा खेलेंगे।

ट्रंप-हूती गुप्त डील, सऊदी जहाजों पर हमले का खतरा बरकरार

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच कथित गुप्त समझौते की रिपोर्ट सामने आने के बाद पश्चिम एशिया में नई चर्चा शुरू हो गई है। एक्सिओस की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते के तहत हूतियों ने लाल सागर में अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना नहीं बनाने का भरोसा दिया है। इसके बदले अमेरिका यमन में हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब को सैन्य मदद नहीं देगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों और हूती नेताओं के बीच यह बातचीत पिछले सप्ताह ओमान की राजधानी मस्कट स्थित अमेरिकी दूतावास में हुई थी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को यह पुष्टि की थी कि अमेरिका हूती समूह के साथ सीधे संपर्क में है। हालांकि, इस संपर्क और कथित समझौते को लेकर उपलब्ध जानकारी मुख्य रूप से

मीडिया रिपोर्टों और संबंधित अधिकारियों के बयानों पर आधारित है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू सऊदी अरब से जुड़ा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी जहाजों को निशाना न बनाने की कथित सहमति के बावजूद हूती सऊदी अरब से जुड़े जहाजों को निशाना बनाना जारी रख सकते हैं। ऐसे में लाल सागर में समुद्री सुरक्षा को लेकर स्थिति पूरी तरह सामान्य होने के बजाय अलग-अलग पक्षों के लिए अलग-अलग हो सकती है। लाल सागर वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है।

सेंसेक्स 22 अंक गिरा 74,315 पर हुआ बंद

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में17 सितंबर को सेंसेक्स 22 अंक की गिरावट के साथ 74,315 पर बंद हुआ ।वहीं निफ्टी में 53 अंक की बढ़त रही, यह 23,271 पर बंद हुआ। फार्मा, मीडिया और रियल्टी शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। वहीं बैंकिंग शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। दिन में एचडीएफसी लाइफ के शेयरों में 5 फीसदी की जोरदार उछाल दर्ज की गई। इसके विपरीत, ओएनजीसी के शेयरों में 2 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। निफ्टी आईटी को छोड़कर सभी क्षेत्रीय सूचकांक हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑटो जैसे कई क्षेत्रीय सूचकांकों में करीब 1 फीसदी की वृद्धि हुई। बाजार की समग्र चौड़ाई सकारात्मक रही। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 2,316 शेयरों में वृद्धि हुई। जबकि 827 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। 105 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

किताब पढ़ने के बदले पैसे देगी सिंगापुर सरकार

हर दिन केवल 15 मिनट ही पढ़ना होगा, फोन की लत छुड़ाना है मकसद

एजेंसी, सिंगापुर

सिंगापुर सरकार अब लोगों को किताब पढ़ने के लिए पैसे देगी। इसके लिए रोज कम से कम 15 मिनट किताब या लंबे लेख पढ़ने होंगे। पढ़ने का समय सरकारी वेबसाइट पर दर्ज करना होगा। इसके बदले रिवॉर्ड पॉइंट्स मिलेंगे, जिन्हें बाद में नकद इनाम में बदला जा सकेगा। सरकार का यह 5 साल का नेशनल रीडिंग मिशन लोगों को स्मार्टफोन, रील्स और छोटे वीडियो से कुछ समय दूर करके दोबारा पढ़ने की आदत डालने की कोशिश है।

दरअसल, सरकार की चिंता लोगों के बढ़ते स्क्रीन टाइम को लेकर है। एनएलबी की प्रमुख मेलिसा टैम के मुताबिक, छोटे वीडियो से जानकारी तेजी से मिलती है, लेकिन लगातार बहुत सारी सूचनाएं देखने से दिमाग थक सकता है। इसके मुकाबले किताब या लंबा लेख पढ़ने में ज्यादा एकाग्रता की जरूरत होती है। इससे ध्यान लगाने, सोचने और कल्पना करने की क्षमता विकसित करने में मदद मिल सकती है।

15 मिनट पढ़ने पर मिलेंगे 20 कॉइन्स

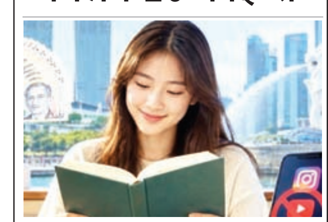

योजना के तहत हर दिन 15 मिनट पढ़ने पर 20 वर्चुअल कॉइन्स मिलेंगे। एक दिन में सिर्फ एक बार रीडिंग टाइम दर्ज किया जा सकेगा। 50 दिन तक रोज 15 मिनट पढ़ने पर 1,000 कॉइन्स पूरे होंगे। इन्हें 1 सिंगापुरी डॉलर यानी करीब 76 रुपए के नकद इनाम में बदला जा सकेगा। सरकार ने इस साल कुल 75 लाख रीडिंग मिनट का लक्ष्य रखा है। लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए करीब 1.14 करोड़ रुपए के इनाम दिए जाएंगे।

सरकार ने पढ़ने को गेम की तरह बनाया

इस योजना को सिंगापुर के नेशनल लाइब्रेरी बोर्ड ने शुरू किया है। लोग 'क्राउडटास्क एसजी' वेबसाइट पर रोज अपनी पढ़ाई का समय दर्ज करेंगे। लक्ष्य पूरा करने पर उनके खाते में कॉइन्स जुड़ते जाएंगे। इस तरह सरकार ने पढ़ने को एक ऐसे रिवॉर्ड सिस्टम से जोड़ा है, जिसमें लोग रोज का लक्ष्य पूरा करके धीरे-धीरे नकद इनाम हासिल कर सकते हैं।

युवाओं में भी कम हो रही हॉबी रीडिंग

रिसर्च एनालिस्ट आइजैक निओ के मुताबिक, बच्चों और युवाओं पर पढ़ाई और परीक्षाओं का दबाव रहता है। इसलिए वे अक्सर परीक्षा की तैयारी के लिए पढ़ते हैं, लेकिन अपनी रुचि के लिए किताब पढ़ने की आदत कम हो रही है। निओ ने 2025 में 'मॉडर्न मेन्स बुक क्लब' शुरू किया था। इसका उद्देश्य युवाओं को दोबारा किताबों से जोड़ना था।

चीन बना रहा अनोखा मदरशिप चार ड्रोन सबमरीन होंगी तैनात

एजेंसी, बीजिंग

चीन की नौसेना अपनी समुद्री सैन्य क्षमता को मजबूत करने के लिए एक अत्याधुनिक और अनोखे युद्धपोत का निर्माण कर रही है। शंघाई स्थित हुडोंग-झोंगहुआ शिपयार्ड में बन रहे इस विशाल जहाज को 'मदरशिप' कहा जा रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों के सामने आने के बाद इस परियोजना को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, यह अपनी तरह का ऐसा जहाज है, जिसे बिना चालक वाली बड़ी ड्रोन सबमरीन को समुद्र में ले जाने और उन्हें वहां तैनात करने के लिए तैयार किया जा रहा है।

चीन के नए मदरशिप की तस्वीर

अमेरिकी डिफेंस इंटेलिजेंस कंपनी वैंटोर की तस्वीरों में जहाज की विशाल संरचना दिखाई देती है।

बताया गया है कि यह एक साथ चार एक्सएक्सएलयूयूवी यानी बेहद बड़े स्वचालित पानी के भीतर चलने वाले वाहनों को ले जाने में सक्षम हो सकता है।

समुद्र के भीतर निगरानी बढ़ाएगा चीन का मदरशिप

इस जहाज की खासियत केवल ड्रोन सबमरीन को ले जाने तक सीमित नहीं है। इसकी संरचना से संकेत मिलता है कि इसे लंबे समय तक समुद्र में रहकर मानवरहित अभियानों को संचालित करने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा है। ऐसे जहाजों के जरिए समुद्र के भीतर निगरानी, सूचनाएं जुटाने और विभिन्न समुद्री क्षेत्रों में स्वचालित वाहनों की तैनाती की क्षमता बढ़ सकती है। चीन की इस परियोजना पर विशेषज्ञों और अन्य देशों की भी नजर बनी हुई है।

उम्रदराज सेहतमंद खाना, एक्टिव रहना और समय पर इलाज लंबी उम्र का राज

जापान में 1 लाख लोग 100 साल के पार

एजेंसी, टोक्यो

जापान में 100 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या पहली बार 1 लाख का आंकड़ा पार कर गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में अब 1,07,677 लोग ऐसे हैं, जिनकी उम्र कम से कम 100 साल है। इनमें महिलाएं 94.3 हजार और पुरुष 13.4 हजार हैं। पिछले साल की तुलना में 100 साल से ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या करीब 8 हजार बढ़ी है। हांगकांग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सोशल साइंस प्रोफेसर स्टुअर्ट गीटेल-बास्टेन के मुताबिक, जापान में लंबी उम्र के पीछे कई वजहें हैं। स्वस्थ खान-पान, रोजमर्रा की जिंदगी में सक्रिय रहना, सस्ती स्वास्थ्य व्यवस्था और नियमित स्वास्थ्य जांच इनमें अहम हैं।

88 फीसदी महिलाएं

रिपोर्ट के मुताबिक, 100 साल से ज्यादा उम्र वालों में 88 फीसदी महिलाएं हैं। महिलाओं के पुरुषों से ज्यादा जीने के पीछे जीवनशैली भी एक वजह है। उस पीढ़ी के पुरुषों में धूम्रपान और शराब पीने की आदत ज्यादा थी। वे औद्योगिक और शारीरिक मेहनत वाले कामों में भी ज्यादा शामिल थे, जिसका लंबे समय में उनकी सेहत पर असर पड़ा। उम्र बढ़ने के साथ भी महिलाओं को इसका फायदा मिला। रिटायरमेंट या जीवनसाथी की मौत के बाद कई पुरुष सामाजिक रूप से अलग-थलग पड़ गए, जबकि महिलाएं परिवार और समुदाय से ज्यादा जुड़ी रहीं। इससे उन्हें सामाजिक और मानसिक स्तर पर फायदा मिला। इसके अलावा, इस पीढ़ी में महिलाओं की संख्या ज्यादा होने की एक ऐतिहासिक वजह द्वितीय विश्वयुद्ध भी है। उस दौरान जापान के करीब 23 लाख सैनिक मारे गए थे, जिनमें लगभग सभी पुरुष थे। युद्ध में बड़ी संख्या में पुरुषों की मौत से उस पीढ़ी में महिलाओं का अनुपात बढ़ गया।

आज भी अपना काम खुद ही करते हैं 106 साल के सातो

निगाता प्रांत के पहाड़ी इलाके ओसोनोगो गांव में रहने वाले तेत्सुओ सातो भी जापान के 1 लाख से ज्यादा 100+ उम्र वाले लोगों में शामिल हैं। सातो अब 107 साल के होने वाले हैं। वह अपने बेटे, बहू, कुत्ते और बिल्ली के साथ रहते हैं। उन्हें सुनने में परेशानी है और नजर भी कमजोर हो चुकी है। इसके बावजूद वह खुद को दिनभर व्यस्त रखते हैं। सातो पुराने कैलेंडर और रैपिंग पेपर से नोटबुक बनाते हैं। वह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इम्फाल की लड़ाई में अपने अनुभवों की कहानियां भी सुनाते हैं। उनकी 68 साल की बहू कुनिको सातो बताती हैं कि उनके ससुर आज भी ज्यादातर काम खुद करने की कोशिश करते हैं। वह बिना मदद के खुद नहाते हैं। पिछले साल जब कुनिको के पैर में चोट लगी थी, तब सातो ने अपने चावल के कटोरे खुद धोने शुरू कर दिए थे। कुनिको कहती हैं, 'हम बुढ़ापे में एक-दूसरे का ख्याल रखने लगे हैं। 'दो दिन बाद सातो 107 साल के हो जाएंगे।